E-Paper : www.goodluckpublications.com, • www.vbslive.in

हिंदी दैनिक

गुवाहाटी, नई दिल्ली, शिमला और जम्मू से एकसाथ प्रकाशित

विकसित भारत समाचार

राष्ट्र निर्माण में प्रयत्नशील

वर्ष : 10 | अंक : 187 | गुवाहाटी | सोमवार, 5 फरवरी, 2024 | मूल्य : 10 रुपए | पृष्ठ : 8 | VIKSIT BHARAT SAMACHAR | Regd. RNI No. ASSHIN/2014/56526

न्याय वितरण पर दुनिया को बहुत कुछ दे सकता है भारत : राष्ट्रपति — पेज 2

बीजेपी ने मेघालय के सीएम को बताया था सबसे भ्रष्ट, पर लगा लिया गले — पेज 3

इंडी गठबंधन के नेता एकजुट न हुए तो जाएंगे सब जेल : अभय चौटाला — पेज 5

खेल मंत्रालय का बड़ा फैसला, भारतीय पैरालंपिक समिति को किया निलंबित — पेज 7

अपना इतिहास मिटाकर कोई भी देश प्रगति नहीं कर सकता : पीएम

11,600 करोड़ रुपए की परियोजनाओं की शुरुआत की

गुवाहाटी। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने रविवार को असम में लगभग 11,600 करोड़ रुपए की विभिन्न विकास परियोजनाओं की शुरुआत की। मोदी ने यहां खानापाड़ा स्थित पशु चिकित्सा महाविद्यालय के मैदान में आयोजित एक कार्यक्रम में राज्य और केंद्र द्वारा वित्तपोषित इन बुनियादी ढांचा परियोजनाओं की शुरुआत की। परियोजनाओं की शुरुआत करने के बाद प्रधानमंत्री ने कहा कि इन पहलों से न केवल पूर्वोत्तर, बल्कि शेष दक्षिण एशिया में भी संपर्क सुविधाएं मजबूत होंगी। जिन प्रमुख परियोजनाओं की आधारशिला रखी गई उनमें कामाख्या मंदिर गलियारा (498 करोड़ रुपए), गुवाहाटी में नए हवाई अड्डे के टर्मिनल से छह लेन की सड़क (358 करोड़ रुपए), नेहरू स्टेडियम का फीफा मानकों के अनुरूप उन्नयन (831 करोड़ रुपए) और चंद्रपुर में एक नया खेल परिसर (300 करोड़ रुपए) शामिल है। प्रधानमंत्री ने *असोम माला* सड़कों के दूसरे संस्करण की भी शुरुआत की। इस चरण में 43 नई सड़कों और कंक्रीट के 38 पुलों का निर्माण एवं उन्नयन किया जाएगा जिसमें कुल 3,444 करोड़ रुपए का निवेश होगा। इसके अलावा मोदी ने 3,250 करोड़ रुपए की लागत से बनने वाली गुवाहाटी चिकित्सकीय महाविद्यालय और अस्पताल की एकीकृत नई इमारत की आधारशिला रखी। प्रधानमंत्री मोदी ने 578 करोड़ रुपए की लागत से निर्मित होने वाले प्रस्तावित करीमगंज चिकित्सकीय महाविद्यालय एवं अस्पताल तथा गुवाहाटी में 297 करोड़ रुपए की लागत से बनने वाले यूनिटी मॉल की भी आधारशिला रखी। उन्होंने 1,451 करोड़ रुपए की लागत से विकसित बिश्वनाथ चारियाली से गोहपुर तक नवनिर्मित चार-लेन सड़क और 592 करोड़ रुपए की लागत से निर्मित डोलाबारी से जमुगुरी तक एक और चार-लेन की सड़क का उद्घाटन किया। मोदी शनिवार शाम को यहां पहुंचे थे और वह रात को शहर के कोइनाधारा राज्य अतिथि गृह में रुके। एक वरिष्ठ अधिकारी ने बताया कि मोदी ने रात में भाजपा की राज्य कोर कमेटी के पदाधिकारियों से मुलाकात की और पार्टी मामलों पर चर्चा की। उन्होंने कहा कि बैठक में मुख्यमंत्री हिमंत विश्व शर्मा, केंद्रीय मंत्री सर्बानंद सोनोवाल, राज्य मंत्री रंजीत कुमार दास, भाजपा की राज्य इकाई के अध्यक्ष भाबेश कलिता और पार्टी के अन्य नेता मौजूद थे।

गुवाहाटी। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने रविवार को दावा किया कि आजादी के बाद सत्ता में रहे लोग पूजा स्थलों के महत्व को नहीं समझ सके और उन्होंने राजनीतिक वजहों से अपनी ही संस्कृति पर शर्मिंदा होने की प्रवृत्ति स्थापित की। गुवाहाटी में 11,600 करोड़ रुपए की परियोजनाओं का शिलान्यास और लोकार्पण करने के बाद एक रैली को संबोधित करते हुए मोदी ने कहा कि कोई भी देश अपना इतिहास मिटाकर प्रगति नहीं कर सकता। केंद्र सरकार द्वारा 498 करोड़ रुपए की लागत से बनाए जा रहे कामाख्या मंदिर गलियारा परियोजना पर उन्होंने कहा कि इसके तैयार हो जाने के बाद बड़ी संख्या में श्रद्धालु इस *शक्ति पीठ* में आएंगे और इससे पूरे पूर्वोत्तर के पर्यटन क्षेत्र को बढ़ावा मिलेगा। मोदी ने कहा कि यह पूर्वोत्तर का प्रवेश द्वार बन जाएगा। हजारों वर्षों की चुनौतियों के बावजूद ये हमारी संस्कृति और हमने खुद को कैसे संरक्षित रखा है, इस बात के प्रतीक हैं। हमारी मजबूत संस्कृति का हिस्सा रहे इनमें से कई प्रतीक आजकल खंडहर बन गए हैं। उन्होंने कहा कि *कामाख्या दिव्यलोक परियोजना* इस शक्ति पीठ की तीर्थयात्रा के अनुभव को बिल्कुल पलट देगी। प्रधानमंत्री ने दावा किया कि आजादी के बाद लंबे समय तक सरकार चलाने वाले लोग ऐसे धर्म स्थलों का महत्व नहीं समझ सके और उनकी उपेक्षा की। उन्होंने कहा कि राजनीतिक लाभ के कारण उन्होंने अपनी ही संस्कृति और इतिहास पर शर्मिंदा होने की प्रवृत्ति स्थापित की। कोई भी देश अपने इतिहास को भुलाकर तथा मिटाकर और अपनी जड़ों को काटकर विकसित नहीं हो सकता है। मोदी ने कहा कि हालांकि, पिछले 10 साल में स्थिति बदली है। उन्होंने कहा कि भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) नीत *डबल-इंजन* सरकार की नीति विरासत स्थलों के विकास और संरक्षण की है। उन्होंने असम को एक उदाहरण बताया और कहा कि यह ऐसा स्थान है, जहां धर्म, अध्यात्मिकता और इतिहास आधुनिकता के साथ जुड़े हैं। मोदी ने कहा कि जिन परियोजनाओं की उन्होंने शुरुआत की, उससे न केवल पूर्वोत्तर में, बल्कि बाकी के दक्षिण एशिया में संपर्क सुविधा मजबूत होगी। उन्होंने कहा कि आज, युवा चाहते हैं कि असम और पूर्वोत्तर का दक्षिण एशिया की तरह विकास किया जाए। आपका सपना मोदी का संकल्प है। मोदी आपके सपने को पूरा करने में कोई कोर कसर नहीं छोड़ेगा। यह मोदी की गारंटी है। प्रधानमंत्री ने यह भी कहा कि पिछले 10 साल में असम में शांति लौटी है और 7,000 से अधिक लोगों ने हथियार छोड़े हैं और मुख्यधारा में लौटे हैं। मोदी ने कहा कि 10 से अधिक प्रमुख शांति समझौतों पर हस्ताक्षर किए गए हैं। एक वक्त में मैंने असम में पार्टी के लिए काम किया था। मैंने अपनी आंखों से गुवाहाटी में सड़कें अवरुद्ध होने और बम विस्फोट की घटनाएं देखी हैं। यह अब बीते वक्त की बात है। उन्होंने कहा कि राज्य के साथ ही क्षेत्र के कई इलाकों से सशस्त्र बल (विशेषाधिकार) *-शेष पृष्ठ दो पर*

न्यूज गैलरी

संस्कृति में बदलाव के प्रयासों से सतर्क रहने की आवश्यकता : भागवत

बेंगलुरु। राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ (आरएसएस) प्रमुख मोहन भागवत ने शनिवार को कहा कि संस्कार भारती को कला की आड़ में समाज की संस्कृति को बदलने के प्रयासों से निपटने को तैयार रहना चाहिए। संघ से संबद्ध संस्कार भारती द्वारा आयोजित अखिल भारतीय कलासाधक संगम के दौरान भरत मुनि सम्मान समारोह में बोलते हुए भागवत ने कहा कि भारत आजादी के कई वर्षों के बाद अपने आत्मसम्मान की खोज की ओर अग्रसर है। संघ प्रमुख ने कहा कि कला का उपयोग लोकप्रियता हासिल करने और समाज *-शेष पृष्ठ दो पर*

नरेंद्र मोदी असम के शुभचिंतक हैं : मुख्यमंत्री

गुवाहाटी (हि.स.)। मुख्यमंत्री डॉ हिमंत बिस्व शर्मा ने कहा है कि बुनियादी ढांचे के विकास की पहल से असम की प्रगति में एक और बड़ी छलांग लगाते हुए, रविवार को वर्चुअल मोड के माध्यम से कुल 11,600 करोड़ रुपए की परियोजनाओं का प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी द्वारा औपचारिक उद्घाटन और शिलान्यास किया गया। मुख्यमंत्री डॉ शर्मा आज गुवाहाटी में कॉलेज ऑफ वेटरनरी साइंस प्लेग्राउंड में आयोजित एक समारोह को प्रधानमंत्री की उपस्थिति में संबोधित कर रहे थे। इस अवसर पर स्वागत भाषण देते हुए मुख्यमंत्री डॉ. हिमंत बिस्वा शर्मा ने प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी को असम के लोगों का सदाबहार मित्र बताते हुए कहा कि असम के इतिहास में एक ही दिन में कुल मिलाकर 11,600 करोड़ रुपए की बुनियादी ढांचा परियोजनाओं का उद्घाटन और शिलान्यास किया गया। मुख्यमंत्री ने कहा कि असम के प्रति प्रधानमंत्री की सद्भावना के कारण, यूनाइटेड लिबरेशन फ्रंट ऑफ असम (अल्फा) और राज्य में सक्रिय अन्य विद्रोही समूहों के साथ शांति समझौते पर हस्ताक्षर किए गए। मुख्यमंत्री ने कहा कि राज्य भर में शांति की वापसी से हजारों युवा मुख्यधारा में लौट आए हैं, जो अब राष्ट्र निर्माण की प्रक्रिया में योगदान दे रहे हैं। उन्होंने कहा कि उन्होंने पिछले तीन वर्षों में हड़तालों/आंदोलनों का रास्ता छोड़ने के लिए असम के लोगों को श्रेय दिया और इससे सरकार को राज्य को विकास की नई सुबह की ओर ले जाने में मदद मिली है। मुख्यमंत्री डॉ. शर्मा ने कहा कि बोगीबील पुल, 9.15 किलोमीटर लंबा भूपेन हजारिका ब्रिज *-शेष पृष्ठ दो पर*

देरगांव पुलिस अकादमी में प्रशिक्षुओं के दो गुटों में हिंसक झड़प, कई घायल

गोलाघाट (हि.स.)। जिले के देरगांव स्थित लाचित बरफुकन पुलिस अकादमी में शनिवार की रात करीब 8.30 बजे मणिपुर के कुकी और मैतेई समुदायों के पुलिस प्रशिक्षुओं के बीच हिंसक झड़प हो गई। दोनों पक्षों के बीच धारदार हथियारों से हमला किया गया, जिसमें कई प्रशिक्षु घायल हो गए। सात प्रशिक्षुओं को देरगांव के सामुदायिक अस्पताल और कई को जिला अस्पताल के लिए रेफर किया गया। शिविर में तनाव बना हुआ है लेकिन स्थिति नियंत्रण में है। जानकारी के अनुसार देरगांव के लाचित बरफुकन पुलिस अकादमी में प्रशिक्षण ले रहे मणिपुर के कुकी और मैतेई समुदायों के पुलिस प्रशिक्षुओं के बीच जमकर हिंसक झड़प हो गई। कहासुनी के बाद शुरू हुआ विवाद खूनी संघर्ष में बदल गया। इस मारपीट में दोनों गुटों के प्रशिक्षु धारदार हथियारों से एक-दूसरे पर हमला *-शेष पृष्ठ दो पर*

हिमाचल में भारी बर्फबारी 475 सड़कें बंद

शिमला। हिमाचल प्रदेश में भारी बर्फबारी अब लोगों के लिए आफत साबित हो रही है। प्रदेश में रोहतांग में तीन फीट, नारकंडा, कुफरी, रोहड़ू, चौपाल व मनाली में आधा फीट से अधिक हिमपात हुआ है। हिमपात के कारण जनजीवन अस्त व्यस्त हो गया है। बिजली, पानी और यातायात ठप है। प्रदेश में 475 सड़कें ताजा हिमपात के कारण बंद हैं। इन्हें खोलने के प्रयास किए जा रहे हैं। ऊपरी शिमला के लिए यातायात पूरी तरह से बंद है। दो दिनों से रुक-रुक कर बर्फ गिरने और वर्षा का क्रम जारी रहा। इसके कारण हाड *-शेष पृष्ठ दो पर*

समान नागरिक संहिता ड्राफ्ट को धामी कैबिनेट ने दी मंजूरी

देहरादून (हि.स.)। मुख्यमंत्री पुष्कर सिंह धामी की अध्यक्षता में रविवार सायं मुख्यमंत्री आवास पर आयोजित मंत्रिमंडल की बैठक में सामान नागरिक संहिता (यूसीसी) ड्राफ्ट को मंजूरी दे दी गई। सोमवार (05) फरवरी से उत्तराखंड विधानसभा का सत्र आहूत किया गया है। इस सत्र के दौरान राज्य सरकार विधानसभा के पटल यूसीसी कानून को रख सकती है। बैठक में कैबिनेट मंत्री प्रेमचंद अग्रवाल, सतपाल महाराज, धन सिंह रावत, गणेश जोशी, रेखा आर्या सहित अन्य मंत्री मौजूद रहे। विधानसभा चुनाव-2022 से पूर्व सरकार ने राज्य की जनता से भारतीय जनता पार्टी के संकल्प के अनुरूप उत्तराखंड में समान नागरिक संहिता लाने का वादा किया था। *-शेष पृष्ठ दो पर*

गोयनकाजी एक जीवन-एक ध्येय का उदाहरण : प्रधानमंत्री

नई दिल्ली (हि.स.)। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने आज विपश्यना साधना संस्थान के संस्थापक एसएन गोयनका के जन्म शताब्दी समारोह को संबोधित किया। अपने वीडियो संदेश में उन्होंने कहा कि ध्यान साधना हमें एकजुटता की भावना से जोड़ती है। एकजुटता की भावना, एकता की शक्ति ही विकसित भारत का बहुत बड़ा आधार है। आचार्य एसएन गोयनका के जन्मशताब्दी समारोह में सभी ने वर्ष भर इसी मंत्र का प्रचार-प्रसार किया है। आचार्य गोयनका को *एक जीवन-एक ध्येय* का बेहतरीन उदाहरण बताते हुए प्रधानमंत्री ने कहा कि उनका एक *-शेष पृष्ठ दो पर*

दमोह में इस्लामिक भीड़ की खुले आम धमकी

भोपाल (हि.स.)। मध्यप्रदेश में एक बार फिर इस्लामिक भीड़ का ताण्डव देखने को मिला है। इस बार निशाने पर पुलिस प्रशासन रहा और दबाव ये कि यदि पुलिस ने उसकी बात नहीं मानी तो वे उन (हिन्दुओं) के न हाथ रहने देंगे न सिर सलामत रखेंगे, जिनके विरुद्ध वे कार्रवाई करने के लिए थाने को चारों ओर से घेरने के लिए आए हैं। मामला इतना बढ़ा कि पहले पुलिस ने उन लोगों पर एफआईआर दर्ज की जिनके लिए ये भीड़ मांग कर रही थी, लेकिन उसके बाद भी जब इनका बवाल शांत नहीं हुआ तो आखिरकार पुलिस को डंडे बरसाने पड़े और लगभग 10 किलोमीटर पर शहर की एक-एक गली विशेषकर मुस्लिम बहुल क्षेत्र में फ्लेगमार्च निकालना पड़ा। दरअसल, घटना राज्य के दमोह जिले की है, शनिवार-रविवार की देर रात घटे इस मामले में अब वीडियो फुटेज सामने आ चुके हैं। इनमें साफ देखा जा सकता है कि कैसे मुस्लिम भीड़ के बीच भड़काऊ भाषण चल रहे हैं, वह भी सिटी कोतवाली में पुलिस स्टेशन को चारों ओर से घेर के शासकीय परिसर के भीतर। जिसमें कि वहां मौजूद सभी मुसलमान इस्लाम के नाम पर भड़काने वालों की हां में हां मिला रहे हैं और पुलिस को 24 घण्टे का वक्त देते हुए अल्लू हू अकबर के नारे लगाने के साथ अंजाम भुगतने को तैयार रहने की धमकी दे रहे हैं। जबकि मामला इतना बड़ा कुछ था ही नहीं कि इस पर इतना बड़ा बवाल खड़ा किया जाता। दरअसल, विवाद की *-शेष पृष्ठ दो पर*

भारत-बांग्लादेश सीमा से घुसपैठ म्यांमार के तीन नागरिक शामिल

नई दिल्ली। राष्ट्रीय जांच एजेंसी (एनआईए) ने मानव तस्करी मामले में म्यांमार के तीन नागरिकों के खिलाफ आरोपपत्र दाखिल किया है। समाचार एजेंसी पीटीआई के मुताबिक, एनआईए ने उनके खिलाफ भारत-बांग्लादेश सीमा के माध्यम से भारत में विदेशी नागरिकों की अवैध घुसपैठ और तस्करी के मामले में आरोपपत्र दायर किया है। केंद्रीय एजेंसी के एक प्रवक्ता ने बताया कि आरोपी रबीउल इस्लाम, शफी आलम उर्फ सैयदुल इस्लाम और मोहम्मद उस्मान के खिलाफ ये आरोप पत्र दायर किया गया है। ये सभी म्यांमार के स्थायी निवासी हैं। एनआईए के अनुसार, उन्होंने तस्करों और दलालों की मिलीभगत से वैध दस्तावेजों के बिना अवैध रूप से भारत में प्रवेश किया था। साथ ही वह अवैध सीमा मार्गों के माध्यम से कई अन्य विदेशी नागरिकों की घुसपैठ में भी शामिल थे। अधिकारी ने कहा कि वह विभिन्न अवैध गतिविधियों में *-शेष पृष्ठ दो पर*

CLASSIFIED

For all kinds of classified advertisements please contact

97070-14771
86382-00107

MURTI AVAILABLE

Available all kinds of Marble & White Metal Murties, Ganesh Laxmi, Radha Krishna, Bishnu-Laxmi, Hanuman, Maa Durga, Saraswati, Shivling, Nandi etc.
ARTCLE WORLD, S-29, 2nd Floor, Shoppers Point, Fancy Bazar, Guwahati-01,
Ph. : 94350-48866, 94018-06952

न्याय वितरण पर दुनिया को बहुत कुछ दे सकता है भारत : राष्ट्रपति

नई दिल्ली (हि.स.)। राष्ट्रपति द्रोपदी मुर्मू ने शुक्रवार को कहा कि आज भारत वैश्विक विमर्श में एक प्रमुख हितधारक के रूप में उभरा है। ऐसे में न्याय वितरण में अंतर्राष्ट्रीय मुद्दों पर भारत के पास देने के लिए बहुत कुछ है। भारत न केवल सबसे बड़ा लोकतंत्र है, बल्कि सबसे पुराना लोकतंत्र भी है। उस समृद्ध और लंबी लोकतांत्रिक विरासत के साथ, हम आधुनिक समय में न्याय वितरण में अपनी सीख दुनिया से साझा कर सकते हैं। राष्ट्रपति द्रौपदी मुर्मू ने आज नई दिल्ली में कॉमनवेल्थ लीगल एजुकेशन एसोसिएशन (सीएलईए) - कॉमनवेल्थ अटॉर्नी और सॉलिसिटर जनरल कांफ्रेंस (सीएएसजीसी) 2024 के समापन समारोह में भाग लिया और इसे संबोधित किया। कार्यक्रम में गृह मंत्री अमित शाह और कानून मंत्री अर्जुन राम मेघवाल भी उपस्थित रहे। राष्ट्रपति द्रोपदी मुर्मू ने कहा कि हमारे संविधान की प्रस्तावना सामाजिक, आर्थिक और राजनीतिक न्याय की बात करती है। न्याय वितरण के विषय में हमें सामाजिक न्याय सहित सभी पहलुओं को ध्यान में रखना चाहिए। उन्होंने कहा कि जलवायु परिवर्तन के खतरे का सामना कर रही दुनिया में अब हमें पर्यावरणीय न्याय को भी इसमें जोड़ना चाहिए। पर्यावरणीय न्याय के मुद्दे अक्सर सीमाओं में बंधे हुए नहीं हैं। यह सम्मेलन के मुख्य विषय *न्याय वितरण में सीमा पार चुनौतियां* से भी जुड़ा है। राष्ट्रपति ने कहा कि सही और उचित ही तार्किक रूप से भी सही प्रतीत होता है। यह तीन गुण मिलकर किसी समाज की नैतिक व्यवस्था को परिभाषित करते हैं। कानूनी पेशे और न्यायपालिका के प्रतिनिधि ही व्यवस्था बनाए रखने में मदद करते हैं। इस व्यवस्था को चुनौती मिलने पर वकील या न्यायाधीश, कानून के छात्र या शिक्षक के रूप में यही लोग इसे फिर से सही करने के लिए सबसे अधिक प्रयास करते हैं। राष्ट्रपति ने कहा कि उन्हें यह जानकर खुशी हुई कि सीएलईए ने एक साझा भविष्य के लिए एक रोडमैप तैयार करने की जिम्मेदारी ली है। यह समानता और गरिमा पर आधारित प्राकृतिक न्याय के बुनियादी सिद्धांतों को रेखांकित करता है। उन्होंने विश्वास जताया कि राष्ट्रमंडल अपनी विविधता और विरासत के साथ, बाकी दुनिया को सहयोग की भावना से आम चिंताओं को दूर करने का रास्ता दिखा सकता है। राष्ट्रपति ने विश्वास व्यक्त किया कि सम्मेलन में विभिन्न संस्थानों और विश्वविद्यालयों के डीन, कुलपतियों और विद्वान के साथ-साथ वरिष्ठ छात्रों की भागीदारी से समृद्ध हुई होगी। उन्होंने कहा कि युवा दिमाग लचीले होते हैं और उन समस्याओं के लिए नवीन और आउट-ऑफ-द-बॉक्स समाधान पेश कर सकते हैं, जिन्होंने सबसे अनुभवी पेशेवरों को चुनौती दी है।

कानूनी एजेंसियां सीमाओं से बंधी नहीं : केंद्रीय गृहमंत्री

नई दिल्ली। कॉमनवेल्थ अटॉर्नी और सॉलिसिटर जनरल कांफ्रेंस (सीएजीएससी-24) के समापन सत्र में केंद्रीय गृह मंत्री अमित शाह ने कानून का राज स्थापित करने को लेकर सख्त संदेश दिया। शाह ने कहा कि न्यायपालिका में तकनीक का इस्तेमाल बढ़ने से पूरा सिस्टम सरल बनाया जा सकता है। शाह ने तीन *ए* का फॉर्मूला बताते हुए कहा, न्यायपालिका आम लोगों की पहुंच में होनी चाहिए। इसके अलावा उन्होंने कम खर्च में गरीबों को न्याय दिलाने के विजन के तहत किफायती और न्याय सुनिश्चित करने के लिए अदालतों की जवाबदेही का जिक्र किया। उन्होंने पूरे सिस्टम को सुलभ, किफायती और जवाबदेह बनाने की दिशा में प्रयास किए जाने का आह्वान भी किया। शाह ने रविवार को कहा कि अपराध और अपराधी भौगोलिक सीमाओं का सम्मान नहीं करते। इसलिए, देश की विभिन्न कानून प्रवर्तन एजेंसियों को भी जांच और पीड़ितों को इंसाफ दिलाने की राह में किसी भी सीमा को बाधा नहीं मानना चाहिए। उन्होंने कहा कि अपराधों को सुलझाने के इन बाधाओं को एक शुरुआती बिंदु के रूप में समझना चाहिए।

सार्वजनिक संपत्ति के नुकसान की भरपाई करने पर ही मिलेगी जमानत, विधि आयोग का केंद्र को प्रस्ताव

नई दिल्ली। सार्वजनिक संपत्ति को नुकसान पहुंचाना अब आसान नहीं होगा। ऐसा करने के लिए दस बार सोचना पड़ेगा। विधि आयोग का कहना है कि सार्वजनिक संपत्ति को नुकसान पहुंचाने वाले लोगों से नुकसान के बराबर धनराशि जमा कराई जाए, उसके बाद ही उन्हें जमानत दी जाए। विधि आयोग ने शुक्रवार 2 फरवरी को केंद्र सरकार को ये सुझाव दिया है। विधि आयोग ने सार्वजनिक संपत्ति नुकसान निवारण अधिनियम में संशोधन के तहत केंद्र सरकार को ये सुझाव दिया दिया है। आयोग का कहना है कि इससे सार्वजनिक संपत्ति को नुकसान होने से बचाया जा सकेगा। विधि आयोग का कहना है कि जितना नुकसान उपद्रवियों ने किया है, उतनी की रकम उनसे वसूली जाए, सरकार ने अगर आयोग की इस सिफारिश को स्वीकार किया तो सार्वजनिक संपत्ति को नुकसान पहुंचाने से पहले उपद्रवी और हुड़दंगी दस बार सोचेंगे। जस्टिस ऋतुराज अवस्थी की अध्यक्षता वाले आयोग ने सरकार को ये भी सुझाव दिया कि विरोध प्रदर्शनों करने के दौरान जानबूझकर सार्वजनिक स्थानों और सड़कों को लंबे समय अवरुद्ध करने, बाधित करने के मुद्दे से निपटने के लिए एक कानून बनाया जाए। आयोग ने सिफारिश की है कि सार्वजनिक स्थानों पर रुकावट पैदा करने के खिलाफ या तो कानून बनाया जाए या फिर इससे निपटने के लिए संशोधन के माध्यम से भारतीय दंड संहिता (आईपीसी) या नए कानून भारतीय न्याय संहिता में इससे संबंधित एक विशेष प्रावधान लाया जाए।

लंका के नंबर-1 पीपलपुखुरी के शिव मंदिर में चोरी

होजाई(हिंस)। होजाई जिलांतर्गत लंका के पीपलपुखुरी स्थित शिव मंदिर में चोरी की घटना को लेकर इलाके में सनसनी फैल गई है। पुलिस सूत्रों ने आज बताया है कि बीती रात मंदिर का ताला तोड़कर चोर अंदर घुसकर पीतल के दो लाख रुपये से अधिक के कई सामान चुराकर फरार हो गए। चोर मणिकूट से भगवान गोपाल की पीतल की 4 किलो और 800 ग्राम की मूर्ति भी ले गए। इसी बीच सुबह ताला टूटा देख चोरी की वारदात सामने आई। मंदिर प्रबंधन की ओर से फिलहाल पुलिस को घटना की सूचना दे दी गई है। पुलिस मौके पर पहुंचकर मामले की जांच में जुटी हुई है।

यूजीसी ने शोध और इंटर्नशिप करने वाले छात्रों के लिए जारी की गाइडलाइन

नई दिल्ली। विश्वविद्यालयों में शुरू किए गए चार वर्षीय स्नातक कोर्सों में दाखिला लेने वाले छात्रों को स्नातक स्तर पर ही शोध और इंटर्नशिप करने का मौका मिलेगा। विश्वविद्यालय अनुदान आयोग (यूजीसी) ने इसे लेकर विस्तृत गाइडलाइन जारी की है। हालांकि, इस दौरान छात्रों को सिर्फ उन्हीं क्षेत्रों में शोध करने के लिए प्रोत्साहित किया जाएगा, जो देश के विकास को रफ्तार देने के लिए जरूरी होंगे। इसके तहत फिलहाल एआई, आइटी व पर्यटन सेक्टर सहित 16 प्रमुख क्षेत्रों को चिन्हित किया गया है। खास बात इन क्षेत्रों में शोध करने वाले छात्रों को ही स्नातक के साथ आनर्स के साथ शोध (आनर्स विद रिसर्च) की डिग्री मिलेगी। यूजीसी ने इस गाइडलाइन के साथ ही सभी विश्वविद्यालयों से अपने यहां इसके लिए जरूरी ढांचा तैयार करने को कहा है। इसके लिए एक नोडल अधिकारी की तैनाती है, जिसकी शोध और इंटर्नशिप जैसे कामों में रूचि हो। इसके साथ ही संस्थानों से स्थानीय स्तर पर चिन्हित किए गए क्षेत्रों के संबंध में एक सर्वे कराने को भी कहा है, ताकि वह उनकी जरूरतों को पहचान सकें और उसे मजबूती भी दे सकें। यूजीसी के मुताबिक छात्रों को शोध व इंटर्नशिप के लिए जरूरी क्रेडिट अंक भी दिए जाएंगे। इस दौरान इंटर्नशिप करने पर दो से चार क्रेडिट अंक तक मिलेंगे, जबकि शोध करने पर 12 क्रेडिट अंक मिलेंगे। इस दौरान एक क्रेडिट अंक के लिए छात्रों को कम से कम 30 घंटे तक उस क्षेत्र में देना होगा। गौरतलब है कि नई राष्ट्रीय शिक्षा नीति के तहत छात्रों को स्नातक स्तर पर ही शोध को लेकर प्रोत्साहित करने के लिए चार वर्षीय स्नातक प्रोग्राम में इसे जोड़ा गया है। जबकि अभी तक किसी भी छात्र को शोध कार्यों से जुड़ने के लिए उसका परास्नातक (पोस्ट ग्रेजुएट) होना जरूरी होता था। यूजीसी ने स्नातक स्तर पर छात्रों को शोध और इंटर्नशिप से जोड़ने के लिए जिन 16 प्रमुख क्षेत्रों को चुना है, उनमें एआई, मशीन लर्निंग, डीप लर्निंग, आइटी आदि के साथ व्यापार व कृषि क्षेत्र, इकोनामी-बैंकिंग क्षेत्र, लाजिस्टिक, हैंडक्राफ्ट, आर्ट, डिजाइन और संगीत का क्षेत्र, हेल्थ केयर और लाइफ साइंस, पर्यटन और उससे जुड़ी सुविधाओं वाला क्षेत्र, मानवाधिकार, संचार, शिक्षा, पर्यावरण, कामर्स, मध्यम व छोटे उद्योग, रिटेल, खेल और फिजिकल एजुकेशन आदि शामिल है।

सत्ता परिवर्तन के बाद आर-पार के मूड में लालू की पार्टी

बेतिया। भाजपा व उसकी सहयोगी दलों ने बिहार की जनता के साथ विश्वासघात किया है। बिहार की जनता एनडीए (एनडीए) को माफ नहीं करेगी। लोकसभा चुनाव में चंपारण से एनडीए का सुपड़ा साफ होगा। विगत 17 साल में बिहार में जितना विकास नहीं हुआ था, उतना विकास तेजस्वी यादव के नेतृत्व में 17 माह में हुआ है। उक्त बातें राजद (आरजेडी) नेता राजन जायसवाल ने कही। उन्होंने कहा कि एनडीए मंदिर मस्जिद की बात करती है। जबकि राजद युवाओं को रोजगार देने पर विश्वास करती है। महागठबंधन की सरकार में लाखों युवाओं को रोजगार मिला है। कई लोगों के मानदेय में बढ़ोतरी हुई है। उन्होंने कहा कि बिहार की अस्मिता के लिए आज हमें पूरी एकता के साथ आगामी लोकसभा चुनाव में इंडिया गठबंधन के प्रत्याशी की जीत सुनिश्चित करने के लिए बूथ स्तर पर संगठन को मजबूत करने की जरूरत है। जिला मीडिया प्रभारी प्रभु यादव, जिला सचिव अरुण सिंह, किसान प्रकोष्ठ के महासचिव शत्रुघ्न गुप्ता, जिला महासचिव कृष्णा यादव ने गांव गांव में संगठन की मजबूती पर बल दिया। मौके पर कई लोग मौजूद रहे।

इजराइल की हिजबुल्लाह को चेतावनी, कहा-

उकसाया तो तुरंत हमला करने के लिए तैयार हैं

तेल अबीब। इजराइल की सेना ने पड़ोसी देश लेबनान में हिजबुल्लाह को अब तक की विस्तृत चेतावनी देते हुए कहा कि अगर उसे उकसाया गया तो वह *तुरंत हमला करने के लिए तैयार* है। इसके साथ ही इजराइली सेना ने गाजा में चार महीने से चल रहे युद्ध के दौरान उत्तरी सीमा पर हिजबुल्लाह की गतिविधियों का जिक्र किया और इस आतंकवादी समूह के खिलाफ सीरिया में कई हवाई हमले करने की बात भी स्वीकार की। इजराइली सेना के प्रवक्ता डेनियल हगारी ने कहा कि युद्ध हमारी पहली प्राथमिकता नहीं है लेकिन हम निश्चित रूप से तैयार हैं। जहां भी हिजबुल्ला होगा तो हम कार्रवाई करते रहेंगे, पश्चिम एशिया में जहां भी जरूरत होगी हम कार्रवाई करते रहेंगे। जो लेबनान के लिए सही है, वही सीरिया के लिए भी सही है और वही ज्यादातर अन्य दूरस्थ स्थानों के लिए भी सही है। ये टिप्पणियां रक्षा मंत्री की उस चेतावनी के बाद आई हैं कि गाजा में चरमपंथी समूह हमास के खिलाफ संघर्ष विराम का मतलब यह नहीं है कि इजराइल जरूरत पड़ने पर हिजबुल्लाह पर हमला नहीं करेगा। इस क्षेत्र में ईरान समर्थित समूहों के साथ व्यापक युद्ध की चिंताओं के बीच इजराइल और हमास के बीच युद्धविराम को बढ़ाने के प्रयास जारी हैं। हमास के एक शीर्ष अधिकारी ओसामा हमदान ने बताया कि वे अमेरिका, मिस्र, कतर और इजराइल द्वारा दिए गए प्रस्ताव का अध्ययन कर रहे हैं और कहा कि इजराइल स्थायी संघर्ष विराम समेत कई शर्तें स्वीकार कर रहा है। हमास शासित गाजा में युद्ध के कारण उसकी 85 फीसदी आबादी विस्थापित हो गई है। गाजा में स्वास्थ्य मंत्रालय ने शनिवार को बताया कि पिछले 24 घंटे में 107 लोगों की मौत हो गई है, जिससे युद्ध में अब तक मारे गए लोगों की संख्या 27,238 पहुंच गई है। 66,000 से अधिक लोग घायल हुए हैं। अबू युसूफ अल-नज्जर अस्पताल के पंजीकरण कार्यालय के अनुसार, गाजा के दक्षिणी राफाह शहर में रात भर दो अलग-अलग हवाई हमलों में महिलाओं और बच्चों समेत कम से कम 17 लोगों की मौत हो गई। अस्पताल के अधिकारियों के अनुसार, पहला हमला एक रिहायशी इमारत पर किया गया जिसमें एक ही परिवार के कम से कम 13 सदस्यों की मौत हो गई।

चिली के जंगलों में लगी आग 19 की मौत, 1100 घर नष्ट

नई दिल्ली (हि.स.)। मध्य और दक्षिण चिली के घनी आबादी वाले इलाके के आसपास लगी भीषण जंगल की आग में 19 लोगों की मौत हो गई जबकि करीब 1,100 घर नष्ट हो गए। चिली के राष्ट्रपति गेब्रियल बोरिक ने देश में आग को फैलने से रोकने के लिए आपातकाल घोषित कर दिया है। उन्होंने एक्स पर एक पोस्ट में लिखा कि जंगल में लगी आग को बुझाने के लिए सभी बल तैनात हैं। उन्होंने कहा कि स्थिति का आकलन करने के लिए आपात सेवाओं की बैठक चल रही है। चिली की आंतरिक मंत्री कैरोलिना तोहा ने कहा कि वर्तमान में देश के केंद्र और दक्षिण में 92 जंगल आग की चपेट में हैं, जहां इस सप्ताह तापमान असामान्य रूप से अधिक रहा है। उन्होंने बताया कि सबसे घातक आग वालपराइसो क्षेत्र में लगी है, जहां अधिकारियों ने लोगों से अपने घरों को नहीं छोड़ने का आग्रह किया ताकि फायरट्रक, एम्बुलेंस और अन्य आपातकालीन वाहन आसानी से काबू पा सकें। उन्होंने बताया कि आग से 19 लोगों की मौत हुई है और ये संख्या और भी बढ़ सकती है।

पृष्ठ एक का शेष

अपना इतिहास मिटाकर...

अधिनियम, 1958 (आफस्पा) हटा लिया गया है। उन्होंने कहा कि पिछले दशक में पूर्वोत्तर में रिकॉर्ड संख्या में पर्यटक आए हैं। हम ऐतिहासिक स्थलों के उत्थान के लिए एक नई योजना लेकर आएंगे और इसलिए हमने इस साल के बजट में पर्यटन पर ध्यान केंद्रित किया है। असम तथा पूर्वोत्तर में इसके लिए असीम संभावना है। प्रधानमंत्री ने दावा किया कि पिछले 10 साल में क्षेत्र में विकासात्मक गतिविधियों के लिए खर्च चार गुना बढ़ाया गया है। मोदी ने असम से राज्यसभा सदस्य रहे पूर्व प्रधानमंत्री मनमोहन सिंह के नाम का जिक्र किए बिना कहा कि ऐसा पहले तब भी नहीं किया गया था, जब प्रधानमंत्री असम से चुने गए थे।

नरेंद्र मोदी असम...

(ढोला-सदिया ब्रिज) जैसी परियोजनाएं, असम के लिए प्रधानमंत्री की दीर्घकालिक दृष्टि के कारण ही संभव हुआ। नदी-द्वीप माजुली को मुख्य भूमि से जोड़ने वाले ब्रह्मपुत्र नद पर पुल, नुमलीगढ़ को गहपुर से जोड़ने वाली ब्रह्मपुत्र नद के नीचे सुरंग, शुआलकुची को पलाशबाड़ी से जोड़ने वाला ब्रह्मपुत्र नद पर पुल, राज्य भर में 17 कैंसर अस्पताल, असम माला के तहत सड़क बुनियादी ढांचे का विकास जैसी परियोजनाएं , एक अखिल भारतीय आयुर्विज्ञान संस्थान (एम्स), गुवाहाटी के आसपास रिंग रोड, रेलवे बुनियादी ढांचे का विकास, अरुणोदय और प्रधानमंत्री आवास योजना के लाभ प्रदान करना आदि की प्रधानमंत्री की सद्भावना के बिना कल्पना नहीं की जा सकती थी। मुख्यमंत्री ने विश्वास जताया कि राज्य के सर्वांगीण विकास के लिए प्रधानमंत्री के अथक प्रयास और मार्गदर्शन आने वाले दिनों में असम को देश के सभी मोर्चों पर अग्रणी राज्यों में से एक में बदलने में मदद करेगा। मुख्यमंत्री ने राज्य के लोगों से हड़ताल और आंदोलन के बजाय कार्य-संस्कृति और विकास को अपनाने का आग्रह किया। मुख्यमंत्री ने कहा कि असम को विकास के अगले स्तर पर ले जाने के लिए यह महत्वपूर्ण है, जिसका राज्य हकदार है। इस अवसर पर राज्यपाल गुलाब चंद कटारिया, केंद्रीय बंदरगाह, जहाजरानी और जलमार्ग मंत्री सर्बानंद सोनोवाल, केंद्रीय पेट्रोलियम राज्य मंत्री रामेश्वर तेली, असम कैबिनेट मंत्री अतुल बोरा, कार्बी आंगलोंग स्वायत्त परिषद के मुख्य कार्यकारी तुलीराम रोंगहांग, उत्तर कछार हिल्स स्वायत्त परिषद के मुख्य कार्यकारी देबोलाल गार्लोसा, बोडोलैंड प्रादेशिक क्षेत्र के मुख्य कार्यकारी प्रमोद बोड़ो, असम प्रदेश भारतीय जनता पार्टी के अध्यक्ष भबेश कलिता आदि मंच पर उपस्थित थे।

देरगांव पुलिस अकादमी...

करने लगे। इस घटना में कई प्रशिक्षु घायल हो हुए हैं। जानकारी के अनुसार मणिपुर पुलिस के सात कर्मियों को देरगांव के सामुदायिक अस्पताल में रेफर किया गया है। कुछ घायलों को जोरहाट मेडिकल कॉलेज रेफर किया गया है। पुलिस अकादमी में प्रशिक्षुओं में हिंसक झड़प की खबर से अधिकारियों में हड़कंप मच गया। वरिष्ठ पुलिस अधिकारियों ने मौके पर पहुंच कर जायजा लिया। पुलिस प्रशिक्षण कॉलेज में अभी भी अधिक तनाव बना हुआ है। इसी बीच असम पुलिस महानिदेशक जीपी सिंह ने कहा कि दोनों पक्षों के बीच खाना वितरण को लेकर विवाद हुआ था, जिसे सुलझा लिया गया है। रेंज पुलिस महानिरीक्षक (आईजीपी) और उप महानिरीक्षक (डीआईजी) प्रशिक्षण ने मौके पर पहुंचकर प्रशिक्षुओं के पक्षों को सुना और सौहार्दपूर्ण ढंग से मामला सुलझा लिया गया।

हिमाचल में भारी...

कंपाने वाली ठंड हो गई है। न्यूनतम तापमान में एक से तीन डिग्री तक की वृद्धि दर्ज की गई है। जबकि अधिकतम तापमान में तीन से करीब सात डिग्री तक की गिरावट दर्ज की गई है। हाड कंपाने वाली ठंड पड़ रही है। हिमपात के कारण पथ परिवहन निगम की 75 के करीब बसें फंसी हुई हैं। मौसम विभाग द्वारा जारी किए गए ताजा पूर्वानुमान के अनुसार सोमवार को प्रदेश के छह जिलों लाहुल स्पीति, किन्नौर, शिमला, कांगड़ा, मंडी व कुल्लू में आंधी व भारी बर्फबारी को लेकर येलो अलर्ट जारी किया गया है। वहीं बाकी के छह जिलों चंबा, ऊना, बिलासपुर, हमीरपुर, सिरमौर व सोलन में आंधी व ओलावृष्टि को लेकर येलो अलर्ट जारी किया गया है। प्रदेश में 333 के करीब ट्रांसफॉर्मर अभी भी खराब हैं। जिसके कारण बिजली आपूर्ति बाधित है। 56 पेयजल योजनाएं प्रभावित हुई हैं और इसके कारण पेयजल की आपूर्ति नहीं हो सकी। लाहौल स्पीति में 157, शिमला में 133, कुल्लू में 71, चंबा में 56, मंडी में 51, किन्नौर में छह और कांगड़ा में एक सड़क बंद है। प्रदेश में धौलाकुआं में अधिकतम तापमान सबसे अधिक 13.7 डिग्री दर्ज किया गया है। जबकि बाकी स्थानों पर दस डिग्री और उसे कम दर्ज किया गया। सोमवार को तापमान में और गिरावट का अनुमान है।

समान नागरिक संहिता...

इस घोषणा का भारी बहुमत से स्वागत किया गया था। परिणामस्वरूप राज्य में भारतीय जनता पार्टी की पुन: सरकार गठित हुई और केंद्रीय नेतृत्व में पुष्कर सिंह धामी पर मुख्यमंत्री के रूप में विश्वास व्यक्त किया गया। इस वादे के मुताबिक धामी सरकार गठन के तुरंत बाद ही पहली राज्य सरकार ने कैबिनेट की बैठक में ही समान नागरिक संहिता बनाने के लिए एक विशेषज्ञ समिति गठित करने का निर्णय लिया और 27 मई 2022 को उच्चतम न्यायालय की सेवानिवृत्त न्यायाधीश रंजना प्रकाश देसाई के नेतृत्व में पांच सदस्यीय समिति बनाई। इस समिति में सिक्किम उच्च न्यायालय के पूर्व मुख्य न्यायाधीश प्रमोद कोहली, समाजसेवी मनु गौड़, उत्तराखंड के पूर्व मुख्य सचिव शत्रुघ्न सिंह व दून विश्वविद्यालय की कुलपति प्रो. सुरेखा डंगवाल को सम्मिलित किया गया। समिति ने 22 अगस्त 2022 को दो उप समितियों का गठन किया गया, जिसमें से एक उपसमिति का कार्य *संहिता* का प्रारूप तैयार करने का था। दूसरी उपसमिति का कार्य प्रदेश के निवासियों से सुझाव आमंत्रित करने के साथ ही संवाद स्थापित करना था। समिति ने देश के प्रथम गांव माणा से जनसंवाद कार्यक्रम की शुरुआत करते हुए प्रदेश के सभी जनपदों में सभी वर्ग के लोगों से सुझाव प्राप्त किए गए। इस दौरान कुल 43 जनसंवाद कार्यक्रम किए गए और प्रवासी उत्तराखंडी भाई-बहनों के साथ 14 जून 2023 को नई दिल्ली में चर्चा के साथ ही संवाद कार्यक्रम पूर्ण किया गया। समिति ने अपनी रिपोर्ट तैयार करने के लिए समाज के हर वर्ग से सुझाव आमंत्रित करने में तकनीक का सहारा भी लिया। इसके लिए 08 सितम्बर 2022 को एक वेब पोर्टल लांच करने के साथ ही राज्य के सभी नागरिकों से एसएमएस और व्हाट्सअप मैसेज से सुझाव आमंत्रित किए गए। समिति को विभिन्न माध्यमों से दो लाख बत्तीस हजार नौ सौ इकसठ सुझाव प्राप्त हुए जो प्रदेश के लगभग 10 प्रतिशत परिवारों के बराबर है। किसी कानून के निर्माण के लिए अपने सुझाव देने का देश में यह पहला अतुलनीय उदाहरण है। यह उत्तराखंड राज्य की जनता की जागरूकता को भी प्रदर्शित करता है। लगभग 10 हजार लोगों से संवाद एवं प्राप्त लगभग 02 लाख 33 हजार सुझावों का अध्ययन करने के लिए समिति की 72 बैठकें आहूत की गईं और रिकॉर्ड समय में उत्तराखंड राज्य में समान नागरिक संहिता के लिए विस्तृत रिपोर्ट तैयार कर आज रिपोर्ट मुख्यमंत्री को धामी को उपलब्ध करायी। उल्लेखनीय है कि भारतीय जनता पार्टी अस्तित्व में आने के उपरान्त से ही अनुच्छेद 370 की समाप्ति, अयोध्या में मर्यादा पुरुषोत्तम राम का मंदिर निर्माण और समान नागरिक संहिता को लागू किए जाने को अपनी शीर्ष प्राथमिकताओं में रखा गया। भारतीय जनता पार्टी ने अनुच्छेद 370 की समाप्ति और राम मंदिर का निर्माण का कार्य पहले ही पूर्ण किया जा चुका है। उम्मीद की जा सकती है कि देवभूमि उत्तराखंड से भारतीय जनता पार्टी की अपनी तीसरी प्राथमिकता समान नागरिक संहिता को लागू किए जाने का वादा पूरा करेगी।

गोयनकाजी एक जीवन-एक ...

ही मिशन था- विपश्यना। विपश्यना पूरे विश्व को प्राचीन भारतीय जीवन पद्धति की अद्भुत देन है लेकिन हमारी इस विरासत को भुला दिया गया था। भारत का एक लंबा कालखंड ऐसा रहा जिसमें विपश्यना सीखने और सिखाने की कला धीरे-धीरे लुप्त होती जा रही थी। गोयनकाजी ने म्यांमार में 14 वर्षों की तपस्या करके इसकी दीक्षा ली और फिर भारत के इस प्राचीन गौरव को लेकर देश लौटे। प्रधानमंत्री ने गोयनकाजी के व्यक्तित्व को निर्मल जल की तरह शांत और गंभीर बताया और कहा कि एक मूक सेवक की तरह सात्विक वातावरण का संचार करते थे। उन्होंने विपश्यना के अपने ज्ञान से सभी को लाभान्वित किया और इसलिए उन्होंने पूरी मानवता और विश्व के लिए योगदान दिया।

दमोह में इस्लामिक ...

मूल वजह दर्जी द्वारा तय समय पर कपड़े सिलकर नहीं देना था, जिसमें कि हिन्दू ग्राहक लल्लू शर्मा जो अपने एक साथी के साथ मुस्लिम दर्जी अंसार के पास कपड़े लेने गए थे ने दर्जी से कहा कि जब आपने वादा कर दिया था कि मैं कपड़े सिलकर दूंगा तो आपने कपड़े क्यों नहीं सिले, अब मुझे जिस आयोजन में उन्हें पहनना थे, वहां मैं क्या पहनकर जाऊं? इतना पूछने पर मुस्लिम दर्जी अंसार से जो जवाब दिया तो बात बिगड़ गई और आगे ऐसी बिगड़ी कि पहले मुंहवाद पर फिर हाथ-पैरों से एक दूसरे को मारने तक नौबत आ पहुंची। तभी किसी ने ये मैसेज कर दिया कि मौलवी (इमाम) विवाद में बीच बचाव करने पहुंचे थे तभी उनके साथ इन हिन्दू लोगों ने मारपीट कर दी है। बस, फिर क्या था! ये मुस्लिम भीड़ इंसाफ के नाम पर थाने का घेराव करने पहुंच गई और भड़काऊ भाषण शुरू हो गए। पुलिस ने काफी देर समझाने का प्रयास किया। पुलिस ने चार लोगों के खिलाफ एफआईआर दर्ज कर दो को तत्काल गिरफ्तार भी कर लिया था। पुलिस ने लल्लू शर्मा, राजू ठाकुर, भरत नायक, विक्की शर्मा निवासी इंदिरा कॉलोनी सिविल 2 दमोह के खिलाफ एफआईआर दर्ज की। अपराध क्रमांक 103 / 24 में धारा 294, 323, 506, 34, 427 में पुलिस ने ये अपराध पंजीबद्ध किया लेकिन ये हंगामा फिर भी रुकने का नाम नहीं ले रहा था। मुसलमान समूह में सरेआम देख लेने की धमकी दे रहे थे, जिसके बाद दमोह के अतिरिक्त पुलिस अधीक्षक संदीप मिश्रा ने मोर्चा संभाला और विशेष समुदाय की इस हंगामा करने वाली भारी भीड़ को नियंत्रित करने के लिए स्वयं आगे आकर भीड़ को खदेड़ दिया। दमोह के अनुविभागीय दंडाधिकारी राज ललन बागरी, सीएसपी अभिषेक तिवारी, तहसीलदार उदेनिया के साथ थाना प्रभारी अरविंद सिंह देहात थाना प्रभारी विजय सिंह राजपूत के साथ बड़ी संख्या में पुलिस ने दमोह नगर के मुस्लिम बाहुल्य क्षेत्र के साथ नगर के प्रमुख मार्गों पर देर रात्रि तक फ्लैग मार्च करती रही। इस संबंध में अतिरिक्त पुलिस अधीक्षक संदीप मिश्रा का कहना है कि कानून की नजर में सब बराबर हैं। कानून को किसी को भी हाथ में लेने का अधिकार नहीं है। कार्रवाई दोषियों पर की जा रही है। बिगड़े हालात को नियंत्रित करने के लिए फ्लेगमार्च किया गया है। प्रशासन एवं पुलिस अपना कार्य कर रही है। वहीं, पुलिस द्वारा की गई कार्रवाई को हिन्दू संगठन एक-तरफा करार दे रहे थे, इन संगठनों का कहना था कि जब झगड़ा हुआ तो दर्जी अंसार और उसके साथियों ने हिन्दू ग्राहक एवं उसके सहयोगी के साथ जो मारपीट की, उसका क्या? पुलिस को उसके खिलाफ भी कार्रवाई करनी चाहिए। वहीं, उन तमाम भीड़ में शामिल लोगों पर भी कानूनी कार्रवाई हो जोकि खुले में सरेआम (हिन्दुओं के) हाथ काटने और सिर कलम करने की बात कहते हुए अल्लू हू अकबर के नारे लगा रहे थे। जब इस मामले में पुलिस अधीक्षक संदीप मिश्रा से बात की गई तो उनका साफ कहना था कि वीडियो फुटेज देखकर कार्रवाई करना शुरू कर दिया गया है। रविवार को मामले में अब पुलिस द्वारा बड़ा एक्शन लिया जाना भी सामने आया है। पुलिस ने इस्लामिक भीड़ पर कड़ा एक्शन लेते हुए रविवार शाम को लगभग 30-40 लोगों के खिलाफ झड़प, सद्भाव बिगाड़ने समेत विभिन्न धाराओं में मामला दर्ज किया है। इस संबंध में अतिरिक्त पुलिस अधीक्षक संदीप मिश्रा ने बताया कि वीडियो में पहचान करा कर हमारी टीम अरेस्ट करने का काम कर रही हैं। 153 समेत कई अन्य धाराओं में आरोपितों पर कार्रवाई की जा रही है। इस दौरान उन्होंने फिर दोहराया कि कानून की नजर में सब बराबर हैं, जो अपराध करेगा, पुलिस उसे छोड़ने वाली नहीं है। फिलहाल इस संपूर्ण मामले में वीडियो खगाले जा रहे हैं और इसी के आधार पर पुलिस की धरपकड़ रविवार शाम से लगातार जारी है।

भारत-बांग्लादेश सीमा ...

शामिल तस्करों और दलालों के एक सुसंगठित नेटवर्क का हिस्सा थे। वे बांग्लादेश में शरण लेने वाली कमजोर रोहिंग्या महिलाओं को भी झूठा वादा देकर भारत में शरण देने की कोशिश में लगे हुए थे। एनआईए ने कहा कि ऐसी महिलाओं को उत्तर प्रदेश, राजस्थान, जम्मू-कश्मीर, तेलंगाना और हरियाणा सहित विभिन्न भारतीय राज्यों में जबरन विवाह के लिए बेच दिया गया था। एनआईए की जांच में दस्तावेजों की जालसाजी के उदाहरण और सबूत सामने आए हैं। उन्हें ये भी पता चला है कि रबी इस्लाम और मोहम्मद उस्मान ने धोखाधड़ी से आधार कार्ड प्राप्त किए थे। एनआईए प्रवक्ता ने कहा कि दोनों ने इनका इस्तेमाल कई सिम कार्ड हासिल करने और बैंक खाते खोलने के लिए भी किया था। अधिकारी ने कहा कि एनआईए ने पिछले साल 7 नवंबर को मामले की जांच शुरू की थी। जिसके बाद से एक इंटरनेशनल मानव तस्करी रैकेट का भंडाफोड़ किया।

संस्कृति में बदलाव ...

की संस्कृति को बदलने के लिए किया जाता था। कभी-कभी कला का इस्तेमाल बुरी संस्कृति फैलाने के लिए भी किया जाता है। संस्कार भारती को इसके लिए भी तैयार रहना होगा। उन्होंने कहा कि संस्कार भारती को अपनी संस्कृति के विकास के लिए कलाकारों के समूह की आवश्यकता होगी। कलाकारों का समूह ऐसा होना चाहिए जो विश्व संस्कृति का मार्गदर्शन कर सके। यह भविष्यवाणी करते हुए कि देश उठेगा और अपनी पहचान बनाएगा, उन्होंने कहा कि अयोध्या में नवनिर्मित मंदिर में राम लला के आगमन के साथ भारत का स्व वापस आ गया है। उन्होंने आरोप लगाया कि विगत की सरकारों द्वारा हमेशा भारतीयता की उपेक्षा की गई।

बीजेपी ने मेघालय के सीएम को बताया था सबसे भ्रष्ट, पर लगा लिया गले

गुवाहाटी। भाजपा मेघालय में दूसरी बार कॉनराड संगमा के नेतृत्व वाली नेशनल पीपुल्स पार्टी (एनपीपी) की सरकार में शामिल हुई है, लेकिन भाजपा के शीर्ष नेताओं सहित कई नेताओं ने पिछले साल फरवरी में राज्य विधानसभा के चुनाव से पहले संगमा को देश का सबसे भ्रष्ट मुख्यमंत्री करार दिया था। मेघालय में भाजपा के पूर्व अध्यक्ष अर्नेस्ट मावरी ने कहा था कि बिजली और अन्य विभाग जहां पिछले पांच वर्षों में सबसे अधिक भ्रष्टाचार हुआ, वे या तो एनपीपी या उनके गठबंधन सहयोगी यूडीपी के पास थे। उन्होंने दावा, पिछले साल या उसके आसपास दायर किए गए बहुत सारे आरटीआई आवेदनों के माध्यम से, हमने देखा है कि मौजूदा शासन के तहत मेघालय में किस तरह बड़े पैमाने पर भ्रष्टाचार चल रहा है, हमारे पास सभी रिकॉर्ड हैं। मावरी के अनुसार, कॉनराड संगमा के भ्रष्टाचार के मुद्दों पर असम के मुख्यमंत्री हिमंत बिस्वा सरमा और अन्य शीर्ष भाजपा नेताओं के साथ चर्चा की गई। मेघालय में चुनाव से पहले बीजेपी पहाड़ी राज्य में अच्छे प्रदर्शन को लेकर काफी आश्वस्त थी। मावरी ने यह भी भविष्यवाणी की थी कि बीजेपी इस बार दो अंकों में पहुंचेगी। हालांकि, चुनाव परिणाम भगवा पार्टी के लिए निराशाजनक थे, क्योंकि वह 60 सदस्यीय विधानसभा क्षेत्र में उसे केवल दो सीटें ही मिलीं। 2018 में बीजेपी ने भी दो सीटें जीतीं और उनका वोट प्रतिशत 9.60 फीसदी था, जो और गिरकर 9.30 फीसदी पर आ गया। एक शीर्ष स्थानीय भाजपा नेता ने कहा कि चूंकि पार्टी ने पहली बार मेघालय में सभी सीटों पर चुनाव लड़ा, इसलिए वोट प्रतिशत में मामूली गिरावट देखी गई। भाजपा

द्वारा भेजा गया पैसा लाभार्थियों तक नहीं पहुंच सका, क्योंकि संगमा के तहत राज्य में बड़े पैमाने पर भ्रष्टाचार चल रहा था। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने भी मेघालय में हाई-वोल्टेज अभियान में हिस्सा लिया और नेशनल पीपुल्स पार्टी पर तंज किया। चुनाव परिणाम घोषित होने के तुरंत बाद, भाजपा ने मेघालय में एक और गठबंधन सरकार बनाने के लिए तुरंत एनपीपी को अपना समर्थन दिया। इस बार मेघालय चुनाव में बीजेपी के दो उम्मीदवार सनबोर शुल्लाई और ए एल हेक जीते। शुल्लाई पिछली मेघालय गठबंधन सरकार में मंत्री थे और हेक को इस बार बीजेपी ने मंत्री बनाया है। राजनीतिक पर्यवेक्षकों के अनुसार, शुल्लाई और हेक दोनों में पार्टी के प्रतीक की परवाह किए बिना जीत हासिल करने की क्षमता है, और इसलिए दोनों जीत मतदाताओं के बीच राज्य के गारो हिल्स क्षेत्र में बड़ी उम्मीद कर रही थी और आंतरिक सर्वेक्षणों में पार्टी को वहां कम से कम 10 सीटें जीतने का अनुमान लगाया गया था। उम्मीदों पर सवार होकर, भाजपा के शीर्ष नेताओं ने एनपीपी प्रमुख कॉनराड संगमा के खिलाफ तीखा हमला किया, अमित शाह ने मेघालय के मुख्यमंत्री को पूरे देश में सबसे भ्रष्ट कहा। केंद्रीय गृह मंत्री ने आरोप लगाया कि मेघालय के लोगों के कल्याण के लिए केंद्र दोनों नेताओं की व्यक्तिगत स्वीकृति से अधिक मिलीं। हालांकि बीजेपी मेघालय में खुद को गठबंधन सरकार का हिस्सा बनाकर सत्ता में है, लेकिन पहाड़ी राज्य में ईसाई समुदाय के बीच भगवा पार्टी की स्वीकार्यता अभी भी एक बड़ा सवाल बनी हुई है। मेघालय में भाजपा के खिलाफ दो कारक काम कर रहे हैं- पहला, हिंदुत्व की राजनीति और दूसरा, एक प्रमुख और मजबूत स्थानीय नेता की कमी जिसके इर्द-गिर्द एक कहानी बनाई जा सके। जब तक भाजपा उपरोक्त दोनों में से कम से कम एक मुद्दे का समाधान नहीं ढूंढ़ लेती, तब तक भगवा खेमे के लिए मेघालय में प्रवेश करना कठिन है। राजनीतिक पर्यवेक्षकों ने तर्क दिया कि इन दो कारकों के कारण, भाजपा दूसरी बार मेघालय में एनपीपी के नेतृत्व वाली गठबंधन सरकार में शामिल हुई, जबकि कॉनराड संगमा को अमित शाह द्वारा सबसे भ्रष्ट मुख्यमंत्री करार दिया गया था।

मणिपुर पुलिस के वरिष्ठ अधिकारी असम पुलिस अकादमी में तैनात

इंफाल (हिंस)। देरगांव स्थित लाचित बरफूकन पुलिस अकादमी में मणिपुर पुलिस के प्रशिक्षुओं के बीच हाथापाई की जांच के लिए मणिपुर पुलिस के एक वरिष्ठ अधिकारी को असम पुलिस अकादमी में तैनात किया गया है। मणिपुर पुलिस के आईपीएस अधिकारी एम प्रदीप सिंह को स्थिति का पता लगाने और पुलिस अकादमी में मणिपुर के प्रशिक्षुओं के बीच हुई झड़प के कारणों का आकलन करने के लिए असम भेजा गया है। इसकी घोषणा मणिपुर पुलिस ने अपने सोशल मीडिया पर की है। मणिपुर पुलिस ने पोस्ट में कहा है, स्थिति का जायजा लेने के लिए मणिपुर पुलिस के एक वरिष्ठ अधिकारी एम प्रदीप सिंह, आईपीएस को ही रविवार से देरगांव में तैनात किया जा रहा है। मणिपुर पुलिस द्वारा वास्तविक समय के आधार पर मामले की निगरानी की जा रही है और स्थिति नियंत्रण में है। उल्लेखनीय है कि यह घटना शनिवार को लाचित बरफूकन पुलिस अकादमी में मणिपुर के प्रशिक्षुओं के बीच रात के खाने के वितरण को लेकर हुई हाथापाई के बाद सामने आयी। हालांकि, मामला सफलतापूर्वक सुलझ गया। असम के पुलिस महानिदेशक (डीजीपी) जीपी सिंह ने सोशल मीडिया पर घटना की जानकारी दी है। पोस्ट के मुताबिक, झगड़ा शाम के वक्त हुआ और इसका केंद्र बिंदु प्रशिक्षुओं के बीच रात के खाने का वितरण था। डीजीपी सिंह ने आश्वासन दिया कि मामला सौहार्दपूर्ण ढंग से सुलझा लिया गया है। उन्होंने उल्लेख किया कि रेंज पुलिस महानिरीक्षक (आईजीपी) और उप महानिरीक्षक (डीआईजी) प्रशिक्षण ने प्रशिक्षुओं से मुलाकात की और इस संबंध में आवश्यक सहायता और मार्गदर्शन प्रदान किया।

भूटानी शराब समेत तस्कर गिरफ्तार

कोकराझाड़ (हिंस)। सीमा चौकी दादगिरी सशस्त्र सीमा बल (एसएसबी) की टीम ने अंतरराष्ट्रीय भारत-भूटान सीमावर्ती पीलर संख्या-169/5 के पास एक तस्कर को भूटानी शराब के साथ गिरफ्तार किया है। एसएसबी सूत्रों ने आज बताया है कि भारत-भूटान गेट के पास बीती रात को वाहन तलाशी के दौरान भूटान से भारत की ओर आर रहे एक बलोरो कैंपर वाहन (बीपी-3ए-2175) की तलाशी ली गई। वाहन से काफी मात्रा में भूटानी शराब बरामद किया गया। इस मामले में ड्राइवर को गिरफ्तार कर लिया गया। ड्राइवर की पहचान गणेश कुमार बसनेट (39, भूटान) के रूप में की गई है। जब्त की गई अवैध शराब एवं वाहन सहित चालक को लैंड कस्टम ऑफिस हातीचर को अग्रिम कार्रवाई के लिए एसएसबी ने सौंप दिया।

असम में ईसाई धर्म का प्रचार कर रहे दो अमेरिकी नागरिक 500 डॉलर के जुर्माने पर रिहा

शोणितपुर (हिंस)। असम के शोणितपुर जिला मुख्यालय तेजपुर शहर में प्रलोभन देकर ईसाई धर्म का प्रचार करने वाले दो अमेरिकी नागरिकों को 500 अमेरिकी डॉलर का जुर्माना लगाकर रविवार को रिहा कर दिया गया। पर्यटक वीजा पर आए दोनों अमेरिकी नागरिकों को धर्म प्रचार गतिविधियों में शामिल रहने पर 3 फरवरी को हिरासत में लिया गया था। पुलिस के अनुसार अमेरिकी नागरिक जॉन मैथ्यू बोन और माइकल जेम्स फ्लिन्चम ने ई-पासपोर्ट के साथ भारत में प्रवेश लिया, लेकिन यहां धार्मिक कार्यों में लग गए थे। उन पर पर्यटक वीजा पर आकर धर्म प्रचार गतिविधियों

में शामिल होने का आरोप है। असम में प्रलोभन देकर ईसाई धर्म का प्रचार कर रहे दोनों अमेरिकी नागरिकों को एक गुप्त सूचना पर शोणितपुर पुलिस ने तेजपुर के बैपटिस्ट क्रिश्चियन अस्पताल से शनिवार को पकड़ा। इनके विरुद्ध तेजपुर के कछारीगांव थाना में एक मामला (जीडीई 03/24) दर्ज किया गया, जिसमें उन पर चर्च संगठन की ओर से आयोजित धार्मिक कार्यक्रमों में भाग लेने और भाषण देकर वीजा नियमों का उल्लंघन करने का आरोप लगाया गया है। पुलिस ने हिरासत में लिए गए दोनों अमेरिकी नागरिकों को कुछ शर्तों पर रिहा करने से पहले 500 अमेरिकी डॉलर (भारतीय मुद्रा में 41,486 रुपये) का जुर्माना लगाया है। अधिकारियों ने घटना के बारे में भारतीय विदेश मंत्रालय को जानकारी देने के साथ ही दोनों व्यक्तियों को धार्मिक कार्यों में शामिल होने के संबंध में चेतावनी जारी की है। दरअसल, अक्सर मिशनरी पर्यटक वीजा पर असम में प्रवेश करते हैं और बाद में चाय बागानों और आदिवासी क्षेत्रों में प्रचार गतिविधियों में संलग्न हो जाते हैं। आयोजकों की ओर से भी गोपनीयता बनाए रखने के कारण कई बार मामला दर्ज नहीं हो पाता है। इससे पहले 29 अक्तूबर, 2022 को काजीरंगा में सात जर्मन मिशनरियों को वीजा मानदंडों का उल्लंघन करने के आरोप में गिरफ्तार किया गया था। इसी तरह, तीन स्वीडिश प्रचारकों को वीजा नियमों का उल्लंघन करने और प्रचार गतिविधियों में शामिल होने के लिए पिछले साल 26 अक्तूबर को डिब्रूगढ़ से निर्वासित किया गया था। जर्मन मिशनरियों ने अपनी गतिविधियों को तेजपुर तक विस्तारित करने के इरादे से तिनसुकिया, गोलाघाट और कार्बी-आंग्लांग जिलों में धार्मिक बैठकों में भाग लिया। यह जर्मन नागरिक भी पर्यटक वीजा पर थे, इसलिए ऐसी धार्मिक गतिविधियों में भाग लेना कानूनी रूप से प्रतिबंधित था।

जेमा के इलेक्ट्रोफेस्ट एक्सपो का समापन आज

स्टॉलर से लेकर विजिटर तक को हर दो घंटे में दिए जा रहे पुरस्कार

गुवाहाटी (विभास)। गुवाहाटी इलेक्ट्रिक मर्चेंट्स एसोसिएशन (जेमा) की ओर से आयोजित तीन दिवसीय इलेक्ट्रोफेस्ट एक्सपो मैं रोजाना लोगों की भारी संख्या में उपस्थिति देखी जा रही है जो आयोजन की सफलता को बयां कर रही है। उल्लूबाड़ी स्थित आशी अप्सरा प्रांगण में आयोजित यह एक्सपो पूर्वोत्तर के इतिहास में अब तक का सबसे बड़ा इलेक्ट्रिकल एक्सपो हैं। इस एक्सपो में हर दो घंटे में पहुंचने वाले विजिटर के बीच लक्की ड्रा कर ग्रेटवहाइट ग्लोबल प्राइवेट लिमिटेड के सहयोग से विजेता को पुरस्कार दिए जा रहे हैं। वहीं स्टॉलर के बीच भी सर्वश्रेष्ठ स्टॉल सजाने की प्रतियोगिता का आयोजन किया गया था। इसमें निर्णायक मंडली में एरिडा के अध्यक्ष पीके शर्मा, टाउन व कंट्री प्लानिंग के निदेशक दीपक बेजबरुवा व जाने-माने आर्किटेक्ट संतोष बांका शामिल

थे। इस एक्सपो में लगाए गए 72 से अधिक स्थलों का अच्छे से परिभ्रमण करने के पश्चात निर्णायक मंडली ने आज पुरस्कारों की घोषणा की। इनमें प्रथम पुरस्कार केईआई वायरस एंड केबल्स, द्वितीय विनय इलेक्ट्रिकल्स व तृत्या जीगा एलईडी को मिला। जेमा के अध्यक्ष नवल किशोर शारडा व उपदयक्ष तथा इलेक्ट्रोफेस्ट के चेयरमैन गोपाल पसारी ने सभी विजेताओं को पुरस्कृत किया। इस बीच *इलेक्ट्रोफेस्ट* एक्सपो में हिस्सा ले रही सभी कंपनियों के प्रतिनिधियों ने जेमा के प्रयास की सरहना करते हुए इस आयोजन को हर वर्ष करने की मांग की, जिससे व्यपारियों तथा उद्योगों को एक छत तले आकर अपने उत्पाद प्रदर्शित करने का मौका सुनहरा मौका मिलता है। वहीं इसका सीधा लाभ एक आम ग्राहक को भी होता है। इस तीन दिवसीय आयोजन का समापन सोमवार को होगा। इलेक्ट्रोफेस्ट एक्सपो को सफल बनने में जेमा के अध्यक्ष नवल किशोर सारडा, उपाध्यक्ष तथा एक्सपो के चेयरमैन गोपाल पसारी, सचिव साकेत राज पुगलिया, एक्सपो के संयोजक अभिषेक केजरीवाल, कोषाध्यक्ष नवीन सेठिया, संयोजक अनिल दुग्गड़, सौरभ बोथरा, अभिषेक कागलीवाल, मेहुल पसारी, दीपक अग्रवाल, अंशुमन धानुका के अलावा संस्था के सभी सदस्य इस आयोजन को सफल बनाने के लिए कड़ी मेहनत कर रहे हैं। यह आयोजन पूरे पूर्वोत्तर के बिल्डरों, आर्किटेक्ट्स, ठेकेदारों, व्यापारियों, इंटीरियर डिजाइनरों और उपभोक्ताओं के लिए देखने का अवसर प्रदान कर रहा है। इसमें इलेक्ट्रिकल, लाइटिंग और पावर जगत के दिग्गज इस एक्सपो में मैन्युफैक्चरर्स, ओईएम, सप्लायर्स और डिस्ट्रीब्यूटर्स से लेकर एजेंट तक शामिल हुए हैं और व्यापार के भरपूर अवसर प्रदान कर रहा है।

रंगिया : डॉ. बीपी सराफ की स्मृति में वाद-विवाद प्रतियोगिता आयोजित

रंगिया (विभास)। पूर्वोत्तर प्रदेशीय मारवाड़ी युवा मंच के मंडल जी के मारवाड़ी युवा मंच रंगिया शाखा तथा मारवाड़ी युवा मंच रंगिया अमृत शक्ति शाखा द्वारा आज डॉ. बीपी सराफ स्मृति वाद विवाद प्रतियोगिता का प्रथम चरण आयोजित किया। स्थानीय डूंगरमल जाजोदिया स्मृति भवन में सुबह करीब 11 बजे से आरंभ हुई प्रतियोगिता में दस शिक्षानुष्ठानों से 24 छात्र छात्राओं ने भाग लिया। वाद विवाद का विषय आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस ए बून फायर सोसायटी पर सभी छात्र-छात्राओं ने पक्ष व विपक्ष में अपनी अपनी बात रखी। इसके पूर्व मायुमं रंगिया शाखा के पूर्व अध्यक्ष जितेन्द्र जाजोदिया के संचालन में रंगिया शाखा के अध्यक्ष आशिक सुरेका व अमृत शक्ति शाखा की उपाध्यक्ष पूजा सीकरिया शर्मा, सचिव शशांक जैन, संयोजक कौशल सिंघानिया के साथ प्रतियोगिता के स्पिकर पुनीत क्याल, निर्णायकद्वय

अंकूर डेका व मुस्तफा कमाल अहमद को मंचासिन कराया गया। शाखा के पूर्व अध्यक्ष राजकुमार मोर व प्रद्युमन जैन द्वारा द्वीप प्रज्ज्वलन किया गया। अध्यक्ष श्री सुरेका ने दिवंगत जज डॉ. भगवती प्रसाद सराफ की संक्षिप्त जीवनी पढ़ी। प्रतियोगिता में पधारे पूर्वोत्तर प्रदेशीय मारवाड़ी युवा मंच के मंडलिय उपाध्यक्ष विनीत हरलालका, व्यक्ति विकास संयोजक अमित कुमार त्रिवेदी, जन संपर्क अधिकारी सेंकी अग्रवाल, कार्यकारिणी सदस्य स्वराज अग्रवाल का फूलाम गामोछा से अभिनंदन करने के अलावा दोनो निर्णायक व स्पिकर का अभिनंदन फूलाम गामोछा व मोमेंटो प्रदान कर किया गया। अतिथियो के संबोधन व निर्णायक जजो ने अनुभव व्यक्त किया। अंतत: प्रथम पुरस्कार रंगिया उच्चतर माध्यमिक स्कूल के भार्गव डेका, द्वितीय पुरस्कार रंगिया महाविद्यालय के अंकुश बजाज तथा तृतीय पुरस्कार सरला बिरला ज्ञानज्योति की सेजल जाजोदिया को प्रदान किया गया। वही सभी प्रतियोगियो को सर्टिफिकेट देने के बाद अध्यक्ष आशिक सुरेका द्वारा धन्यवाद ज्ञापन के साथ राष्ट्रीय गान के साथ प्रतियोगिता संपन्न की गई।

मेघालय में 3.5 तीव्रता का भूकंप लोग अपने घरों से बाहर निकले

शिलांग (हिंस)। मेघालय के ईस्ट गारो हिल्स जिले में रविवार को दोपहर बाद मध्यम तीव्रता के भूकंप के झटके महसूस किए गए। सिस्मोलॉजी विभाग के अनुसार ईस्ट गारो हिल्स जिले में दोपहर 02 बजकर 37 मिनट 15 सेकेंड पर भूकंप का झटका महसूस किया गया। रिक्टर स्केल पर इसकी तीव्रता 3.5 मापी गई। भूकंप के चलते कहीं से किसी भी तरह के नुकसान की खबर नहीं है। भूकंप का झटका महसूस होते ही लोग अपने घरों से बाहर निकल आए और दहशत फैल गई। भारतीय सिस्मोलॉजी केंद्र के अनुसार भूकंप का केंद्र मेघालय के ईस्ट गारो हिल्स जिले में जमीन में 12 किलोमीटर नीचे स्थित था। भूकंप का एपीक सेंटर 25.80 उत्तरी अक्षांश तथा 90.69 पूर्वी देशांतर पर स्थित था।

नगांव मेडिकल कॉलेज के सामने मिली जली हुई महिला

नगांव (हिंस)। नगांव मेडिकल कॉलेज के सामने जली हुई अवस्था में एक महिला बरामद हुई। स्थानीय लोगों ने आज बताया कि महिला के शरीर का लगभग 70 प्रतिशत हिस्सा जला हुआ है, उसे किसी ने लाकर सड़क पर फेंक दिया होगा। बचाई गई महिला की पहचान अभी नहीं हो पाई है। स्थानीय लोगों को संदेह है कि किसी कारण से झुलसी महिला को इलाज के लिए लाया गया होगा, लेकिन उसे अस्पताल के बाहर छोड़ दिया गया। हालांकि, स्थानीय लोगों ने स्थानीय पत्रकारों की मदद से असहाय, जली हुई महिला को अस्पताल में भर्ती करा दिया, जिसके ईलाज की व्यवस्था की गई है। यह तो बाद में ही पता चलेगा कि इस महिला का परिचय क्या है और वह इस हालत में कैसे पहुंचीं। घटना के बारे में स्थानीय पुलिस को भी सूचित कर दिया गया है।

जिया को प्राग सिने अवार्ड्स 2024 में 16 नामांकन मिले

गुवाहाटी। शर्मिष्ठा चक्रवर्ती द्वारा निर्मित फिल्म निर्माता केनी बसुमतारी की नवीनतम निर्देशित फिल्म *जिया* ने प्राग सिने अवार्ड्स के नवीनतम 2024 संस्करण में 16 नामांकन हासिल किया हैं। *जिया* को प्रतिष्ठित प्राग सिने अवार्ड्स में 16 नामांकन मिले हैं जिनमें सर्वश्रेष्ठ फिल्म, सर्वश्रेष्ठ निर्देशक (केनी बसुमतारी), सर्वश्रेष्ठ अभिनेता पुरुष (रीकी शर्मा), सर्वश्रेष्ठ अभिनेता महिला (शर्मिष्ठा चक्रवर्ती), सर्वश्रेष्ठ सहायक अभिनेता पुरुष (उदयन दुवरा), सर्वश्रेष्ठ सहायक अभिनेता महिला (ईप्सिता हजारिका), सर्वश्रेष्ठ संगीत निर्देशक (अंबर दास), सर्वश्रेष्ठ बैकग्राउंड स्कोर (अंबर दास) और सर्वश्रेष्ठ गायक पुरुष (अंगरग पापोन महंत) शामिल हैं। फिल्म को दो सर्वश्रेष्ठ गायिका महिला नामांकन-मैत्रेयी पातर, शर्मिष्ठा चक्रवर्ती-के साथ-साथ सर्वश्रेष्ठ कॉस्ट्यूम डिजाइन (ईप्सिता हजारिका), सर्वश्रेष्ठ संपादक (रक्तिम रंजन बसुमतारी), सर्वश्रेष्ठ गीतकार (स्वप्न ज्योति थेंगल), सर्वश्रेष्ठ बाल अभिनेता (अराध्य महंत) और सर्वश्रेष्ठ पटकथा और संवाद (केनी बसुमतारी और शर्मिष्ठा चक्रवर्ती) के लिए नामांकन भी मिला। शर्मिष्ठा चक्रवर्ती द्वारा लिखित और निर्मित, *जिया* एक युवा महिला (जिया) के बारे में है, जो एक अपमानजनक विवाह से बचकर, अपनी बेटी नूपुर के साथ एकल मातृत्व की चुनौतियों का सामना करती है। सामाजिक फैसले के खिलाफ संघर्ष करते हुए, जिया एक लचीले मुखौटे के पीछे अपनी भेद्यता को छुपाती है।

पल्लवी, उसकी पक्की दोस्त, समर्थन का एक महत्वपूर्ण स्तंभ बन जाती है। जिया पल्लवी के कार्यस्थल में सांत्वना पाने के लिए एक जहरीली नौकरी छोड़ देती है, जहां उसकी मुलाकात विनम्र अभि से होती है। जिया एक निर्माता और पटकथा लेखक के रूप में मेरा पहला प्रयास है। यह वास्तव में हमारे लिए बहुत खुशी की बात है कि हमारे पहले उद्यम को प्रतिष्ठित प्राग सिने अवार्ड्स 2024 में कुल 16 नामांकन प्राप्त हुए हैं। हम वास्तव में अंतिम घोषणा की प्रतीक्षा कर रहे हैं, लेखक, अभिनेता और निर्माता शर्मिष्ठा चक्रवर्ती ने कहा। नामांकन के बारे में बोलते हुए, निर्देशक केनी बसुमतारी ने कहा कि मुझे निश्चित रूप से शर्मिष्ठा के उत्कृष्ट प्रदर्शन और संगीत के लिए नामांकन की उम्मीद थी, लेकिन 16 नामांकन एक बड़ा सुखद आश्चर्य है। फिल्म का प्रीमियर 15 दिसंबर, 2023 को ज्योति चित्रबन में 8वें ब्रह्मपुत्र वैली फिल्म फेस्टिवल में खचाखच भरे दर्शकों के सामने किया गया। फिल्म निर्माता के रूप में अपनी शुरुआत के बारे में बोलते हुए, शर्मिष्ठा चक्रवर्ती ने कहा कि पहले, यह एक गंभीर भूमिका में अभिनय करने का एक छोटा सा सपना था। चूंकि मेरे आस-पास बहुत सारी एकल मां मित्र हैं, इसलिए मैंने उस पर आधारित एक स्क्रिप्ट लिखने के बारे में सोचा। फिर मैंने किसी तरह शूटिंग के लिए जरूरी खर्च का प्रबंध किया। केनी और हमारी टीम के निस्वार्थ समर्थन की मदद से, हम फिल्म की शूटिंग करने में सफल रहे। दरअसल, मुझे सभी का समर्थन मिला। अंगराग पापोन महंत, शंकुराज कोंवर, मैत्रेयी पातर, चंदना पाठक, राज द्वीप, स्वप्न ज्योति थेंगल, ईप्सिता हजारिका से लेकर इसमें शामिल प्रत्येक व्यक्ति तक। चूंकि मेरे पति अंबर दास ने गीतों की रचना, निर्माण और बैकग्राउंड स्कोर किया है, इसलिए संगीत निर्माण घर पर नि:शुल्क किया गया। इस फिल्म का निर्माण सभी से मिले बिना शर्त प्यार और समर्थन के कारण ही संभव हो सका। फिल्म का संगीत अंबर दास, डीओपी सुरुज डेका और संपादक रक्तिम रंजन बसुमतारी का है। मुख्य कलाकारों में शर्मिष्ठा चक्रवर्ती, रीकी शर्मा, ईप्सिता हजारिका और बाल कलाकार आराध्या महंत शामिल हैं। अन्य सहायक कलाकारों में शामिल हैं: उदयन दुवरा, मनोज बोरकोटोकी, पोद्मराग गोस्वामी, अमिताभ राजखोवा, माला गोस्वामी, परानी चौधरी, कौशिक भारद्वाज, सिद्धार्थ मुखर्जी, ऑड्रे हातिबरुवा, आरिफ अली, मिंटू बरुवा, प्रयाश तामुली, टुल्टुल बरुवा, अनुष्का कश्यप, रेनू देवी चक्रवर्ती, अश्रु मोनी बोरा, बिरीना पाठक चक्रवर्ती, जोइता सेन, डेजी बर्मन, गायत्री शर्मा, बिभाष सिन्हा, अंबर दास और प्रत्यूष बरुवा। अन्य लोगों में, क्रू में सहायक निर्देशक अरिंदम कश्यप, लाइन प्रोड्यूसर अनुपम वैश्य, प्रोडक्शन मैनेजर बिभास सिन्हा, कॉस्ट्यूम ईप्सिता हजारिका, मेकअप जारा ज्या, कलर अभिषेक नारायण शर्मा और रक्तिम रंजन बसुमतारी, पोस्टर धनजीत दास, संवाद और पटकथा केनी बसुमतारी और शर्मिष्ठा चक्रवर्ती शामिल हैं। उम्मीद है कि फिल्म जल्द ही सिनेमाघरों में रिलीज होगी।

संपादकीया

स्थानांतरणों के मंतव्य

हिमाचल में ताबड़तोड़ तरीके से हो रहे स्थानांतरण के बीच एक गूंज यह कि प्रशासन का निजाम बदल रहा है, दूसरी ओर आगामी लोकसभा चुनाव से पूर्व सरकार ने सारी स्लेट को साफ करके, लोकतांत्रिक फर्ज को वरीयता दी है। धीरे-धीरे जिलों के प्रशासनिक, पुलिस अधिकारी तथा उपमंडल स्तर तक एसडीएम, डीएसपी, तहसीलदार तथा नायब तहसीलदारों की अदला बदली कर दी है। अधिकारियों की नई पांत बिछा कर सुक्खू सरकार ने दरअसल अपनी हुकूमत के पत्ते खोले हैं। एक साल की सरकार ने स्थानांतरणों की बड़ी इबारत लिखने से पूर्व संयम बरता और यह आभास नहीं होने दिया कि सत्ता बदलते सभी कुछ बदल गया। इस दौरान ट्रांसफर हुए जरूर, लेकिन आवश्यकता की परख में ही आदेश हुए। बहरहाल ट्रांसफर से प्रशासनिक हुलिया बदलने की खबर है और यह एक नया इम्तिहान भी है सरकार की नीतियों को सफल बनाने और सुशासन की कलम से नया लिखने का। दरअसल सरकार ने राज्य की व्यवस्था को अपने पैमानों और पहरों के तहत दुरुस्त करने का बीड़ा उठाया है, उम्मीद है यही संदेश विभागीय परतों के परिदृश्य में नए सजावट और नई लिखावट लाएगा। हालांकि ये तमाम स्थानांतरण एक तरह के विशेषाधिकार के तहत सरकार कर रही है, जबकि वर्षों बाद भी न इसकी नीति व नियमों में कुछ नया दर्ज हुआ या पारदर्शिता के साथ 'ट्रांसफर आर्डर' को विश्वसनीयता से देखा गया। ये तमाम बड़े साहबों के स्थानांतरण हैं, जिन्हें शहरी आवरण में समझा जा सकता है। बड़े साहबों की कोठियां हर स्थानांतरण के बाद भी सहूलियतों के हिसाब से परिपूर्ण रहती हैं, जबकि कर्मचारियों के ट्रांसफर आर्डर कुछ भिन्नता के साथ, राजनीतिक मेलजोल की पारंपरिक रिवायत को निभाते हैं। ग्रामीण स्तर के कार्यालयों, स्कूल-चिकित्सालयों के रिक्त पदों और सार्वजनिक क्षेत्र के सेवा स्तर पर ट्रांसफर के मानदंड किसी मानक के बजाय एक ऐसी फेहरिस्त में सक्रिय हैं, जो दो कर्मचारियों, दो अध्यापकों, दो डाक्टरों या अन्य पदों पर दो कर्मचारियों-अधिकारियों की आपसी सहमति पर म्यूचुअल धरातल पर अदला-बदली खेलते रहते हैं। हिमाचल में स्थानांतरण के मापदंड साबित करते हैं कि सत्ता में किसी अधिकारी-कर्मचारी का फलक क्या है। अब तो सत्ता के बीच विशेषाधिकार प्राप्त कर्मचारी-अधिकारी भी प्रत्याशित तरीके से पदों पर देखे जाते हैं। इसलिए स्थानांतरण से गंतव्य नहीं, मंतव्य साबित होता है। हम जान सकते हैं कि फलां आईएएस या एचएएस अधिकारी ही क्यों किसी जिला की बागडोर संभाल रहा है। हम अनुमान लगा सकते हैं कि बटालियन में भेजा गया पुलिस अधिकारी क्यों पटरी नहीं बिछा पाया। यही वजह रही है कि पिछली सरकार में एक जिला पुलिस अधिकारी को मुख्यमंत्री के निजी सुरक्षा अधिकारी से उलझते देखकर जनता सहम गई थी। एक यह भी प्रमाण है कि सारे अधिकारी अब व्यवस्था में 'अपनी-अपनी' सरकार खोज रहे हैं। प्रशासन के तत्व, राजनीतिक पहुंच के आगे शून्य हो सकते हैं, लेकिन वीआईपी कारवां जब चलता है तो यह सफर अब नेताओं को नायक और अधिकारियों के हुजूम को तलवे चाटता देखता है। होते हैं कभी कुछ कडक़ पुलिस अधिकारी जो अपराध को खींच लाते हैं बाहर या नशे के सौदागरों को जमीन पर सुला देते हैं, लेकिन अधिकांश कानून व्यवस्था को बदनाम नहीं करते। ऐसे भी एसएचओ स्तर के अधिकारी कामयाब हो जाते, जो जुर्म के पन्नों को खारिज करके सिर्फ ट्रैफिक चालान के पर्याय बन जाते हैं। हमारे सामने सफल प्रशासनिक अधिकारियों की कमी नहीं, लेकिन एक्शन के पदों पर स्थानांतरण आर्डर कदमताल करते रहते हैं। बहरहाल सुक्खू सरकार ने लगातार एक साल संयम से उन्हीं आला अधिकारियों को मौका दिया, जिन्हें पद पर जयराम सरकार छोड़ गई थी। परिवर्तन के लिए परिवर्तन के बजाय काम के अध्याय पूरे करने के लिए सरकारी मशीनरी सक्षम हो तो ऐसे स्थानांतरणों की व्यापकता में कुछ तो अंदाज बदलेगा। हर स्थानांतरण का एक संदेश होना चाहिए। कोई अध्यापक बदलता है, तो उसका पैगाम परीक्षा परिणाम को सफल बनाए।

एक साल की सरकार ने स्थानांतरणों की बड़ी इबारत लिखने से पूर्व संयम बरता और यह आभास नहीं होने दिया कि सत्ता बदलते सभी कुछ बदल गया। इस दौरान ट्रांसफर हुए जरूर, लेकिन आवश्यकता की परख में ही आदेश हुए। बहरहाल ट्रांसफर से प्रशासनिक हुलिया बदलने की खबर है और यह एक नया इम्तिहान भी है सरकार की नीतियों को सफल बनाने और सुशासन की कलम से नया लिखने का। दरअसल सरकार ने राज्य की व्यवस्था को अपने पैमानों और पहरों के तहत दुरुस्त करने का बीड़ा उठाया है, उम्मीद है यही संदेश विभागीय परतों के परिदृश्य में नए सजावट और नई लिखावट लाएगा। हालांकि ये तमाम स्थानांतरण एक तरह के विशेषाधिकार के तहत सरकार कर रही है, जबकि वर्षों बाद भी न इसकी नीति व नियमों में कुछ नया दर्ज हुआ या पारदर्शिता के साथ 'ट्रांसफर आर्डर' को विश्वसनीयता से देखा गया। ये तमाम बड़े साहबों के स्थानांतरण हैं, जिन्हें शहरी आवरण में समझा जा सकता है। बड़े साहबों की कोठियां हर स्थानांतरण के बाद भी सहूलियतों के हिसाब से परिपूर्ण रहती हैं, जबकि कर्मचारियों के ट्रांसफर आर्डर कुछ भिन्नता के साथ, राजनीतिक मेलजोल की पारंपरिक रिवायत को निभाते हैं।

राहुल गांधी की स्वयं को ही नुकसान देने वाली उक्तियों की सकारात्मक व्याख्या कर देने भर तक सीमित हो गया

विपक्षी गठबंधन में दरारें

कुलदीप चंद अग्निहोत्री

दरअसल विपक्ष में भी एक पक्ष था और दूसरा विपक्ष था। यह इंडी गठबन्धन बनते समय ही दिखाई दे रहा था। क्षेत्रीय दल कांग्रेस को खाकर अपना वजन बढ़ाना चाहते थे और कांग्रेस क्षेत्रीय दलों को डकार कर अपना वजन बढ़ाना चाहती थी। यह ठीक है कि कांग्रेस राष्ट्रीय स्तर पर लगभग बिखर गई है। यदि केवल सांसदों की संख्या के बल पर ही किसी दल का आकलन करना हो तो उसकी स्थिति भी लगभग किसी बड़े क्षेत्रीय दल के समान ही है। वैसे भी देश के विभिन्न राज्यों के क्षेत्रीय दल मोटे तौर पर कांग्रेस को हाशिए पर धकेल कर ही पैदा हुए हैं। लेकिन कांग्रेस के पक्ष में एक और तथ्य भी है। बिखरी हुई कांग्रेस का मलबा लगभग सभी राज्यों में इधर-उधर बिखरा पड़ा है। कांग्रेस की इच्छा है कि किसी तरह इस मलबा से फिर से, कम से कम छोटा भवन पुनः बना लिया जाए। बाद में समय मिलने पर उसका विस्तार किया जा सकेगा। लेकिन अब बहुत सीमा तक इस 'मलबा के मालिक' के नाम के तौर पर क्षेत्रीय दलों का नाम चढ़ चुका है। कांग्रेस समझ चुकी है कि वह लडक़र यह मलबा वापस नहीं ले सकती। उसने दूसरा रास्ता चुना कि किसी तरह क्षेत्रीय दलों से समझौता कर लिया जाए और उसी समझौते में से बहुत ही चतुराई से जितना मलबा वापस लिया जा सके, कम से कम उतना ले लिया जाए। पैर रखने को जगह मिल जाए तो सिर छुपाने का जुगाड़ भी कर लिया जाएगा। लेकिन उसके लिए जो चतुर मिस्त्री/शिल्पी चाहिए, दुर्भाग्य से कांग्रेस के राज परिवार के पास इस समय वह नहीं है। राहुल गान्धी को जबरदस्ती मिस्त्री का काम करने के लिए धकेला जा रहा है, लेकिन राहुल इसमें सफल हो नहीं रहे। जहां सीमेंट लगाना है, वहां ईंट लगा देते हैं, जहां लकड़ी का काम करना है, वहां शीशा लगाने लगते हैं। अब उनकी सहायता के लिए एक बुजुर्ग मल्लिकार्जुन को भी साथ लगाया गया है। वे बेचारे राहुल को लेकर गली गली घूम रहे हैं। उधर पार्टी चिल्ला रही है, बाबा सिर पर चुनाव है, आप दोनों किस काम में लगे हुए होस लेकिन कोई सुने तब न। राहुल मस्त हैं। बंगाल में हलकान हो रहे हैं। बंगालियो, यदि इस बार भी न जागे तो इतिहास तुम्हें माफ नहीं करेगा। क्षेत्रीय दलों का मसला दूसरी तरह का है। उनको कांग्रेस से भय नहीं है क्योंकि वे जानते हैं कि कांग्रेस अब उनके इलाके में दाखिल नहीं हो सकती। उनकी चिंता भाजपा से है। भाजपा ने जिस प्रकार उत्तरी भारत में जनता को लगभग साथ ले लिया है, उससे उन्हें अपने भविष्य की चिंता सताने लगी है। वे चाहते हैं कि उन्हें बचाने के लिए कांग्रेस उनकी मदद करे। जाहिर है कि यदि कांग्रेस मदद करेगी तो बदले में भी कुछ चाहेगी ही। लेकिन क्षेत्रीय दल उसे वह 'कुछ' देने के लिए तैयार नहीं हैं। अलबत्ता यह जरूर कह रहे हैं कि अपने इलाके को छोड़ कर सारे हिंदुस्तान में वे कांग्रेस की मदद करने के लिए तैयार हैं। उदाहरण के लिए पंजाब में हम अकेले भी लड़ लेंगे, लेकिन मध्य प्रदेश में हम कांग्रेस से मिल कर लड़ेंगे। इसका सीधा सा अर्थ यह है कि कांग्रेस अपने हिस्से की रोटी में से एक टुकड़ा आम आदमी पार्टी को दे दे, लेकिन पंजाब में उससे रोटी में हिस्सा न मांगे। इस प्रकार हर प्रदेश में टुकड़ा-टुकड़ा रोटी का इकट्ठा करके आम आदमी पार्टी पैन इंडिया पार्टी बनना चाहती है, लेकिन बदले में देने के लिए उसके पास कुछ है ही नहीं। जहां पंजाब में है, वहां उसकी इच्छा है कि कांग्रेस इस इलाके से दूर ही रहे। यही काम अखिलेश यादव कर रहे हैं। यही ममता कर रही है। साम्यवादियों के पास अब देने-लेने के लिए कुछ है ही नहीं। इसलिए वे कांग्रेस के शरीर में घुस कर अंदर से कब्जा करना चाहते हैं। शरीर बाहर से कांग्रेस का ही दिखाई देता रहे, लेकिन अन्दर आत्मा कम्युनिस्टों की कब्जा कर ले। वैसे वे यह प्रयोग पिछले लम्बे अरसे से कर रहे हैं। अबकी बार उनका अपना अस्तित्व ही इस प्रयोग के सफल होने पर निर्भर है। इस प्रयोग की सफलता के लिए वे वाममार्गी हरकतों पर उतर आए हैं। इसीलिए ममता बनर्जी ने हैरानी जाहिर करते हुए कहा था कि जब भी इंडी गठबंधन की मीटिंग होती है तो उसका नियंत्रण सीता राम येचुरी ही करते लगते हैं। इसी निराकार हालत को देख कर नीतीश बाबू ने एक और प्रयोग कर लेना चाहा। बिहार की राजनीति में वे धीरे-धीरे सिकुड़ते जा रहे थे। लालू का कुनबा और काम दोनों बढ़ते जा रहे थे। इस स्थिति में या तो लालू नीतीश बाबू को राजनीतिक तौर पर खा जाएंगे या फिर वे स्वतः ही प्रदेश की राजनीति के हाशिए पर चले जाएंगे। प्रदेश की राजनीति में वे चढ़ाव से उतार वाली स्थिति की ओर बढ़ रहे थे। नीतीश बाबू संकट का उपयोग भी लाभदायक ढंग से करने में होशियार माने जाते हैं। उनको लगा यदि सभी विरोधी दलों को एक साथ बिठा लिया जाए और चुनाव के बाद त्रिशंकु लोकसभा आ जाए तो सम्भावनाओं के अपार द्वार खुल सकते हैं। भारतीय राजनीति में इस प्रकार की स्थिति पहले भी पैदा हो चुकी थी। उसी स्थिति में से देवेगौड़ा, चन्द्रशेखर, इन्द्र कुमार गुजराल, चरण सिंह तक प्रधानमंत्री बन गए थे। बस इस प्रकार की हालत में आपकी पार्टी के पास 25-30 सांसद होने चाहिए। इसका एक ही रास्ता नीतीश बाबू को दिखाई दिया। यदि नीतीश और लालू दोनों मिल जाएं तो बिहार में तीस-पैंतीस सीटों पर कब्जा कर सकते हैं। लालू को प्रधानमंत्री बनने की अब इस उम्र में सेहत के कारण तमन्ना नहीं है। लालू पुत्र बिहार के मुख्यमंत्री बन जाएं और नीतीश बाबू भारत के प्रधानमंत्री। लालू को भी यह सौदा बुरा नहीं लगा। नीतीश बाबू जब प्रधानमंत्री बनेंगे तब बनेंगे, लेकिन लोकसभा चुनाव से पहले नीतीश बाबू मुख्यमंत्री का ताज तेजस्वी के सिर पर रख कर दिल्ली चले जाएंगे। नीतीश बाबू भाजपा के एनडीए से निकल कर लालू के साथ चले गए और कांग्रेस व कम्युनिस्टों को साथ लेकर महागठबन्धन बना लिया। सभी विपक्षी दलों को एक साथ लाने के लिए दौड़-धूप भी शुरू कर दी। लालू भी अपने बच्चों सहित आगे-आगे चलने लगे। उनके दोनों हाथ घी में। नीतीश प्रधानमंत्री बनें या न बनें, उनका अपना बेटा तो मुख्यमंत्री बन ही रहा है। यह नीतीश और लालू की दौड़-धूप का नतीजा ही था कि पटना में भांति-भांति के राजनीतिक दल एक दरी पर बैठ कर सांझा फ्रंट बनाने की जुगतें लड़ाने लगे। पटना में सभी को एक दरी पर लाकर बिठाने का श्रेय तो लालू-नीतीश को जाता है, लेकिन जब जमने का प्रश्न आया तो झगड़ा तय था। सामान सीमित था, खाने वाले ज्यादा थे। सभी अपनी अपनी थाली ढकने लगे और कस कर पकडऩे भी लगे।

कांग्रेस की इच्छा है कि किसी तरह इस मलबा से फिर से, कम से कम छोटा भवन पुनः बना लिया जाए। बाद में समय मिलने पर उसका विस्तार किया जा सकेगा। लेकिन अब बहुत सीमा तक इस 'मलबा के मालिक' के नाम के तौर पर क्षेत्रीय दलों का नाम चढ़ चुका है। कांग्रेस समझ चुकी है कि वह लडक़र यह मलबा वापस नहीं ले सकती। उसने दूसरा रास्ता चुना कि किसी तरह क्षेत्रीय दलों से समझौता कर लिया जाए और उसी समझौते में से बहुत ही चतुराई से जितना मलबा वापस लिया जा सके, कम से कम उतना ले लिया जाए। पैर रखने को जगह मिल जाए तो सिर छुपाने का जुगाड़ भी कर लिया जाएगा।

दृष्टि कोण

ऐतिहासिक फैसलों से लोकतंत्र हुआ मजबूत

गणतांत्रिक भारत के सबसे बड़े न्याय का मंदिर ''सर्वोच्च न्यायालय'' अपने 75 वें वर्ष में प्रवेश कर गया। इन सात से अधिक दशकों में सर्वोच्च न्यायालय के तहत हमारी न्यायपालिका ने भारतीय लोकतंत्र को आकार देने और इसे बनाए रखने में उल्लेखनीय भूमिका निभाई है। सर्वोच्च न्यायालय ने लोकतंत्र के सिद्धांतों को कायम रखने, व्यक्तिगत अधिकारों की रक्षा करने, सामाजिक मुद्दों को संबोधित करने और सरकार की जवाबदेही सुनिश्चित करने में भी उल्लेखनीय भूमिका निभाई है। इसके निर्णयों का भारतीय लोकतंत्र के विकास पर स्थायी प्रभाव पड़ा है। संविधान के संरक्षक के तौर पर देशवासियों की अटूट आस्था अर्जित कर अदालत के साथ ही न्याय के मंदिर के रूप में भी स्वयं को स्थापित किया है।

संघीय न्यायालय ही सर्वोच्च न्यायालय में बदला

चूंकि अभी-अभी हमने गणतंत्र दिवस पर अपने देश की सात दशकों की लम्बी यात्रा को याद किया इसलिए सर्वोच्च न्यायलय की हीरक जयन्ती पर इसकी जीवन यात्रा का स्मरण करना भी जरूरी है। भारत के एक प्रभुतासंपन्न

लोकतांत्रिक गणराज्य बनने के दो दिन बाद 28 जनवरी, 1950 को सर्वोच्च न्यायालय अस्तित्व में आया। इसका उद्घाटन संसद भवन के नरेंद्र मंडल में हुआ था, जिसमें भारत की संसद भी थी। इस अवसर पर राष्ट्रपति डॉ. राजेन्द्र प्रसाद ने संघीय न्यायालय के न्यायाधीश मुख्य न्यायमूर्ति हरिलाल जेकिसुनदास और न्यायमूर्ति सैय्यद फजल अली, एम. पतंजलि शास्त्री, मेहर चंद महाजन, बिजन कुमार मुखर्जी और एस. आर. दास को पद की शपथ दिलाई थी। हरिलाल कानिया ने मुख्य न्यायाधीश के तौर पर 1950 से 1951 तक सेवा की। न्यायमूर्ति अन्ना चांडी 1959 में भारत में उच्च न्यायालय (केरल उच्च न्यायालय) के न्यायाधीश के रूप में नियुक्त होने वाली पहली महिला थीं। हालांकि, सर्वोच्च न्यायालय की पहली महिला न्यायाधीश न्यायमूर्ति फातिमा बीवी थीं। संसद भवन के नरेंद्र मंडल में, भारत का संघीय न्यायालय 1937 और 1950 के बीच 12 वर्षों तक चला। संघीय न्यायालय का गणतांत्रिक भारत का सर्वोच्च न्यायालय बनाया गया था।

शुरू में संसद भवन में ही बैठा सर्वोच्च न्यायालय

अपने वर्तमान भवन में 1958 में स्थानांतरित होने तक सर्वोच्च न्यायालय ने अपने उद्घाटन के बाद संसद भवन के एक हिस्से में अपनी बैठकें शुरू कीं। भवन का आकार न्याय के तराजू की छवि के रूप में बनाया गया है। भवन की केंद्रीय विंग तराजू की मुख्य बीम है। 1979 में, परिसर में दो नई विंग 'पूर्वी विंग और पश्चिमी विंग' जोड़ी गई। भवन की विभिन्न विंगों में कुल मिलाकर 19 न्यायालय कक्ष हैं। मुख्य न्यायमूर्ति का न्यायालय केंद्रीय विंग के केंद्र में स्थित न्यायालयों में से सबसे बड़ा है।1950 के मूल संविधान में सर्वोच्च न्यायालय की परिकल्पना एक मुख्य न्यायमूर्ति और 7 अवर न्यायाधीशों के साथ की गई थी जबकि इस संख्या को बढ़ाने का कार्य संसद पर छोड़ दिया गया था। प्रारंभिक वर्षों में सर्वोच्च न्यायालय के सभी न्यायाधीश एक साथ बैठकर अपने समक्ष प्रस्तुत मामलों की सुनवाई करते थे। जैसे-जैसे न्यायालय का कार्यभार बढ़ता गया और बकाया मामले बढ़ने लगे। संसद ने न्यायाधीशों की संख्या 1950 में 8 तक बढ़ाकर, 1956 में 11, 1960 में 14, 1978 में 18, 1986 में 26, 2009 में 31 और 2019 में 34 (वर्तमान संख्या) कर दी। भारत के सर्वोच्च न्यायालय में मुख्य न्यायमूर्ति और भारत के राष्ट्रपति द्वारा नियुक्त 33 अन्य न्यायाधीश शामिल होते हैं।

नागरिक अधिकारों का रखवाला बना रहा सर्वोच्च न्यायालय

अपने सात दशकों के जीवनकाल में भारत का सर्वोच्च न्यायालय संविधान द्वारा गारंटीशुदा मौलिक अधिकारों की सुरक्षा में सहायक रहा है। ऐतिहासिक निर्णयों ने इन अधिकारों के दायरे को स्पष्ट और विस्तारित किया है, जिससे व्यक्तिगत स्वतंत्रता की सुरक्षा में योगदान मिला है। न्यायालय ने सार्वजनिक हित और महत्व के मुद्दों को संबोधित करने में न्यायिक सक्रियता प्रदर्शित की है। जनहित याचिकाओं (पीआईएल) के माध्यम से, अदालत ने बड़े पैमाने पर जनता को प्रभावित करने वाले मामलों का संज्ञान लिया है, जिससे पर्यावरण संरक्षण, उपभोक्ता अधिकार और सामाजिक न्याय जैसे क्षेत्रों में हस्तक्षेप हुआ है।

कुछ अलग

सौर क्रांति की शुरुआत

आंकड़े गवाह हैं कि भारत को जितने कच्चे तेल की जरूरत है, उसके 86 फीसदी से ज्यादा का वह आयात करता है। दरअसल, भारत की कुल ऊर्जा उत्पादन क्षमता का तकरीबन आधा हिस्सा कोयला-आधारित है। ऐसे में, अर्थव्यवस्था की गति बनाए रखने के लिए जरूरी है कि भारत ज्यादा से ज्यादा कोयले का उत्पादन करे, ताकि कोयला आधारित ऊर्जा संयंत्रों को ईंधन मिलता रहे। लेकिन इससे होने वाले वायु प्रदूषण का क्या, जो खासकर शहरों के निवासियों के लिए प्राणघातक बना हुआ है। उल्लेखनीय है कि वैश्विक ऊर्जा की कुल मांग का 25 फीसदी हिस्सा अगले दो दशकों में भारत से होने की उम्मीद है। जाहिर है कि ये आंकड़े सौर ऊर्जा के क्षेत्र में क्रांति के लिए जमीन तैयार कर रहे हैं। भारत के ज्यादातर हिस्सों में साल के तीन सौ दिनों तक धूप रहती है। यही वजह है कि सौर ऊर्जा उत्पादन को 70 गीगावॉट से ज्यादा बढ़ाते हुए भारत सौर ऊर्जा के मामले में दुनिया में चौथे पायदान पर है और 2030 तक इसका 280 गीगावॉट बिजली पैदा करने लक्ष्य भी है। इसमें कतई संदेह नहीं कि वर्तमान क्षमता और इस लक्ष्य के बीच अंतराल बड़ा है। लेकिन यह भी गौर करने लायक है कि राष्ट्रीय सौर ऊर्जा संस्थान द्वारा मूल्यांकित 748 गीगावॉट क्षमता का फकत दसवां हिस्सा ही फिलहाल उपयोग में लाया जा रहा है। बदलाव की क्रांति के लिए बड़े पैमाने पर प्रयास करने होते हैं। भारत में सौर ऊर्जा की कहानी महज मेगावॉट की महत्वाकांक्षाओं में सिमट गई है, जिनमें रूफटॉप सोलर क्रांति खो-सी गई है। ऊर्जा, पर्यावरण और जल परिषद का अनुमान है कि भारत में आवासीय छतों पर सोलर रूफटॉप के जरिये करीब 637 गीगावॉट बिजली पैदा की जा सकती है। जाहिर है कि हम महत्वपूर्ण लक्ष्यों से चूक रहे हैं। 2015 में सरकार ने रूफटॉप सोलर के लिए 2022 तक 40 गीगावॉट का लक्ष्य रखा था। लेकिन 2023 के अंत में कुल ऊर्जा उत्पादन में रूफटॉप सोलर की हिस्सेदारी 11 गीगावॉट से कुछ ही ज्यादा रही और इसका ज्यादातर हिस्सा चार राज्यों तक सीमित रहा। हाल ही में मोदी ने प्रधानमंत्री सूर्योदय योजना (पीएमएसवाई) की घोषणा की, जिसके तहत एक करोड़ घरों की छत पर सौर प्रणाली स्थापित की जाएगी। इस घोषणा के बाद उम्मीद है कि इनकी लागत में भी कुछ कमी आएगी। महत्वपूर्ण यह भी है कि इससे एक करोड़ घरों के अनुभव के आधार पर आगे के विस्तार के लिए नीति को संशोधित करने का भी अवसर मिलेगा। उल्लेखनीय है कि भारत की जनसंख्या करीब 1.4 अरब है। अगर हम हर परिवार में पांच लोगों का औसत लेकर चलें, तो इसका अर्थ होगा कि देश में करीब 28 करोड़ परिवार हैं। आंकड़े बताते हैं कि भारत में परिवार सवा तीन लाख गीगावॉट से ज्यादा बिजली खर्च करते हैं। यानी प्रति व्यक्ति औसत खपत 1,255 किलोवॉट/ घंटे होगी। स्वाभाविक है कि शहरी परिवारों में बिजली की खपत ज्यादा भी होगी। शहरीकरण की गति, कंप्यूटर/मोबाइल इत्यादि उपकरणों का बढ़ता उपयोग, डिजिटलीकरण इत्यादि को देखते हुए इसमें संदेह नहीं कि बिजली की खपत और मांग, दोनों बढ़ेंगी। भारत की एक-तिहाई आबादी शहरों में रहती है और इनमें 53 शहर ऐसे हैं, जहां दस लाख से ज्यादा लोग रहते हैं। कस्बों की संख्या चार हजार है। ऊर्जा सुरक्षा की कोई भी पहल मौजूदा और नई इमारतों की छत पर सौर ऊर्जा संयंत्र की स्थापना की मांग करती है। गौरतलब है कि यूरोप के देशों ने 2028 तक नई और मौजूदा इमारतों के लिए नवीकरणीय ऊर्जा के घटक को अनिवार्य कर दिया है।

देश दुनीया से

देश की सुरक्षा और सीमा निगरानी के लिए ड्रोन की अपरिहार्यता

ड्रोन का अर्थ मुख्य रूप से एक रिमोट कंट्रोल या कंप्यूटर द्वारा निर्देशित मानवरहित उपकरण है। इनका उपयोग रक्षा, निगरानी और आंतरिक सुरक्षा के अतिरिक्त आपदा प्रबंधन, कृषि, स्वास्थ्य, भू-स्थानिक मानचित्र, खनन, हवाई फोटोग्राफी और सिनेमैटोग्राफी आदि क्षेत्रों में भी अत्यन्त महत्वपूर्ण होता है। भारत ने शुरुआत में सैन्य ड्रोन का इस्तेमाल पाकिस्तान के साथ 1999 के कारगिल युद्ध दौरान किया था जहां इजरायल ने भारत को आईएआई हेरॉन और सर्चर ड्रोन दिये थे। तब से आज तक भारत ने इजराइल, अमेरिका आदि से कई सैन्य मानव रहित उपकरण एवं ड्रोन खरीदें हैं।

आज के परिप्रेक्ष्य में वैश्विक तनाव, संघर्ष और युद्ध में ड्रोन का अत्यधिक महत्व है। अक्सर खबरों में देखा जाता है कि रूस-यूक्रेन के युद्ध, मध्य पूर्व की तनावपूर्ण स्थिति और अनेक देशों द्वारा सीमा पर निगरानी और युद्ध के दौरान शत्रु के क्षेत्र में हमलों के लिए ड्रोन का प्रयोग तेजी से बढ़ रहा है। ड्रोन का अर्थ मुख्य रूप से एक रिमोट कंट्रोल या कंप्यूटर द्वारा निर्देशित मानवरहित उपकरण है। इनका उपयोग रक्षा, निगरानी और आंतरिक सुरक्षा के अतिरिक्त आपदा प्रबंधन, कृषि, स्वास्थ्य, भू-स्थानिक मानचित्र, खनन, हवाई फोटोग्राफी और सिनेमैटोग्राफी आदि क्षेत्रों में भी अत्यन्त महत्वपूर्ण होता है। भारत ने शुरुआत में सैन्य ड्रोन का इस्तेमाल पाकिस्तान के साथ 1999 के कारगिल युद्ध दौरान किया था जहां इजरायल ने भारत को आईएआई हेरॉन और सर्चर ड्रोन दिये थे। तब से आज तक भारत ने इजराइल, अमेरिका आदि से कई सैन्य मानव रहित उपकरण एवं ड्रोन खरीदें हैं। रक्षा अनुसंधान और विकास संगठन (DRDO) ने अपना घरेलू मानवरहित हवाई वाहन (UAV) भी विकसित किया है। अभी हाल में ही सोमालिया के पास एमवी लीला समुद्री जहाज के हाइजैकिंग में भारतीय नौसेना ने आनन फानन में एक ऑपरेशन में MQ-9B ड्रोन को तैनात किया और 15 भारतीय चालक दल को बचाया। जून 2021 में जम्मू में भारतीय वायुसेना के एक स्टेशन पर हमले के लिए पाकिस्तान ने ड्रोन का इस्तेमाल किया था। जिसका भारत ने प्रभावी तरीके से जवाब दिया था। लद्दाख जैसे क्षेत्रों में सीमा निगरानी के लिए ड्रोन का उपयोग किया जाता है। भारत और चीन के बीच तनाव के दौरान भी ड्रोन के इस्तेमाल ने आर्मी को सतर्क किया था। ड्रोन के माध्यम से स्थितिजन्य निगरानी की जा सकती है और दुश्मन की गतिविधियों पर नजर रखने में मदद मिलती है। भारतीय नौसेना ने श्रीलंका के आस-पास के समुद्र क्षेत्र में निगरानी और सुरक्षा कार्यों के लिए भी ड्रोन का प्रभावशाली ढंग से प्रयोग किया है। ड्रोन समुद्री गतिविधियों की निगरानी करने, शिपिंग लेन की सुरक्षा और तस्करी, डकैती जैसी अवैध गतिविधियों को रोकने में मदद करता है। 2020-21 में भारत ने कोविड महामारी के दौरान न केवल पूरे भारत में पहाड़ी और दुर्गम इलाकों में शीघ्रातिशीघ्र वैक्सीन और आवश्यक चिकित्सा आपूर्ति पहुंचाने में, बल्कि निकटवर्ती देशों की सहायता, जैसे नेपाल के दूर-दराज के इलाकों में पहुंचाने के लिए ड्रोन का इस्तेमाल किया था। इस माध्यम से कठिन इलाके और सीमित पहुंच की चुनौतियों पर काबू पाया जा सकता है। इसी प्रकार कृषि क्षेत्र में भी ड्रोन द्वारा खेतों और फसलों पर दबाइयों के स्प्रे में भी इनका विशेष उपयोग होता है। आत्मनिर्भरता प्राप्त करने की दिशा में भारतीय नौसेना को हाल ही में भारत का पहला स्वदेश निर्मित UAV' 'दृष्टि 10 स्टार लाइनर' उपलब्ध हुआ। यह भारत की एक प्रमुख निजी कम्पनी अडानी डिफेंस एण्ड ऐरोस्पेस ने बनाया था। नौसेना प्रमुख एडमिरल आर. हरि कुमार ने इसकी विशेष सराहना करते हुए यह कहा कि संघर्ष के समय समुद्री सुरक्षा के लिए ड्रोन 'आसमान में तीसरी आंख' साबित हो सकता है। 'दृष्टि' 36 घण्टे तक लगातार उड़ान भरने में सक्षम है और यह 450 किलोग्राम पेलोड वाली क्षमता का मानवरहित ड्रोन है। इस ड्रोन को STANAG 4671 सर्टिफिकेट भी मिला हुआ है, इसके चलते यह नाटो सदस्यों के हवाई क्षेत्र में भी संचालित हो सकता है। रक्षा मंत्रालय ने भारतीय नौसेना और भारतीय सेना को 4 MALE ड्रोन की आपूर्ति के लिए अडानी डिफेंस एण्ड एयरोस्पेस से अनुबन्ध किया था, जिनमें इन्हें दो-दो अगले कुछ महीनों में ही उपलब्ध करा दिये जायेंगे। सैन्य ड्रोन उद्योग में निजी क्षेत्र का योगदान बहुत सामयिक है, जो भारतीय रक्षा को सामरिक लाभ और नई ऊंचाई प्रदान करेगा। कई सरकारी और निजी संस्थानों में ड्रोन से जुड़े हुए प्रशिक्षण कार्यक्रम शुरू किए हैं। इन्दिरा गांधी राष्ट्रीय उड़ान अकादमी ने फरवरी 2021 में भारत की पहली ड्रोन फ्लाइंग साइट पर DGCA प्रमाणित प्रशिक्षण शुरू किया। आत्मनिर्भर भारत नीति के अंतर्गत भारत सरकार ने ड्रोन और ड्रोन उपकरण के लिए 120 करोड़ रूपये के लागत की PLI स्कीम को मंजूरी दी है। 2022-23 के बजट में ड्रोन शक्ति योजना की भी घोषणा की गई थी, इसके तहत ड्रोन-एस-ए-सर्विस (DrAAS) के लिए स्टार्टअप को बढ़ावा दिया जाएगा। इसके साथ सभी राज्यों में चुनिंदा ITI में कौशल विकास के लिए ड्रोन से जुड़े हुए पाठ्यक्रम भी शामिल होंगे।

आप का नजरीया

नियमित निगरानी से ही हिमाचल को सुरक्षा

बहुत समय नहीं हुआ जब मानसून में भारी वर्षा व भूस्खलन के चलते हिमाचल प्रदेश के विभिन्न भागों में जन-धन की व्यापक क्षति हुई थी। ढहती मंजिलें और दरकते पहाड़ पूरे देश को भयाक्रांत कर रहे थे। कहीं न कहीं संवेदनशील हिमालयी पहाड़ आबादी के बोझ और अनियोजित निर्माण का दबाव सहन नहीं कर पा रहे हैं। हिमाचल जैसी स्थितियों से उत्तराखंड के कई शहर भी जूझ रहे हैं। जोशीमठ का धंसना इस कड़ी का विस्तार ही है। मानसून के दौरान हिमाचल की राजधानी व अन्य शहरों में अतिवृष्टि से हुई व्यापक क्षति के बाबत राष्ट्रीय आपदा प्रबंधन प्राधिकरण का आकलन इस दिशा में व्यापक अवलोकन की जरूरत बताता है। ताकि नियमित निगरानी के साथ मानकों के पालन को सुनिश्चित किया जा सके। प्राधिकरण की रिपोर्ट पिछले मानसून में हुई व्यापक क्षति के कारणों और ऐसी स्थिति से बचने के उपायों पर प्रकाश डालती है। ऐसे में जरूरी हो जाता है कि राज्य सरकार राष्ट्रीय आपदा प्रबंधन प्राधिकरण के निष्कर्षों और सिफारिशों पर गंभीरता पूर्वक विचार करे। निश्चित रूप से इन घटनाओं से सबक लेने और चेतावनी के संकेतों को नजरअंदाज न करने की जरूरत है। साथ ही जरूरी है कि जनमानस के अवचेतन में उन विनाशकारी घटनाओं के कारणों से बचने की चेतना विद्यमान रहे। निश्चित रूप से तेजी से होता शहरीकरण पहाड़ी राज्यों की बड़ी चुनौती है। भूमि का गलत उपयोग और ग्रामीण इलाकों में भवन निर्माण मानदंडों की अनदेखी घरों की सुरक्षा के लिये गंभीर चुनौती पैदा कर रही है। दरअसल, संवेदनशील पर्वतीय पारिस्थितिकी में अनियोजित विकास पर्यावरणीय संकट के साथ ढांचागत चुनौतियां भी पैदा कर रहा है। कहीं शासन-प्रशासन की नियमित निगरानी के अभाव में भवन निर्माण के सुरक्षित मानकों की अनदेखी की जा रही है। जिसके चलते आपदा के जोखिमों में वृद्धि ही हुई है। स्थानीय निकायों के स्तर पर जिस जिम्मेदार व्यवहार का पालन किया जाना चाहिए, वह भी नदारद है। राजनीतिक हस्तक्षेप व निहित स्वार्थों के चलते भवन निर्माण से जुड़े कानून ताक पर रख दिए जाते हैं। राष्ट्रीय आपदा प्रबंधन प्राधिकरण के हालिया अध्ययन में बार-बार कहा गया है कि नियमों के कड़ाई से पालन और निर्माण कार्यों के नियमित ऑडिट का कोई दूसरा विकल्प नहीं है। निस्संदेह, पर्यावरण व भवन निर्माण से जुड़े विशेषज्ञ बार-बार इन्हीं मुद्दों की ओर ध्यान दिलाते रहे हैं। लेकिन सत्ताधीश इस दिशा में गंभीर नजर नहीं आते। दरअसल, शहरों की योजना सीमा के बाहर ग्रामीण क्षेत्रों में खड़ी ढलानों पर अनधिकृत संरचनाएं और निर्माण मानदंडों की अनदेखी प्राकृतिक आपदा की स्थिति में जन-धन की सुरक्षा के लिये एक गंभीर चुनौती पैदा करती है। वास्तव में, पहाड़ी इलाकों में भवन निर्माण से जुड़े नियमों-उपनियमों पर गंभीरता से पुनर्विचार करने की जरूरत है। साथ ही प्राकृतिक जल निकासी प्रणालियों को अवरुद्ध करने वाले कारकों पर रोक लगाने की सख्त जरूरत है। जो अतिवृष्टि की दशा में जानलेवा संकट पैदा कर देते हैं।

कार दुर्घटना में एक ही परिवार के चार सदस्यों की मौत, एक अन्य घायल

जम्मू (हिंस)। जम्मू-श्रीनगर राष्ट्रीय राजमार्ग पर जजरकोटली के पास शनिवार देर रात कार दुर्घटना में एक ही परिवार के चार सदस्यों की मौत हो गई, जबकि एक अन्य गंभीर रूप से घायल हो गया। उधमपुर जिले के जजरकोटली के पास सलोरा में जम्मू से उधमपुर जा रही एक कार को पीछे से एक ट्रक ने टक्कर मार दी, जिससे वह आगे चल रहे दूसरे ट्रक से टकरा गई। टक्कर इतनी जोरदार थी कि कार में सवार सभी पांच लोग गंभीर रूप से घायल हो गए। आपातकालीन सेवाएं घटनास्थल पर पहुंचीं और घायलों को उधमपुर के एसोसिएटेड हॉस्पिटल गवर्नमेंट मेडिकल कॉलेज जीएमसी में पहुंचाया। अस्पताल पहुंचने पर नितिन डोगरा, उनकी पत्नी रितु डोगरा और उनकी बेटियों खुशी डोगरा और वाणी डोगरा को मृत घोषित कर दिया गया। एक अन्य घायल बृंदा डोगरा को विशेष चिकित्सा देखभाल के लिए जीएमसी जम्मू में रैफर कर दिया गया है, जहां पर उसकी हालत गंभीर बनी हुई है।

इंडी गठबंधन के नेता एकजुट न हुए तो जाएंगे सब जेल : अभय चौटाला

अभय चौटाला ने किया दावा, अब हरियाणा में इनेलो की बनेगी सरकार

यमुनानगर (हिंस)। इंडियन नेशनल लोकदल (इनेलो) के महासचिव अभय सिंह चौटाला ने कहा कि वर्तमान में देश के जो हालात हैं अगर इंडी गठबंधन के नेता एकजुट नहीं हुए तो सब जेल जाएंगे और उसके बाद कोई चुनाव नहीं होंगे। इनेलो नेता अभय सिंह यमुनानगर में रविवार को अपनी पार्टी के राष्ट्रीय प्रवक्ता अश्विनी दत्ता के निवास स्थान पर पत्रकारों से बातचीत कर रहे थे। अभय चौटाला ने कहा कि देश में लगातार ईडी का दुरुपयोग हो रहा है। जो नेता सरकार के खिलाफ बयानबाजी करते हैं, उन्हें जेल में डाल दिया जाता है। उन्होंने कहा कि यमुनानगर के पूर्व विधायक दिलबाग सिंह जिनके घर से कोई

दस्तावेज और राशि बरामद नहीं हुई उन्हें जेल में डाल दिया गया, जबकि जिनके घर से पांच करोड़ रुपए और पांच किलो सोना निकला वह घर बैठे हैं। उन्होंने कहा कि इस तरह के डरावे से इनेलो का कोई नेता डरने वाला नहीं है। अभय सिंह चौटाला ने कहा कि प्रदेश में लगातार बदलाव की लहर चल रही है। लोग 10 साल भाजपा और 10 साल कांग्रेस सरकार को भुगत चुके हैं। अब इनेलो की सरकार बनेगी। उन्होंने कहा कि हरियाणा में इनेलो की सरकार बनने पर रिटायर्ड ज्यूडिशरी के लोगों का आयोग बनाया जाएगा। यह आयोग जांच करेगा कि विभिन्न विभाग के घोटालों की जांच करवाई जाएगी और जद में आने वाले नेताओं व अधिकारियों के खिलाफ कार्रवाई की जाएगी। उन्होंने कांग्रेस के राष्ट्रीय अध्यक्ष खड़गे के बूथ पर कुत्ते की तरह भौंकने वाले बयान पर प्रतिक्रिया व्यक्त करते हुए कहा कि खड़गे को अमर्यादित बयान नही देना चाहिए।

विज्ञान और गणित के प्रति रुचि पैदा करने के लिए इंजीनियरिंग कॉलेज की पहल

अररिया (हिंस)। फारबिसगंज के सिमराहा स्थित श्री फणीश्वर नाथ रेणु अभियंत्रण महाविद्यालय की ओर से ग्रामीण छात्र छात्राओं में विज्ञान और गणित के प्रति रुचि पैदा करने के लिए अनोखा पहल किया है। कार्यक्रम का नाम भी पहल रखा गया है, ताकि विज्ञान और छात्र-छात्राओं में दोनों विषयों के अध्ययन के प्रति अभिरुचि पैदा हो। पहल के तहत कक्षा अवधि समाप्त होने के बाद संस्थान में बच्चों को एक घंटा के लिए महाविद्यालय में बुलाकर विज्ञान और गणित की नि:शुल्क शिक्षा प्रदान की जाती है। इंजीनियरिंग कॉलेज के प्राचार्य डॉ. आत्माराम गुप्ता ने पहल की शुरुआत की, जिससे कि बच्चों को उच्च शिक्षा, इंजीनियरिंग और चिकित्सा शिक्षा के क्षेत्र में उत्कृष्टता प्राप्त करने की सीधी राह दिखाना है। महाविद्यालय के शिक्षक द्वारा प्रतिदिन अपराह्न चार से पांच बजे तक एक घंटा नि:शुल्क कक्षाएं आयोजित की जा रही हैं। कक्षा में विज्ञान, गणित, लॉजिकल रीजनिंग और अंग्रेजी विषयों में मार्गदर्शन और सुधार हेतु शिक्षा दी जा रही है। इसका लाभ कक्षा 9 से 12 में पढ़ रहे एवं जेईई और अन्य प्रतियोगी परीक्षाओं की तैयारी कर रहे छात्र-छात्राओं को होगा। पहल के प्रयास से बच्चों में गणित और विज्ञान के प्रति रुचि बढ़ा है। साथ ही ग्रामीण क्षेत्र के छात्र-छात्राओं को सरकारी विद्यालयों में अध्ययनरत और प्रतियोगी परीक्षाओं की तैयारी करने के लिए एक ठोस और योग्य संरचना मिल रही है। मामले को लेकर जानकारी देते हुए प्राचार्य डॉ. आत्माराम गुप्ता ने कहा कि स्वयं वे बच्चों को मोटिवेट कर रहे हैं कि किस तरह अपने जिला में ही रहकर इंजीनियर डॉक्टर बन सकते हैं। विज्ञान प्रावैधिकी एवं तकनीकी शिक्षा विभाग के पहल पर इस कार्यक्रम का नाम पहल दिया गया है। संस्थान में पहल कोऑर्डिनेटर के रूप में डॉ. भगवान कुमार को नामित किया गया है।

सामाजिक न्याय का सिर्फ ढिंढोरा पीटते हैं विपक्षी दल : अनुप्रिया पटेल

फतेहपुर (हिंस)। केंद्रीय वाणिज्य एवं उद्योग राज्यमंत्री और अपना दल (एस) की राष्ट्रीय अध्यक्ष अनुप्रिया पटेल ने रविवार को कहा कि पूर्व मुख्यमंत्री कर्पूरी ठाकुर को भारत रत्न देने का प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी का फैसला सराहनीय है। इसको लेकर पार्टी की 07 फरवरी की बैठक में प्रधानमंत्री के लिए धन्यवाद प्रस्ताव पास किया जाएगा। अनुप्रिया ने कहा कि विपक्षी दल और उनकी सरकारें सिर्फ सामाजिक न्याय का ढिंढोरा पीटते हैं लेकिन एनडीए सरकार धरातल पर काम करके दिखाती है। अनुप्रिया पटेल ताम्बेश्वर मंदिर के पास पार्टी के जिला कार्यकर्ता सम्मेलन को संबोधित कर रही थीं। उन्होंने भारतीय न्याय व्यवस्था में सुधार की मांग करते हुए कहा कि न्याय व्यवस्था को समावेशी बनाया

जाना चाहिए। उसके लिए सबसे पहले भारतीय न्यायिक सेवा आयोग का गठन करके समाज के सभी वर्गों के लोगों का बराबर का प्रतिनिधित्व सुनिश्चित किया जाना आवश्यक है। तभी समाज के पिछड़े, दलित, गरीब तबके के लोगों को अधिकार, भागीदारी व सम्मान मिल पाएगा। इसके लिए हमारी पार्टी निरंतर संघर्ष कर रही है। कार्यकर्ता सम्मेलन में भाग लेने के लिए राष्ट्रीय अध्यक्ष अनुप्रिया पटेल का काफिला जिले की सीमा में जैसे ही प्रवेश किया, पार्टी कार्यकर्ताओं ने उनका जोरदार स्वागत किया। स्वागत के बाद सैकड़ों चार पहिया वाहनों एवं मोटरसाइकिल के काफिले के साथ केंद्रीय मंत्री पटले कार्यक्रम स्थल पर पहुंचीं।

सेंटर ऑफ एक्सीलेंस किसानों की आय बढ़ाने के लिए आगे बढ़कर काम करें : कृषि मंत्री

जयपुर (हिंस)। कृषि एवं उद्यानिकी मंत्री डॉ. किरोड़ी लाल मीणा ने कहा कि कृषि से जुड़े *सेंटर ऑफ एक्सीलेंस* किसानों की आय बढ़ाने के लिए आगे बढ़कर काम करें। उन्होंने रविवार को हिंढोल (बस्सी), जयपुर में स्थापित राजस्थान राज्य बीज निगम के विधायन केंद्र, राजस्थान ऑलिव कल्टीवेशन सेंटर के उत्कृष्टता केंद्र और अनार उत्कृष्टता केंद्र के अवलोकन के दौरान विभागीय अधिकारियों को निर्देशित किया। कृषि मंत्री ने अधिकारियों से इन केंद्रों को आत्मनिर्भर बनाने पर जोर देते हुए कहा कि इन्हें नाम के अनुरूप वास्तव में उत्कृष्टता केंद्र बनाए। इन केंद्रों की क्षमताएं काफी है। पूर्ण इच्छा शक्ति के साथ दीर्घकालीन योजना बनाकर काम करने की आवश्यकता है। कृषि मंत्री ने लंच के दौरान अधिकारियों से विभागीय कार्यों में आ रही समस्याओं के बारे में विस्तार से चर्चा की और समस्याओं का निस्तारण भी किया। उन्होंने कहा कि मंत्री और अधिकारियों के बीच मजबूत रिश्ता बनाने का यह सुनहरा अवसर है। इससे मंत्रियों और अधिकारियों के बीच पनपने वाले विवाद खत्म होंगे और विभागीय कार्य तालमेल से त्वरित गति से पूर्ण

होंगें। जिससे आम जनता को अपना काम करवाने में परेशानियों का सामना नही करना पड़ेगा। मंत्री और अधिकारियों के तालमेल से विभागीय योजनाऐं आखिरी पंक्ति में बैठे व्यक्ति तक शीघ्र एवं ईमानदारी से पहुंचेगी। डॉ. मीणा ने कृषि एवं उद्यानिकी विभाग के अधिकारियों से विभाग द्वारा क्रियान्वित की जा रही योजनाएं प्रधानमंत्री कृषि सिंचाई योजना, प्रधानमंत्री फसल बीमा योजना, राष्ट्रीय खाद्य सुरक्षा मिशन, राष्ट्रीय कृषि विस्तार व तकनीकी मिशन, राष्ट्रीय टिकाऊ खेती मिशन, राष्ट्रीय कृषि विकास योजना, राष्ट्रीय परंपरागत कृषि विकास योजना, राष्ट्रीय बागवानी मिशन और पीएम-कुसुम योजना कंपोनेंट *बी* के संबंध में जानकारी प्राप्त की। डॉ. मीणा ने कहा कि बागवानी में उन्नत पैदावार का प्रशिक्षण देने व आधुनिक खेती के तौर-तरीके सिखाने के लिए उत्कृष्टता केंद्र अहम भूमिका निभा सकते है। किसानों की आय दुगुनी करने के लिए सेंटर ऑफ एक्सीलेंस बहुत फायदेमंद साबित हो सकते है। उन्होंने बताया कि अनार फल के बगीचों की स्थापना, उन्नत किस्म, सिंचाई जल व पोषण प्रबंध, सघन बागवानी एवं ग्रेडिंग, पैकिंग से जुडी नवीनतम जानकारियां कृषकों तक पहुंचाने एवं कृषि तकनीकी के हस्तांतरण के लिए ही हिन्डलोद (बस्सी) में अनार उत्कृष्टता केंद्र की स्थापना की गई है। कृषक यहां से अनार की खेती के विभिन्न तकनीकी पहलुओं जैसे बढ़वार, उपचार, जल प्रबंधन, फर्टिगेशन व कीट-व्याधि की जानकारी प्राप्त करते हैं। केंद्र पर अनार के भगवा, भगवा सुपर, भगवा मृदुला एवं वंडरफुल किस्मों के वृक्षों का रोपण किया गया है। केंद्र पर अनार के उच्च गुणवता युक्त पौधे उत्पादन व कृषि प्रशिक्षण आयोजन कार्य किए जाते है साथ ही पौधे के उत्पादन का कार्य कर कृषकों को अनार के उच्च गुणवत्ता युक्त पौधो का वितरण किया जाता है। किसानों की आय में वृद्धि और आधुनिक कृषि तकनीकी व नवाचार फसल प्रदर्शन के लिए सेंटर आफ एक्सीलेंस बस्सी में शुरू किया गया है। यहां विभिन्न संरक्षित खेती संरक्षण तकनीकी संरचनाएं, उच्च तकनीकी युक्त पॉली हाउस, स्वचालित फर्टिगेशन यूनिट सहित पंप हाउस व वाटर हार्वेस्टिंग स्ट्रक्चर, कार्यालय भवन प्रशिक्षण भवन इत्यादि का निर्माण किया गया है।

राष्ट्रहित में लालकृष्ण आडवाणी का योगदान अविस्मरणीय : मनोज गुप्ता

मुरादाबाद (हिंस)। भारतीय जनता पार्टी मुरादाबाद महानगर के पूर्व महानगर मनोज कुमार गुप्ता एडवोकेट ने बताया कि पार्टी के अति वरिष्ठ नेता और देश के पूर्व उप प्रधानमंत्री लालकृष्ण आडवाणी को देश के सर्वोच्च नागरिक सम्मान भारत रत्न से सम्मानित करने का निर्णय सराहनीय हैं। उन्होंने कहा कि राष्ट्रहित में लालकृष्ण आडवाणी का योगदान अविस्मरणीय हैं। मनोज गुप्ता ने आगे बताया कि वर्ष 2009 में हुए लोकसभा चुनाव से पूर्व 27 सितंबर 2008 में लालकृष्ण आडवाणी लाइनपार स्थित रामलीला मैदान में आयोजित रैली में आए थे। इसमें उन्होंने ओजस्वी भाषण देकर गैर भाजपाई दलों के लोगों को भी प्रभावित कर दिया था। मनोज गुप्ता एडवोकेट ने आगे बताया कि इसके बाद वर्ष 2011 में परिवार संग नैनीताल जा रहे लालकृष्ण आडवाणी कुछ देर के लिए मुरादाबाद में रुके थे, इस दौरान उनके साथ रहने का अवसर मिला था। मनोज गुप्ता ने कहा कि भारत के विकास में हमारे दौर के सबसे सम्मानित नेताओं में से एक रहे आडवाणी का योगदान अविस्मरणीय हैं। उनका सफर जमीनी स्तर पर काम करने से शुरू होकर उप प्रधानमंत्री के रूप में देश की सेवा करने तक का रहा है। उनकी संसदीय यात्रा सभी सांसदों के लिए प्रेरणात्मक रहेगी।

हरियाणवियों को रोजगार में आरक्षण दिलाने की लड़ाई लड़ती रहेगी जजपा : दिग्विजय चौटाला

फतेहाबाद (हिंस)। जननायक जनता पार्टी (जजपा) के प्रधान महासचिव दिग्विजय चौटाला ने कहा कि गुजरात में गुजरातियों, महाराष्ट्र में मराठी को आरक्षण है तो हरियाणा में हरियाणवी को भी नौकरी व रोजगार में आरक्षण मिलना चाहिए। जजपा और दुष्यंत चौटाला की यही लड़ाई है, जिसे अंजाम तक अवश्य पहुंचाया जाएगा। जजपा की सोच है कि 100 नौकरियों में से 75 नौकरियां हरियाणा के युवाओं को मिलना तय हो, इसकी लड़ाई हर हाल में लड़ेंगे और जीतेंगे। जजपा के प्रधान महासचिव दिग्विजय चौटाला ने फतेहाबाद विधानसभा के गांव मताना, बीघड़, धांगड़, बड़ोपल, काजलहेडी, खजूरी जाटी, कुम्हारिया एवं खाराखेड़ी में जनसंपर्क अभियान चलाया। इस दौरान चौटाला ने कई नुक्कड़ सभाओं को संबोधित किया। इस दौरान उन्होंने ग्रामीणों का हालचाल जाना और उनकी समस्याओं को सरकार के माध्यम से दूर करवाने का आश्वासन दिया। चौटाला ने कहा कि पंचायत चुनावों में महिलाओं को 50 फीसदी आरक्षण देकर जजपा ने अपना वादा निभाया है। अब महिलाएं भी राजनीति की आधी हकदार हैं। पिछड़े वर्ग को आरक्षण देने का किसी भी राजनीतिक दल ने नहीं सोचा था, लेकिन पंचायती राज में 8 प्रतिशत आरक्षण दुष्यंत चौटाला ने ही अपनी कलम से दिया है। चौटाला ने कहा कि भाजपा से गठबंधन की यही प्रमुख मांग थी कि किसानों को आत्मनिर्भर बनाएंगे। महज 10 विधायकों के साथ पेंशन 3 हजार तक पहुंचा दी। उन्होंने कहा कि भूपेंद्र हुड्डा आज पेंशन पाचं हजार ना होने की बात करते हैं, लेकिन उनकी तो 10 साल तक सरकार थी, तब उन्होंने पेंशन क्यों नहीं बढ़ाई। उन्होंने कहा कि भूपेंद्र हुड्डा का कभी जनता को लेकर स्टैंड नहीं रहा बल्कि कुर्सी को लेकर उनकी राजनीति रही है। दिग्विजय चौटाला ने कहा कि दुष्यंत चौटाला के प्रयासों से 11 सौ नई मंडियां आई हैं। हिसार में कार्गो हवाई अड्डा बनने से व्यापार को पंख लगेंगे। जजपा मीडिया प्रभारी दिनेश बंसल ने बताया कि इस दौरान जजपा प्रधान महासचिव दिग्विजय चौटाला ने कई गांवों में डिजिटल ई-लाइब्रेरी बनाने का भी ऐलान किया। इसके अलावा गांव बीघड़ में एक धर्मशाला निर्माण के लिए अपने निजी कोष से एक लाख 11 हजार रुपए देने की भी घोषणा की। इस मौके पर जजपा राष्ट्रीय कार्यकारिणी सदस्य कुलजीत कुलडिड़ा, प्रदेश उपाध्यक्ष सुरेंद्र लेगा, जिलाध्यक्ष रविंद्र बैनीवाल, पंकज झाझड़ा, प्रदेश युवा प्रवक्ता जतिन खिलेरी, जिला मीडिया प्रभारी दिनेश बंसल केअलावा सभी प्रकोष्ठों के जिलाध्यक्ष, हलका प्रधान एवं वरिष्ठ नेता उपस्थित रहे।

जनसंदेश यात्रा में सुरजेवाला व शैलजा ने भाजपा सरकार पर साधा निशान

कैथल (हिंस)। रविवार को कांग्रेस के एसआरके गुट की जनसंदेश यात्रा कलायत से चल कर कैथल पहुंची। कैथल में यात्रा पहुंचने पर कार्यकर्ताओं ने जाखौली अड्डा, बस स्टैंड, पिहोवा चौंक, पार्क रोड पर स्वागत किया। शहर में भाई उदय सिंह के किला पर जनसभा आयोजित कर यात्रा में शामिल कांग्रेस के महासचिव रणदीप सुरजेवाला व कुमारी शैलजा का कार्यकर्ताओं ने फूल वह हल देकर सम्मान किया। उदय सिंह के किला पर आयोजित सभा में बोलते हुए कांग्रेस के राष्ट्रीय महासचिव रणदीप सुरजेवाला ने पीएम मोदी और केंद्र सरकार पर राजनीतिक हमला बोलते हुए कहा कि मोदी सरकार एससी और बीसी वर्ग के आरक्षण को समाप्त करना चाहती है। विश्वविद्यालयों में प्रोफेसर की नौकरियों में आरक्षण समाप्त करने से इसकी शुरुआत की गई है। उन्होंने कहा कि भाजपा जजपा सरकार लगातार दलितों, पिछड़ा वर्ग और गरीबों पर हर रोज हमला बोल रही है। यूजीसी द्वारा एससी और बीसी के आरक्षण को ख़त्म करने से लेकर इन वर्गों के 3 लाख स्कूली बच्चों का वजीफ़ा तक लटका कर गरीबों के साथ भद्दा मजाक किया जा रहा है। सुरजेवाला ने कहा कि लाखों किसान तीन कृषि कानूनों के खिलाफ आंदोलन करते रहे। 700 किसानों की जान चली गई। मगर, जिनको वोट देकर चुना था, वह कहां थे। भाजपा-जजपा सरकार ने आंदोलन के लिए जा रहे किसानों के आगे बड़े-बड़े पत्थर रखवा दिए। कुमारी सैलजा ने कहा कि जुमलेबाजी बहुत हो चुकी है। लोग असली मुद्दों पर आना चाहते हैं। सरकार के झूठ को समझ चुके हैं। आने वाले समय में बदलाव निश्चित तौर पर होगा। उन्होंने कहा कि जनसंदेश यात्रा कांग्रेस को मजबूत करेगी। भाजपा-जजपा के 10 वर्षों के शासन से देश व प्रदेश की जनता पूरी तरह तंग आ चुकी है।

चंपई सोरेन सरकार आज विश्वासमत हासिल करेगी

रांची (हिंस)। झारखंड की चंपाई सरकार के लिए सोमवार का दिन काफी अहम है। इस दिन विधानसभा में सरकार बहुमत साबित करेगी। पांच और छह फरवरी को पंचम झारखंड विधानसभा का विशेष सत्र आहूत होगा। इसमें पहले ही दिन चंपाई सोरेन को विश्वास मत हासिल करना होगा। माना जा रहा है कि सरकार को बहुमत साबित करने में कोई परेशानी नहीं होगी। विशेष सत्र सोमवार को राज्यपाल सीपी राधाकृष्णन के अभिभाषण से शुरू होगा। इसके बाद विधायी कार्य आरंभ हो जाएंगे। फिर स्पीकर रबींद्र नाथ महतो को मुख्यमंत्री चंपाई सोरेन

विश्वास मत हासिल किए जाने संबंधी प्रस्ताव देंगे। स्पीकर फ्लोर टेस्ट के लिए मुख्यमंत्री को आमंत्रित करेंगे और चर्चा के बाद वोटिंग प्रक्रिया शुरू होगी। गठबंधन सरकार में शामिल सभी पार्टियों ने अपने-अपने विधायकों के लिए व्हिप जारी कर दिया है। झामुमो के केंद्रीय महासचिव सुप्रियो भट्टाचार्य के अनुसार उनके पास 43 विधायकों का लिखित समर्थन प्राप्त है। उल्लेखनीय है कि 31 जनवरी को ईडी ने पूछताछ के बाद हेमंत सोरेन को जमीन घोटाला मामले में कस्टडी में ले लिया था। हेमंत सोरेन के इस्तीफे के बाद दो फरवरी को झारखंड के 12वें मुख्यमंत्री के तौर पर चंपाई सोरेन ने शपथ ली थी। इसके बाद महागठबंधन (झामुमो, कांग्रेस) के विधायक चार्टर्ड प्लेन से हैदराबाद के लिए रवाना हो गए थे। वे पांच फरवरी को होने वाले फ्लोर टेस्ट में शामिल होंगे। अदालत ने पूर्व मुख्यमंत्री सह विधायक हेमंत सोरेन को भी फ्लोर टेस्ट में शामिल होने की इजाजत दे दी है। झारखंड विधानसभा के विशेष सत्र और फ्लोर टेस्ट के बाद सात फरवरी को मंत्रिमंडल विस्तार की उम्मीद है। इसके लिए खाका तैयार कर लिए जाने की चर्चा है। झामुमो की तैयारी हो चुकी है। झारखंड में राहुल गांधी की न्याय यात्रा के बाद कांग्रेस के मंत्रियों की सूची पर सहमति दिए जाने की बात कही जा रही है।

पोल से टकराई तेज रफ्तार स्विफ्ट, तीन युवकों की मौत

सीकर (हिंस)। जिले के लोसल थाना क्षेत्र में शनिवार देर रात हुए भीषण सड़क हादसे में तीन युवकों की मौत हो गई। वहीं, एक युवक गंभीर घायल हो गया। हादसा एक स्विफ्ट कार के सड़क किनारे लगे पोल से टकराने से हुआ। लोसल थाना एसएचओ राकेश कुमार ने बताया कि हादसा रात करीब दो बजे डीडवाना रोड पर हुआ। गणगौर होटल से पहले स्विफ्ट कार नगरपालिका के बड़े पोल से टकरा गई। कार में चार लोग बैठे थे।

चुनाव की घोषणा के बाद होगा सीटों पर फैसला जजपा एनडीए का हिस्सा : दुष्यंत चौटाला

चंडीगढ़ (हिंस)। हरियाणा में भाजपा-जजपा गठबंधन के बीच टकराव की खबरों को खारिज करते हुए उपमुख्यमंत्री दुष्यंत चौटाला ने कहा है कि जननायक जनता पार्टी आज भी एनडीए गठबंधन का हिस्सा है। भविष्य में भी यह गठबंधन मजबूती के साथ हरियाणा में काम करेगा। रविवार को चंडीगढ़ में पत्रकारों से बातचीत में दुष्यंत चौटाला ने कहा कि हरियाणा में पिछले करीब सवा चार साल के दौरान भाजपा-जजपा गठबंधन ने मजबूत व स्थिर सरकार प्रदान की है। उन्होंने कहा कि भाजपा संगठन सभी दस सीटों को आधा बनाकर चुनाव लड़ा जा रहा है। इसी प्रकार जजपा गठबंधन भी दस सीटों पर चुनाव की तैयारी कर रहा है। जजपा के नेता अब तक छह लोकसभा सीटों पर रैलियां कर चुके हैं। बहुत जल्द चार लोकसभा सीटों पर रैलियों का आयोजन किया जाएगा। दोनों दल अपने-अपने कार्यकर्ताओं को लामबंद करने में लगे हैं। दुष्यंत चौटाला ने कहा कि जब चुनावों का ऐलान होगा, तब सीटों के बंटवारे को लेकर फैसला किया जाएगा। अभी दोनों दल अपने-अपने तरीके से चुनाव की तैयारी में जुटे हुए हैं। जजपा नेता ने कहा कि राष्ट्रीय स्तर पर जहां विपक्ष का इंडी गठबंधन लगातार टूटता जा रहा है, वहीं हरियाणा में कांग्रेस पार्टी पूरी तरह से बिखर चुकी है। कांग्रेस में जहां पिता-पुत्र व एसआरके ग्रुप है वहीं अब कांग्रेस के प्रभारी का भी एक अलग ग्रुप बन गया है। उचाना विधानसभा क्षेत्र को लेकर भाजपा नेता एवं पूर्व केंद्रीय मंत्री चौधरी बीरेंद्र सिंह के बयानों का खंडन करते हुए दुष्यंत ने कहा कि वह उचाना को किसी भी सूरत में नहीं छोड़ेंगे, जो लोग उनके उचाना छोड़ने की बात कर रहे हैं, वह अपना अंतिम चुनाव बता रहे हैं। कांग्रेस नेता कैप्टन अजय सिंह यादव ने कांग्रेस में घुटन को लेकर दिए गए बयान पर दुष्यंत चौटाला ने कहा कि कैप्टन अजय सिंह यादव वरिष्ठ नेता हैं और उन्होंने कई दशक पार्टी को दिए हैं। अब गुटबाजी के चलते उन्हें अहमियत नहीं दी जा रही है। वह अगर उनकी पार्टी में आना चाहते हैं तो उनका स्वागत है। कैप्टन अजय यादव के लिए जजपा के दरवाजे हमेशा खुले हैं।

मुख्यमंत्री योगी पर की अभद्र टिप्पणी मुकदमा दर्ज

लखनऊ (हिंस)। मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ के खिलाफ अभद्र टिप्पणी करने के मामले में रविवार को हजरतगंज थाना में आरोपी के खिलाफ मुकदमा दर्ज किया गया है। थाना प्रभारी विक्रम सिंह ने बताया कि ऐशबाग के रहने वाले सतनाम सिंह उर्फ लवी ने शिकायत दर्ज करायी है। उन्होंने बताया कि सोशल मीडिया एक्स पर एक शख्स ने मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ के खिलाफ आपत्तिजनक टिप्पणी करते हुए पोस्ट डाला है। इसी प्रकरण में सतनाम सिंह ने आरोपी के खिलाफ कार्रवाई के लिए तहरीर दी है। मामले को संज्ञान में लेकर आईटी एक्ट के तहत मुकदमा दर्ज कर जांच की जा रही है। आईपी एड्रेस से पुलिस आरोपी की तलाश में है।

गुणवत्तापूर्ण शिक्षा को प्रतिबद्ध डीपीएस : शशि भूषण

दिल्ली पब्लिक स्कूल के नए ब्रांच का उद्घाटन

नवादा (हिंस)। नवादा जिले के हिसुआ प्रखंड क्षेत्र के फुलवरीया स्थित राष्ट्रीय राजमार्ग 82 के समीप डीपीएस स्कूल के नये ब्रांच का उद्घाटन रविवार को जहानाबाद के विधायक सुदय यादव, हिसुआ के पूर्व विधायक अनिल सिंह, प्रखंड विकास पदाधिकारी रीतेश कुमार अपर थानाध्यक्ष हिमांशु पप्पु एवं दिल्ली पब्लिक स्कूल के निदेशक शशिभूषण प्रसाद ने संयुक्त रूप से रिबन काटकर किया। इस दौरान जहानाबाद के विधायक सुदय यादव एवं हिसुआ के पूर्व विधायक अनिल सिंह ने अपने-अपने संबोधन में नौनिहालों को देश का भविष्य बताया और उन्हें सुरक्षित हाथ में देने पर जोर दिया। उन्होंने कहा कि आज

के वर्तमान समय मे एक गुणवत्तापूर्ण शिक्षा देने वाला विद्यालय की आवश्यकता हैं। विद्यालय ही एक वो स्थान जहां अभिभावक अपने बच्चों का भविष्य निर्माण को भेजते हैं। डीपीएस स्कूल के निदेशक शशिभूषण प्रसाद ने बताया कि इस स्कूल में बच्चों को शिक्षा के साथ सुरक्षा एवं उनके विकास पर जोर दिया जाएगा। यहां बच्चों को घर जैसा वातावरण मिलेगा। उन्होंने कहा कि हमारे आसपास कई स्कूल हैं पर इसकी खासियत यह है कि यहां बच्चों को ग्रूमिंग क्लास कराया जाएगा। जिसकी व्यवस्था भी तत्काल किया जाएगा। प्राचार्य संजीत कुमार रॉय ने बताया कि स्कूल में बच्चों के शारीरिक, मानसिक एवं भावनात्मक विकास पर भी जोर दिया जाएगा। ताकि बच्चे हर तरीके से आगे बढ़ सके और ग्रो कर सके। विद्यालय के नए ब्रांच के उद्घाटन के मौके पर दिल्ली पब्लिक स्कूल के विभिन्न वर्गों के छात्र-छात्राओं ने संस्कृतिक प्रस्तुति दी जिन्हें उपस्थित अतिथियों के द्वारा पुरस्कार दे कर सम्मानित भी किया गया। इस मौके पर हजारों के संख्या में अभिभावक एवं छात्र- छात्राएं उपस्थित रहे।

12 फरवरी से शुरू होगी सॉवरेन गोल्ड बॉन्ड स्कीम , चेक करें बेनेफिट्स

नई दिल्ली।
सरकार भारतीय नागरिकों के हित में सोचते हुए अक्सर ऐसी स्कीम और योजनाएं निकालती रहती है, जो उनके लिए फायदेमंद होती है। सॉवरेन गोल्ड बॉन्ड भी इसमें से ही एक है, जिसे सरकार ने 2015 में शुरू किया था। इस स्कीम के जरिए आप मार्केट से कम प्राइस में बॉन्ड की मदद से गोल्ड खरीद सकते हैं। आपको बताते चले कि ये बॉन्ड लगातार नहीं मिलते, ब्लकि सरकार समय-समय पर इसके लिए तारीख निकालती है। पिछली बार 22 दिसंबर को इसे पेश किया गया था और इस बार 12 फरवरी की तारीख तय की गई है। आइये इसके फायदें के बारे में जानते हैं।

कब और कहां से खरीदें बॉन्ड - अब सबसे पहला सवाल उठता है कि सॉवरेन गोल्ड बॉन्ड कब खरीदा जा सकता है। आपको बता दें कि इस स्कीम के जरिये सरकार मार्केट रेट से कम दाम में गोल्ड बेचती है, जिस कारण इसकी एक निर्धारित तारीख होती है। अगर आप ये बॉन्ड खरीदना चाहते हैं तो इसकी अगली सीरीज 12 फरवरी 2024 को शुरू होगी और 16 फरवरी को बंद कर दी जाएगी। अब सवाल उठता है कि आप इसे कहा से खरीद सकते हैं तो बता दें कि सॉवरेन गोल्ड बॉन्ड स्कीम को स्टॉक होल्डिंग कॉर्पोरेशन ऑफ इंडिया लिमिटेड क्लियरिंग कॉर्पोरेशन ऑफ इंडिया लिमिटेड नेशनल स्टॉक एक्सचेंज ऑफ इंडिया लिमिटेड, बॉम्बे स्टॉक एक्सचेंज लिमिटेड और सभी बैंक्स के जरिए खरीदा जा सकता है। इसके अलावा इसे से भी लिया जा सकता है।

सॉवरेन गोल्ड बॉन्ड के फायदे - सॉवरेन गोल्ड बॉन्ड स्कीम की मेच्योरिटी का समय 8 साल का होता है और 5वें साल में आप इस बॉन्ड को निकाल सकते हैं।

अगर आप ऑनलाइन रजिस्ट्रेशन करते हैं तो सरकार आपको 50 रुपये प्रति 10 ग्राम कम की छूट भी देती है।

ब्याज की बात करें तो इस बॉन्ड के तरह आपको 2.50 प्रतिशन का ब्याज मिलता है। आपको बता दें कि इसमें गोल्ड की कीमत पिछले तीन दिनों के सोने के भाव के आधार पर सोने की कीमत तय की जाती है।

ये बाजार में जाकर गोल्ड खरीदने या गोल्ड ईटीएफ में निवेश की तुलना सस्ता होता है, जिससे आपके पॉकेट पर भी कम असर पड़ता है।

न्यूज ब्रीफ

जीएसटी अधिकारियों के साथ नहीं रजिस्टर तंबाकू पैकिंग मशीनें, निर्माताओं को देना पड़ेगा 1 लाख का जुर्माना

नई दिल्ली। यदि आप पान मसाला, गुटका और तंबाकू व्यापारी निर्माता हैं तो ये खबर आपके लिए है। जीएटी विभाग ने अब नई एडवाइजरी जारी की है। तंबाकू उत्पादों के निर्माताओं ने अगर अपनी पैकिंग मशीनरी को पंजीकृत नहीं कराया है तो उन्हें जीएसटी अधिकारियों को जुर्माना देना होगा। जीएसटी विभाग द्वारा उठाया ये कदम का उद्देश्य तंबाकू विनिर्माण क्षेत्र में राजस्व रिसाव को रोकना है। 2024 के वित्त विधेयक में केंद्रीय जीएसटी अधिनियम में संशोधन पेश किया है, जहां निर्माताओं को अधिकारियों को एक लाख का जुर्माना देना होगा। उसमें रजिस्टर नहीं होने वाली प्रत्येक मसीनरी को एक लाख का जुर्माना लगाया जाएगा। पहले नहीं था कोई जुर्माना इसके अलावा, ऐसी गैर-अनुपालन मशीनरी को कुछ मामलों में जब्ती और जब्ती के जोखिम का सामना करना पड़ेगा। जीएसटी परिषद की सिफारिश के आधार पर, कर अधिकारियों ने पिछले साल तंबाकू निर्माताओं द्वारा मशीनों के पंजीकरण के लिए एक विशेष प्रक्रिया अधिसूचित की थी। इन मशीनों की पैकिंग क्षमता के साथ मौजूदा पैकिंग मशीनों, नई स्थापित मशीनों का विवरण फॉर्म जीएसटी एसआरएम-आई में प्रस्तुत करना होगा। हालाँकि, इसके लिए कोई दंड अधिसूचित नहीं किया गया था। देना होगा इतना जुर्माना राजस्व सचिव संजय मल्होत्रा ने कहा कि जीएसटी परिषद ने पिछली बैठक में निर्णय लिया था कि पान मसाला, गुटखा और इसी तरह के उत्पादों के लिए उनकी मशीनों का पंजीकरण होना चाहिए ताकि हम उनकी उत्पादन क्षमता पर नजर रख सकें। मल्होत्रा ने बताया कि हालांकि, पंजीकरण में विफल रहने पर कोई जुर्माना नहीं था। इसलिए परिषद ने फैसला किया था कि कुछ जुर्माना होना चाहिए। यही कारण है कि वित्त विधेयक में मशीनों का पंजीकरण नहीं कराने पर एक लाख रुपये तक का जुर्माना लगाते हैं। कर चोरी रोकने के लिए लिया गया फैसला पिछले साल फरवरी में केंद्रीय वित्त मंत्री की अध्यक्षता और राज्यों के समकक्षों वाली जीएसटी परिषद ने पान मसाला और गुटखा व्यवसायों में कर चोरी रोकने पर राज्य के वित्त मंत्रियों के एक पैनल की रिपोर्ट को मंजूरी दे दी थी। राजस्व को भी देना है बढ़ावा जीओएम (मंत्रियों के समूह) ने सिफारिश की थी कि राजस्व के पहले चरण के संग्रह को बढ़ावा देने के लिए पान मसाला और चबाने वाले तंबाकू पर मुआवजा उपकर लगाने की व्यवस्था को यथामूल्य से एक विशिष्ट दर-आधारित लेवी में बदल दिया जाए। इसके बाद, सरकार वित्त विधेयक, 2023 में संशोधन लेकर आई थी, जिसके अनुसार पान मसाला और तंबाकू के अन्य रूपों पर उनके खुदरा बिक्री मूल्य की उच्चतम दर पर जीएसटी मुआवजा उपकर लगाया जाएगा।

पीएलआई एक शुरुआती समर्थन; इसे बैसाखी नहीं समझा जाए, बोले पीयूष गोयल

मुंबई। वाणिज्य व उद्योग मंत्री पीयूष गोयल ने पीएलआई स्कीम पर बड़ी टिप्पणी की। उन्होंने कहा कि उद्योगों को उत्पादन आधारित प्रोत्साहन (पीएलआई) योजना को शुरुआती समर्थन के रूप में देखना चाहिए, क्योंकि आने वाले समय में उन्हें आगे बढ़ने के लिए प्रतिस्पर्धा का सामना करना होगा। उन्होंने पीएलआई लाभार्थी कंपनियों को प्रोत्साहन देने वाली कंपनियों से योजना के बेहतर क्रियान्वयन के लिए रचनात्मक आलोचना और प्रतिक्रिया साझा करने को कहा। केंद्रीय मंत्री पीयूष गोयल ने कहा है कि पीएलआई का मकसद भारत को विनिर्माण क्षेत्र का पावरहाउस बनाना है और इस मामले में अभी लंबा सफर तय करना बाकी है। सरकारी अधिकारियों और उद्योग जगत के प्रतिभागियों सहित 1,200 से अधिक हितधारकों ने पीएलआई पर नई दिल्ली में बैठक की। इस बैठक में 14 पीएलआई योजनाओं की प्रगति पर विचार-विमर्श किया गया। गोयल ने कहा, योजना के प्रोत्साहन को बैसाखी के रूप में नहीं देखा जाना चाहिए और हम आपको सरकारी सब्सिडी पर निर्भर नहीं बनाना चाहते हैं। यह केवल एक किकस्टार्ट की तरह है। गोयल बोले- उद्योगों को वैश्विक बाजार पर ध्यान केंद्रित करना चाहिए गोयल ने कहा, पीएलआई योजना का मकसद केवल आपको थोड़ा सा बढ़ावा देना है ताकि आप अपने प्रयास को किकस्टार्ट कर सकें और कृपया इसे किकस्टार्ट के रूप में देखें, एक प्रारंभिक समर्थन के रूप में देखें। क्योंकि क्योंकि अंततः आपके लिए प्रतिस्पर्धा बढ़ेगी। उन्होंने कहा, हमें अंततः एक दूसरे से और दुनिया के साथ प्रतिस्पर्धा करनी होगी। मंत्री ने यह भी सुझाव दिया कि उद्योगों को धीरे-धीरे वैश्विक बाजारों पर ध्यान केंद्रित करना चाहिए और भारत के बड़े घरेलू बाजार के कंफर्ट जो से बाहर आना चाहिए।

कृषि क्षेत्र में जलवायु संकट, भंडारण की समस्या और निर्यात प्रतिबंधों की वजह से बढ़ी परेशानी से निपटने की तैयारी

नई दिल्ली।
भारतीय अर्थव्यवस्था में कृषि क्षेत्र महत्वपूर्ण भूमिका निभाता है, क्योंकि देश की 47 प्रतिशत से अधिक आबादी अपनी आजीविका के लिए खेती पर निर्भर है। कृषि क्षेत्र में मजबूत वृद्धि से ग्रामीण आबादी की आय में बढ़ती है, जो औद्योगिक वस्तुओं की मांग का लगभग 40 प्रतिशत है। कृषि उत्पादन का उच्च स्तर मुद्रास्फीति को भी नियंत्रित रखता है।दूसरी ओर, कृषि उत्पादन में गिरावट से खाद्य पदार्थों की कीमतें बढ़ती हैं जिससे महँगाई बढ़ती है जिसके परिणामस्वरूप अर्थव्यवस्था अस्थिर हो जाती है और समग्र विकास को नुकसान पहुंचता है। देश में कृषि क्षेत्र सरकार के लिए उच्च प्राथमिकता वाला क्षेत्र रहा है और पिछले कुछ वर्षों में यह स्थिर गति से बिना अवरोध के बढ़ रहा है। हालांकि, खेती के लिए जलवायु परिवर्तन एक विकट चुनौती के रूप में उभरा है, क्योंकि अनियमित मानसून ने फसलों पर प्रतिकूल प्रभाव डाला है और 2023 की जुलाई-सितंबर तिमाही में देश के कृषि उत्पादन की वृद्धि दर 3.5 प्रतिशत से घटकर मात्र 1.6 प्रतिशत रह गई है।

वित्त मंत्री निर्मला सीतारमण द्वारा प्रस्तुत अंतरिम बजट में कृषि क्षेत्र में मूल्य संवर्धन और किसानों की आय बढ़ाने पर बड़ा जोर दिया गया है। अंतरिम बजट का सरसों, मूंगफली, तिल, सोयाबीन और सूरजमुखी जैसे तिलहनों में आत्मनिर्भरता हासिल करने का लक्ष्य कृषि क्षेत्र को बढ़ावा देने और समग्र विकास दर को बढ़ाने में गेम-चेंजर साबित हो सकता है। वित्त मंत्री ने अपने भाषण में कहा था कि इस क्षेत्र के लिए निवेश में खेती में उच्च उपज देने वाली किस्मों के लिए अनुसंधान, आधुनिक कृषि तकनीकों को व्यापक रूप से अपनाना, बाजार से जुड़ाव, खरीद, मूल्यवर्धन और फसल बीमा शामिल होंगे। भारत खाद्य तेलों की अपनी आवश्यकता का लगभग दो-तिहाई आयात करता है, जिसमें 1.38 लाख करोड़ रुपये की बहुमूल्य विदेशी मुद्रा खर्च होती है। तिलहन में आत्मनिर्भरता से इस प्रवाह को संरक्षित करने में मदद मिलेगी और देश के व्यापार घाटे को नियंत्रण में रखने में भी मदद मिलेगी जिससे रुपये की मजबूती का मार्ग प्रशस्त होगा। बजट में कृषि क्षेत्र में लागू की जाने वाली विभिन्न योजनाओं के लिए 1.27 लाख करोड़ रुपये का आवंटन किया गया है। इसके अलावा, किसानों को कम कीमत पर उर्वरक उपलब्ध कराने के लिए सब्सिडी के लिए 1.64 लाख करोड़ रुपये आवंटित किए गए हैं।

कुशल उर्वरक उपयोग सुनिश्चित करने के लिए उठाए जा रहे कदमों का उल्लेख करते हुए, वित्त मंत्री ने नैनो यूरिया को सफलतापूर्वक अपनाने और सभी कृषि-जलवायु क्षेत्रों में विभिन्न फसलों के लिए इस नैनो डीएपी का विस्तार करने की नीति की बात कही।

सीतारमण ने यह भी कहा कि कृषि और खाद्य प्रसंस्करण क्षेत्र की तेज वृद्धि सुनिश्चित करने के लिए एकत्रीकरण, आधुनिक भंडारण, आपूर्ति श्रृंखला, प्राथमिक और माध्यमिक प्रसंस्करण और विपणन तथा ब्रांडिंग सहित फसल कटाई के बाद की गतिविधियों में निजी और सार्वजनिक निवेश को बढ़ावा दिया जाएगा।

वर्तमान में, भारत में जल्दी खराब होने वाली वस्तुओं के लिए कोल्ड स्टोरेज सुविधाओं की कमी है और अनुमान है कि फलों तथा सब्जियों के मामले में फसल कटाई के बाद होने वाले नुकसान को 30 प्रतिशत से 40 प्रतिशत तक टाला जा सकता है।

सीतारमण ने किसानों को अन्नदाता बताते हुए कहा कि कृषि उपज के लिए न्यूनतम समर्थन मूल्य समय-समय पर उचित रूप से बढ़ाया जा रहा है और पीएम-किसान सम्मान के तहत हर साल 11.8 करोड़ किसानों को प्रत्यक्ष वित्तीय सहायता प्रदान की जा रही है। इसके अलावा, पीएम फसल बीमा योजना के तहत चार करोड़ किसानों को फसल बीमा का लाभ मिल रहा है। इसके साथ ही प्रधानमंत्री सूक्ष्म खाद्य प्रसंस्करण उद्यम औपचारिकीकरण योजना ने 2.4 लाख स्वयं सहायता समूहों और 60 हजार व्यक्तियों को क्रेडिट लिंकेज से सहायता प्रदान की है।

वित्त मंत्री ने कहा कि अन्य योजनाएं फसल कटाई के बाद के नुकसान को कम करने और उत्पादकता और आय में सुधार के प्रयासों को पूरक बना रही हैं। उन्होंने बताया कि प्रधानमंत्री किसान संपदा योजना से 38 लाख किसानों को लाभ हुआ है और 10 लाख लोगों के लिए रोजगार पैदा हुआ है।

वित्त मंत्री ने यह भी कहा कि इलेक्ट्रॉनिक राष्ट्रीय कृषि बाजार ने 1,361 मंडियों को एकीकृत किया है और तीन लाख करोड़ रुपये के व्यापार के साथ 1.8 करोड़ किसानों को सेवाएं प्रदान कर रहा है। इन प्रवधानों के जरिए ग्रामीण क्षेत्रों में वास्तविक आय में वृद्धि हुई है जिससे उनकी आर्थिक जरूरतों को पूरा किया जा सकता है, विकास को बढ़ावा मिलेगा और नौकरियां पैदा होंगी।

भारत दुनिया में गेहूं, चावल और चीनी का दूसरा सबसे बड़ा उत्पादक देश है, लेकिन बढ़ती घरेलू कीमतों पर लगाम लगाने के लिए सरकार को इन वस्तुओं के निर्यात को प्रतिबंधित करने के लिए मजबूर होना पड़ा है क्योंकि अनियमित मानसून कृषि उत्पादन पर प्रतिकूल प्रभाव डालता है। भारत दुनिया का सबसे बड़ा चावल निर्यातक है और एशिया, अफ्रीका और मध्य पूर्व के देशों में खाद्य सुरक्षा सुनिश्चित कर रहा है। इसलिए, निर्यात पर प्रतिबंध से इन देशों में भोजन की उपलब्धता पर भी असर पड़ा है।

इस साल भारत के कृषि निर्यात में चार से पाँच अरब डॉलर की गिरावट आने की उम्मीद है। हालांकि, वाणिज्य मंत्रालय में अतिरिक्त सचिव राजेश अग्रवाल का मानना है कि अन्य कृषि वस्तुओं के निर्यात में वृद्धि से इस साल निर्यात घाटा पूरा हो जाएगा।

बैलेंस एडवांटेज फंड से पाएं कम रिस्क में बेहतर रिटर्न

मिलेगा मार्केट की तेजी का लाभ 3 साल में दिया 24.35 प्रतिशत तक का सालाना रिटर्न

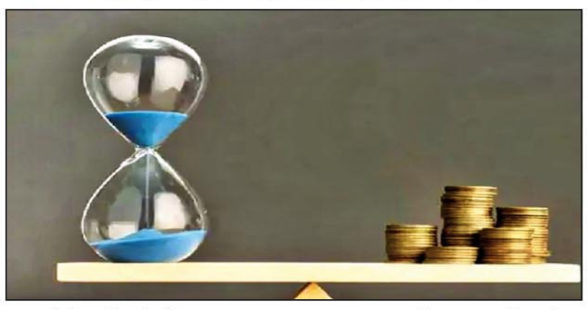

नई दिल्ली/मुंबई।
बीते एक साल से मार्केट में काफी तेजी देखने को मिल रही है। ऐसे में लोगों की बाजार में दिलचस्पी बढ़ी है। लेकिन स्टॉक मार्केट में सीधे निवेश का मतलब है, रिस्क। ऐसे में फंड की सुरक्षा के साथ-साथ बेहतर रिटर्न के लिए बैलेंस्ड एडवांटेज फंड एक बेहतर ऑप्शन हो सकता है। यहां आपका फंड डेट और इक्विटी दोनों तरह के मार्केट में लगाया जाता है। इक्विटी में आपको पॉजिटिव रिटर्न मिलता है, जबकि डेट में निवेश से रिस्क कम हो जाता है।

बैलेंस्ड एडवांटेज फंड क्या है - इसे डायनेमिक एसेट एलॉकेशन म्यूचुअल फंड भी कहा जाता है। यहां डेट और स्टॉक के बीच फंड का एलोकेशन मार्केट के कंडीशन के हिसाब से बदलता रहता है। इसमें आपके फंड को एक जगह न रख कर मार्केट की चाल के अनुसार अलग-अलग स्टॉक्स या फिक्स्ड डिपॉजिट स्कीम्स में इन्वेस्ट किया जाता है। इन फंड्स ने पिछले कुछ साल में बेहतर रिटर्न दिए हैं। यहां हम इन्हीं फंड के बारे में आपको बताने जा रहे हैं। हम ये भी बताएंगे कि यहां इन्वेस्ट करना आपके लिए कैसे बेहतर हो सकता है। डायनेमिक एसेट एलॉकेशन में फिलहाल 30 से ज्यादा स्कीम्स हैं।

लॉन्ग टर्म इन्वेस्टिंग: ये फंड उन निवेशकों के लिए अच्छा है, जो लॉन्ग टर्म में वेल्थ बनाने की सोच रहे हैं और हाई-रिस्क के लिए तैयार रहते हैं। यहां कम से कम 3 साल के लिए इन्वेस्ट करने पर बेहतर रिटर्न मिलता है।

डायनेमिक इन्वेस्टिंग स्ट्रैटेजी: इसमें आपके फंड मैनेजर के पास आसान और डायनेमिक स्ट्रैटजी होती है। यानी जब मार्केट बूम पर होता है, तो आपके फंड को बेचकर प्रॉफिट बुक कर लेता है और जब मार्केट में गिरावट होती है, तो इन्वेस्ट कर देता है। ये बाजार की चाल के आधार पर अलग-अलग एसेट में बजट का एलॉकेशन बदलते रहते हैं। ये पहले से तय किसी भी रेश्यो पर निर्भर नहीं रहते हैं।

लचीलापन या फ्लेक्सिबिलिटी: ये स्कीम्स इक्विटी में आवंटन को 65 प्रतिशत से ज्यादा बढ़ा सकती हैं और बाजार की स्थितियों के आधार पर इसे कम भी कर सकती हैं। इसलिए, इन फंड्स का अप्रोच स्ट्रेट-फॉरवर्ड न होकर काफी ओपन और फ्लेक्सिबल होता है। इसके चलते ये अनस्टेबल मार्केट का सबसे ज्यादा फायदा ले पाते हैं।

आरबीआई की मौद्रिक समीक्षा और वैश्विक रुझान तय करेंगे बाजार की चाल

मुंबई।
इस सप्ताह घरेलू शेयर बाजारों की चाल बड़ी कंपनियों के तिमाही परिणामों, वैश्विक रुझान और ब्याज दर पर भारतीय रिजर्व बैंक (आरबीआई) के निर्णय से तय होगी। विश्लेषकों ने यह राय जताई है। विश्लेषकों का कहना है कि अंतरिम बजट और अमेरिकी केंद्रीय बैंक के नीतिगत निर्णय के बाद अब बाजार भागीदारों का ध्यान केंद्रीय बैंक की मौद्रिक नीति समीक्षा पर है। घरेलू मोर्चे पर मौद्रिक नीति समिति की बैठक छह-आठ फरवरी को होने वाली है। कंपनियों के तीसरी तिमाही के नतीजों पर भी सभी की नजरें रहेंगी। इस सप्ताह भारती एयरटेल, पावर ग्रिड, नेस्ले, ल्यूपिन और टाटा पावर अपने तिमाही नतीजों की घोषणा करेंगी। उन्होंने कहा कि इसके अलावा बाजार भागीदार डॉलर के मुकाबले रुपये की चाल और कच्चे तेल की कीमतों पर भी नजर रखेंगे। साथ ही विदेशी संस्थागत निवेशकों (एफआईआई) और घरेलू संस्थागत निवेशकों (डीआईआई) की गतिविधियां भी महत्वपूर्ण रहेंगी। बाजार के जानकार कहते हैं कि अब अमेरिकी फेडरल रिजर्व की बैठक के नतीजों और अंतरिम बजट के बाद सभी की नजरें इस सप्ताह आरबीआई की मौद्रिक समीक्षा बैठक पर होंगी। एक अन्य बाजार विशेषज्ञ कहते हैं कि अब बाजार का ध्यान चालू वित्त वर्ष के तीसरी तिमाही के नतीजों पर रहेगा। आने वाले दिनों में अशोक लेलैंड, भारती एयरटेल, अपोलो टायर्स, नेस्ले, ग्रासिम, एलआईसी जैसी कई कंपनियां अपने नतीजे घोषित करेंगी। हमारा अनुमान है कि इस सप्ताह बाजार में काफी उतार-चढ़ाव रहेगा। सभी की निगाह कंपनियों के तिमाही नतीजों तथा रिजर्व बैंक की मौद्रिक समीक्षा बैठक पर रहेंगी। वैश्विक मोर्चे पर हमारा अनुमान है कि अमेरिकी बाजार में उछाल से स्थानीय शेयर बाजारों को भी मजबूती मिलेगी।

एसबीआई ने दिसंबर तिमाही के परिणाम जारी किए, शुद्ध लाभ 35 प्रतिशत कम होकर 9,164 करोड़ रुपये हुआ

नई दिल्ली।
सार्वजनिक क्षेत्र के भारतीय स्टेट बैंक (एसबीआई) का एकल शुद्ध लाभ चालू वित्त वर्ष की तीसरी तिमाही में 35 प्रतिशत कम होकर 9,164 करोड़ रुपये हो गया है। बीते वित्त वर्ष की समान तिमाही में बैंक का शुद्ध लाभ 14,205 करोड़ रुपये रहा था।

एसबीआई ने शेयर बाजार को दी सूचना में कहा कि दिसंबर 2023 को समाप्त तिमाही में उसकी कुल आमदनी बढ़कर 1,18,193 करोड़ रुपये रही, जो बीते वित्त वर्ष की समान तिमाही में 98,084 करोड़ थी।

बैंक की ब्याज आय समीक्षाधीन तिमाही में बढ़कर 1,06,734 करोड़ रुपये हो गई, जो बीते वित्त वर्ष की समान तिमाही में 86,616 करोड़ रुपये थी। दिसंबर, 2023 के अंत तक बैंक की सकल गैर-निष्पादित संपत्ति (एनपीए) घटकर सकल ऋण का 2.42 प्रतिशत हो गई, जो एक साल पहले 3.14 प्रतिशत थी।

इसी तरह, तीसरी तिमाही के अंत में शुद्ध एनपीए भी घटकर 0.64 प्रतिशत हो गया जो पिछले साल 0.77 प्रतिशत था। एकीकृत आधार पर एसबीआई समूह का शुद्ध लाभ दिसंबर, 2023 तिमाही में 29 प्रतिशत गिरकर 11,064 करोड़ रुपये रह गया, जो बीते वित्त वर्ष की समान तिमाही में 15,477 करोड़ रुपये था।

हालांकि, कुल आमदनी समीक्षाधीन तिमाही में बढ़कर 1,53,072 करोड़ रुपये हो गई, जो बीते वित्त वर्ष की समान तिमाही में 1,27,219 करोड़ रुपये थी। दिसंबर, 2023 तिमाही में बैंक ने एसबीआई पेंशन फंड्स प्राइवेट लिमिटेड में एसबीआई कैपिटल मार्केट्स लिमिटेड (एसबीआईसीएपीएस) की पूरी 20 प्रतिशत हिस्सेदारी का अधिग्रहण कर लिया। इसके साथ ही एसबीआई पेंशन फंड्स प्राइवेट लिमिटेड में बैंक की हिस्सेदारी 60 प्रतिशत से बढ़कर 80 प्रतिशत हो गई। यह सौदा 229.52 करोड़ रुपये में हुआ।

हिमाचल प्रदेश का 2026 तक हरित ऊर्जा राज्य बनना लक्ष्य

शिमला।
हिमाचल प्रदेश में जहां किसानों पर जलवायु परिवर्तन का काफी ज्यादा असर पड़ने की आशंका है, अब यहां नवीकरणीय ऊर्जा को अपनाने पर फोकस किया जा रहा है। हिमाचल प्रदेश का लक्ष्य विश्व बैंक की सहायता से 2026 तक हरित ऊर्जा राज्य बनना है, जिसने 2,500 करोड़ रुपये की अनुमानित लागत पर बेसिन दृष्टिकोण के साथ हरित लचीला एकीकृत विकास कार्यक्रम को आगे बढ़ाने में रुचि दिखाई है। इसे हिमाचल प्रदेश द्वारा नियोजित सबसे बड़े नवीकरणीय एजेंडे में से एक माना जाता है, जहां 90 प्रतिशत से अधिक आबादी ग्रामीण क्षेत्रों में रहती है।

स्थिरता की दिशा में एक कदम के रूप में, कांगड़ा जिले के अधिकारियों ने पहाड़ी की चोटी पर प्राचीन आदि हिमानी चामुंडा मंदिर की ओर जाने वाले खड़े रास्ते को रोशन करने के लिए सौर रोशनी का उपयोग किया है। पिछले साल जिला प्रशासन ने कुल 101 सोलर लाइटें लगाई थी और सूर्यास्त के बाद रोशनी का अद्भुत नजारा होता है।

हिमाचल प्रदेश सरकार का लक्ष्य 500 किलोवाट से 1 मेगावाट तक की क्षमता वाली सौर ऊर्जा परियोजनाओं को चालू करके, पायलट आधार पर सभी 12 जिलों में से प्रत्येक में दो पंचायतों को हरित पंचायत बनाना है।

इस जनजातीय क्षेत्र में बिजली आपूर्ति प्रणाली को बढ़ाने के लिए चंबा जिले के सुदूर पांगी में एक सौर ऊर्जा आधारित बैटरी ऊर्जा भंडारण प्रणाली परियोजना स्थापित की जाएगी।

इसके अलावा, जलविद्युत जनरेटर एसजेवीएन लिमिटेड, केंद्र सरकार और हिमाचल प्रदेश सरकार के बीच एक संयुक्त उद्यम, पहाड़ी राज्य में पांच सौर ऊर्जा परियोजनाओं को लागू कर रहा है।

हिमाचल प्रदेश सरकार राज्य के युवाओं को अपने जमीन पर 250 किलोवाट से 2 मेगावाट तक की उत्पादन क्षमता वाली सौर ऊर्जा परियोजनाएं स्थापित करने के लिए 40 प्रतिशत सब्सिडी दे रही है। इन परियोजनाओं से उत्पादित बिजली राज्य विद्युत बोर्ड द्वारा खरीदी जायेगी।

राज्य की 90 प्रतिशत से अधिक आबादी ग्रामीण क्षेत्रों में रहती है, 70 प्रतिशत आबादी आजीविका के स्रोत के रूप में कृषि और बागवानी पर निर्भर है। हालांकि, बंदरों, जंगली सूअरों, नीलगायों और अन्य जंगली जानवरों के कारण फसल का नुकसान अधिक है।

इस समस्या को कम करने के लिए, राज्य सरकार आवारा जानवरों को दूर रखने के लिए सौर ऊर्जा से चलने वाली बिजली की बाड़ को बढ़ावा दे रही है।

यदि तीन या अधिक किसान अपने खेतों के चारों ओर सौर बाड़ बनाना चाहते हैं तो राज्य सरकार 85 प्रतिशत की सब्सिडी प्रदान करती है। अपने खेत में सौर बाड़ लगाने के इच्छुक व्यक्तिगत किसानों के लिए, प्रदान की जाने वाली सब्सिडी 80 प्रतिशत है। खेतों के चारों ओर बिजली की बाड़ में करंट, जो नियमित अंतराल पर सौर पैनलों द्वारा संचालित होता है, आवारा जानवरों, वन्यजीवों और बंदरों को फसलों से दूर रखने के लिए पर्याप्त है। आधिकारिक आंकड़ों के अनुसार, हिमाचल प्रदेश विज्ञान, प्रौद्योगिकी और पर्यावरण परिषद ने स्कूली बच्चों में ऊर्जा संरक्षण की अवधारणा का प्रचार करने के लिए ग्रिड से जुड़े सौर ऊर्जा प्लांट स्थापित करने के लिए दस स्कूलों की पहचान की है। राज्य में हिमऊर्जा द्वारा 18.86 मेगावाट बिजली पैदा करने वाले ग्रिड-कनेक्टेड सोलर रूफटॉप पावर प्लांट स्थापित किए गए हैं। राज्य के आर्थिक सर्वे 2022-23 में कहा गया है कि इससे सालाना 12.50 करोड़ रुपये की बचत होगी और राज्य के 13,140 टन कार्बन फुटप्रिंट की भरपाई होगी। इसके अलावा, हिमाचल में 3.98 मेगावाट के ऑफ-ग्रिड सौर ऊर्जा संयंत्र और 38.10 मेगावाट के ग्राउंड-माउंटेड सौर ऊर्जा परियोजनाएं चालू की गई हैं।

विश्व बैंक की मदद से शुरू किए गए 2,000 करोड़ रुपये के हिमाचल प्रदेश पावर सेक्टर डेवलपमेंट प्रोग्राम के तहत, 200 मेगावाट की क्षमता वाली सौर ऊर्जा परियोजनाओं का निर्माण करने और 13 शहरों की सेवा के लिए 11 सबस्टेशन और दो वितरण लाइनें बनाने का प्रावधान है।

स्थानीय युवाओं के स्किल को विकसित करने के लिए स्थापित, हिमाचल प्रदेश कौशल विकास निगम इस वित्तीय वर्ष से सौर ऊर्जा क्षेत्र में 500 लोगों को प्रशिक्षण दे रहा है।

पिछले साल नवंबर में केंद्र, हिमाचल प्रदेश सरकार और विश्व बैंक ने 200 मिलियन डॉलर की एक परियोजना पर हस्ताक्षर किए, जो राज्य में बिजली क्षेत्र में सुधार की सुविधा प्रदान करेगी और बिजली उत्पादन में नवीकरणीय ऊर्जा की हिस्सेदारी बढ़ाएगी।

खेल मंत्रालय का बड़ा फैसला, भारतीय पैरालंपिक समिति को किया निलंबित

नई दिल्ली।
खेल मंत्रालय ने भारतीय पैरालंपिक समिति (पीसीआई) को निलंबित कर दिया है। मंत्रालय ने यह फैसला समिति की चुनाव प्रक्रियाओं में अनियमितताओं के बाद लिया है। उसने यह कदम पिछली कार्यकारी समिति के कार्यकाल की समाप्ति के लगभग दो महीने बाद पीसीआई द्वारा चुनावों की घोषणा के बाद उठाया। मंत्रालय ने कहा कि यह भारतीय पैरालंपिक समिति के संविधान और खेल संहिता दोनों का उल्लंघन है।

देश में पैरा-स्पोर्ट्स के लिए राष्ट्रीय खेल महासंघ (एनएसएफ) के रूप में मान्यता प्राप्त भारतीय पैरालंपिक समिति (पीसीआई) का आखिरी चुनाव सितंबर 2019 में हुआ था। हालांकि, कानूनी जटिलताओं के कारण परिणाम 31 जनवरी 2020 तक घोषित नहीं किए गए थे।

चुनाव के संचालन में देरी के कारण हुआ निलंबन

खेल मंत्रालय ने बताया कि 28 मार्च 2024 को चुनाव कराने का पीसीआई का निर्णय उसके संविधान और खेल संहिता दोनों का उल्लंघन करता है, जो पदाधिकारियों के कार्यकाल की समाप्ति से कम से कम एक महीने पहले चुनाव कराना अनिवार्य करता है। चुनाव के संचालन में जानबूझकर देरी के कारण निलंबन हुआ है।

सरकारी परिपत्र और खेल संहिता के अनुसार, संविधान में निर्धारित चुनाव कराने में विफलता या सरकारी दिशानिर्देशों का अनुपालन न करना निलंबन का आधार है। मंत्रालय ने खेल संघों में सुशासन और जवाबदेही मानकों को बनाए रखने के महत्व पर जोर दिया।

खेल मंत्रालय ने साई को दिया यह निर्देश

पीसीआई द्वारा जानबूझकर की गई देरी और खेल संहिता का पालन करने की आवश्यकता को देखते हुए सरकार ने पीसीआई की मान्यता को अगले आदेश तक तत्काल प्रभाव से निलंबित कर दिया है। भारतीय खेल प्राधिकरण को एक तदर्थ समिति बनाने के लिए अंतरराष्ट्रीय पैरालंपिक समिति के साथ समन्वय करने का निर्देश दिया गया है।

यह समिति पीसीआई के संचालन की निगरानी करेगी और खेल संहिता के अनुसार स्वतंत्र, निष्पक्ष और पारदर्शी चुनाव आयोजित करेगी।

न्यूज ब्रीफ

पीएसजी का साथ छोड़ रियाल मैड्रिड के साथ जुड़ेंगे किलियन एम्बाप्पे, मीडिया रिपोर्ट में दावा

नई दिल्ली। फ्रांस के स्टार फुटबॉल खिलाड़ी किलियन एम्बाप्पे अपना क्लब बदल सकते हैं। फ्रांसीसी मीडिया के अनुसार वह इस साल गर्मियों के बाद रियाल मैड्रिड से जुड़ सकते हैं। गर्मियों में पेरिस सेंट जर्मन के साथ उनका अनुबंध खत्म हो रहा है। 25 वर्षीय एम्बाप्पे ने 2024-25 सीजन में रियाल मैड्रिड के लिए खेलते दिख सकते हैं। रिपोर्ट के अनुसार वह लगातार रियाल मैड्रिड के अधिकारियों के संपर्क में रहे हैं। हालांकि, रिपोर्ट में कहा गया है कि यह सौदा अभी तक पूरा नहीं हुआ है। रिपोर्ट में यह भी कहा गया है कि एम्बाप्पे पहले लिवरपूल क्लब में जान`के बारे में सोच रहे थे, लेकिन बाद में उन्होंने अपना फैसला बदल दिया। अब वह अगर रियाल मैड्रिड में शामिल होते हैं तो क्लब के लिए यह अहम बात होगी। यह खबर ऐसे समय में आई है, जब एम्बाप्पे को कथित तौर पर टीम छोड़ने के बारे में कई संदेह थे, जिसे उन्होंने 2018 में पीएसजी के लिए मोनाको छोड़ने के बाद से अपना घर कहा है। एम्बाप्पे को पीएसजी ने 180 मिलियन यूरो में अपने साथ जोड़ा था। उन्होंने इस क्लब के लिए 288 मैचों में 241 गोल किए हैं। अब पीएसजी फ्रेंच कप के अंतिम 16 में ब्रेस्ट से अपने घरेलू मैदान में भिड़ेगा। अगले लीग 1 में इस क्लब का मुकाबला लिली से होगा। एम्बाप्पे पिछले कुछ समय में दुनिया के सबसे बेहतरीन फॉरवर्ड खिलाड़ियों में शामिल रहे हैं। 2018 फीफा विश्व कप में फ्रांस को चैंपियन बनाने के बाद उन्होंने 2022 विश्व कप में भी अपनी टीम को फाइनल में पहुंचाया। हालांकि, फाइनल में तीन गोल करने के बावजूद वह अपनी टीम को जीत नहीं दिला सके। उन्होंने गोल्डन बूट भी अपने नाम किया था, लेकिन खिताब नहीं जीत पाने का दुख उनके चेहरे पर साफ झलक रहा था। वह अगले विश्व कप में यह कसक मिटाना चाहेंगे।

मुस्कुराएं और चलते रहें, साबित करने की कोशिश न करें : सानिया मिर्जा

नई दिल्ली। पाकिस्तान क्रिकेट टीम के पूर्व कप्तान शोएब मलिक से तलाक के बाद भारत की शीर्ष टेनिस स्टार ने सोशल मीडिया पर अपना दर्द व्यक्त किया है। उन्होंने इंस्टाग्राम पर एक स्टोरी डाली है जिसमें उन्होंने लिखा- मुस्कुराएं और चलते रहें, आप साबित करने की कोशिश न करें। सानिया ने लिखा कि आप जीवन में कई चीजों का अनुभव करते हैं जो आपको हिला देती हैं, बदल देती हैं और तोड़ देती हैं। 37 साल की सानिया ने लिखा आप अपने जीवन में ऐसी हजारों चीजों से गुजरे हैं जिनके बारे में लोग जानते भी नहीं हैं। आपने उन चीजों का अनुभव किया है जिन्होंने आपको झकझोर दिया है, आपको बदल दिया है, तोड़ दिया है। आपको बनाया और सिखाया कि आप जितना आपने सोचा था उससे अधिक मजबूत बनें। और इन सबके लिए आप वही हैं जो आप हैं। अगली बार जब कोई आपको जो देखता है उसके एक छोटे से हिस्से के आधार पर और कैसे वे उसमें बाधा डालते हैं, उसके आधार पर आपका मूल्यांकन करें, याद रखें कि आप कौन हैं, याद रखें कि आपने कितना कुछ पाया।

बर्मिंघम के मैदान पर युवराज की फिर होगी क्रिकेट में वापसी

नई दिल्ली। भारतीय क्रिकेट प्रशंसकों को एक बार फिर से युवराज सिंह की क्रिकेट मैदान पर वापसी देखने को मिलेगी। जानकारी के अनुसार एक रोमांचक घटनाक्रम में युवराज सिंह, ब्रेट ली, केविन पीटरसन, सुरेश रैना, शाहिद अफरीदी जैसे क्रिकेटर विश्व चैंपियनशिप के दौरान आमने सामने होंगे। बर्मिंघम के एजबेस्टन स्टेडियम में 3 से 18 जुलाई तक यह टूर्नामेंट आयोजित होगा। एजबेस्टन इस गर्मी में बहुप्रतीक्षित वर्ल्ड चैंपियनशिप ऑफ लीजेंड्स की मेजबानी करने के लिए तैयार है। युवराज सिंह, शाहिद अफरीदी और केविन पीटरसन जैसे दिग्गज इस दौरान सक्रिय रहेंगे। टूर्नामेंट में इंग्लैंड, भारत, पाकिस्तान, ऑस्ट्रेलिया, वेस्टइंडीज और दक्षिण अफ्रीका के सेवानिवृत्त और गैर-अनुबंधित खिलाड़ियों को प्रदर्शन करते दिखेंगे। इसमें इंग्लैंड के केविन पीटरसन ने भी भाग लेने के लिए हां कर दी है। इसके अलावा एक ओवर में 6 छक्कों के लिए प्रसिद्ध युवराज सिंह और वनडे के सबसे तेज शतकवीर में से एक पाकिस्तान के बल्लेबाज शाहिद अफरीदी भी हामी भर चुके हैं।

भारतीय टीम ने इंग्लैंड के खिलाफ जीती टी20 सीरीज, चौथे मुकाबले में 18 रन दी मात

नई दिल्ली।
भारतीय फिजिकल डिसेबिलिटी क्रिकेट टीम ने अहमदाबाद में एक रोमांचक मुकाबले में इंग्लैंड को हरा दिया। इस जीत के साथ ही भारत ने 3-1 से सीरीज पर कब्जा जमाया। रवींद्र सांते को उनके असाधारण हरफनमौला प्रदर्शन के लिए मैन ऑफ द मैच का पुरस्कार मिला। सैंटे ने बल्ले, गेंद और फील्डिंग से महत्वपूर्ण योगदान दिया और भारत की जीत सुनिश्चित की।

पांच मैचों की टी20 सीरीज का आखिरी मुकाबला भी अहमदाबाद के नरेंद्र मोदी स्टेडियम में खेला जाएगा। भारत 6 फरवरी को इंग्लैंड का सामना करेगा। पूरी सीरीज में भारत के लिए सैंटे ने दमदार प्रदर्शन किया है। चौथे मैच में की बात करें तो चार ओवर में 21 रन पर दो विकेट गंवाने के बाद भारत के कप्तान विक्रांत केनी और लोकेश मार्गाडे के बीच तीसरे विकेट के लिए महत्वपूर्ण 50 रन की साझेदारी की। केनी ने 28 रन और मार्गाडे ने 21 रन का योगादान दिया।

सैंटे की कैमियो पारी से भारत ने बनाया सम्मानजनक स्कोर

सैंटे ने नाबाद 30 रन की पारी खेली, जिससे भारत ने 20 ओवर में पांच विकेट के नुकसान पर 150 रन का स्कोर बोर्ड पर लगाया। इसके जवाब में इंग्लैंड 131 रन के चुनौतीपूर्ण लक्ष्य तक पहुंचने के लिए संघर्ष करता रहा और तीन गेंद शेष रहते ऑल आउट हो गया। सैंटे ने सलामी बल्लेबाज एलेक्स को रन आउट कर पवेलियन की राह दिखाई। सनी और अखिल रेड्डी ने तीन-तीन विकेट लिए।

लियाम ओब्रायन का अर्धशतक न आया काम

इंग्लैंड के लिए लियाम ओब्रायन 44 गेंद में 58 रनों के साथ सर्वाधिक रन बनाने वाले बल्लेबाज रहे। बेन सटन 11 रन बनाने में सफल रहे और एंथोनी 25 रन का योगदान दिया। भारत जहां आखिरी मुकाबला जीतकर अपना दबदबा कायम रखना चाहेगा तो वहीं, इंग्लैंड के साथ विदाई लेना चाहेगा।

पाकिस्तान पर भारत ने बनाई 2-0 की बढ़त, रामकुमार और बालाजी ने हासिल की जीत

इस्लामाबाद। टेनिस खिलाड़ियों रामकुमार रामनाथन और एन श्रीराम बालाजी की जीत की मदद से भारत ने इस्लामाबाद में डेविस कप विश्व ग्रुप एक प्ले ऑफ मुकाबले में पाकिस्तान पर 2-0 से बढ़त बनाई। ऐसाम उल हक ने शुरुआती एकल में कड़ी चुनौती पेश की, लेकिन तीसरे सेट में मांसपेशियों में खिंचाव के कारण पिछड़ गए। रामकुमार ने इस्लामाबाद खेल परिसर में ऐसाम से पहला सेट गंवा दिया था, लेकिन वापसी करते हुए 6-7(3), 7-6(4), 6-0 से जीत हासिल कर भारत को 1-0 से आगे कर दिया। इस मैच में 43 वर्षीय ऐसाम ने 10 डबल फॉल्ट की। ऐसाम कड़कड़ाती ठंड में अपने 'डबल फॉल्ट' पर लगाम नहीं लगा सके जबकि रामकुमार ने जैसे-जैसे मैच आगे बढ़ा अपने रिटर्न बेहतर करना शुरू किया। बालाजी ने अकील को आसानी से हराया बारिश से प्रभावित दूसरे एकल में युगल विशेषज्ञ बालाजी को अकील खान ने चुनौती दी, लेकिन वह पाकिस्तान के अनुभवी खिलाड़ी को 7-5, 6-3 से पराजित करने में सफल रहे। बालाजी ने मैच पर शिकंजा कसा हुआ था। उन्होंने दोनों सेट में एक-एक बार अकील की सर्विस तोड़ी। उनकी मजबूत सर्विस, ड्रॉप शॉट्स का बखूबी इस्तेमाल और मूवमेंट अंत में उन्हें आसान जीत दिलाने में सफल रहे। युकी और मायनेनी की जोड़ी का मैच भारत अब विश्व ग्रुप एक में जगह बनाने से एक जीत दूर है। युकी भांबरी और साकेत मायनेनी अब मुकाबला जीतने की कोशिश करेंगे। तीसरे मैच में उनका सामना मुजम्मिल मुर्तजा और बरकत उल्लाह की जोड़ी से होगा।

अजीब तरीके से आउट हुए एंजेलो मैथ्यूज, विश्वास नहीं होने पर देखते रहे जमीन पर गिरी हुई बेल्स

नई दिल्ली।
श्रीलंका ने अफगानिस्तान के खिलाफ एकमात्र टेस्ट मैच के दूसरे दिन स्टंप्स तक 6 विकेट के नुकसान पर 410 रन बना लिए हैं। श्रीलंका ने अपनी पहली पारी की बढ़त 212 रन तक पहुंचा दी। एंजेलो मैथ्यूज और दिनेश चंडीमल ने शतक जड़े। मैच आखिरी सत्र में अफगानिस्तान ने तीन विकेट लेकर वापसी की।

इससे पहले दूसरे दिन पूर्व कप्तान दिमुथ करुणारत्ने ने सिर्फ 72 गेंद में 77 रन जोड़कर श्रीलंका को बड़े स्कोर की राह आसान कर दी। मैथ्यूज और चंडीमल ने चौथे विकेट के लिए 132 रन जोड़े। चंडीमल ने आउट होने से पहले 107 रन बनाए। इसके बाद एंजेलो मैथ्यूज ने अपना 16वां शतक जमाया।

एंजेलो मैथ्यूज ने टेस्ट क्रिकेट में पूरे किए 7,500 रन

मैथ्यूज ने 7,500 टेस्ट रन भी पूरे किए। दूसरे दिन एंजेलो मैथ्यूज अच्छी लगय में दिख रहे थे, लेकिन अनुभवी ऑलराउंडर को दुर्भाग्यपूर्ण तरीके से आउट होना पड़ा। जब वह आउट हुए तो दिन के खेल में तीन ओवर और बचे हुए थे।

अजीब तरीके से हुए आउट

दरअसल, एंजेलो मैथ्यूज कैस अहमद की लेग के बाहर की गेंद को फाइन लेग पर चौका जड़ा, लेकिन मैथ्यूज फॉलो-थ्रू में ही उनका बल्ला लेग स्टंप से टकरा गया और हिट विकेट आउट हो गए। मैथ्यूज इस तरह से आउट होने के ख्यालों में खोए हुए थे और एक पल के लिए गिरी हुई बेल्स को देखते रहे।

आखिरी सत्र में अफगानिस्तान ने की वापसी

मैथ्यूज ने आउट होने से पहले अपनी पारी के दौरान 14 चौके और 3 छक्के जड़े। मैथ्यूज ने 259 गेंद में 141 रन बनाए, जिससे श्रीलंका ने 101.2 ओवर में 410/6 रन बनाए। दूसरे दिन अफगानिस्तान के लिए कैस अहमद और नवीद जादरान ने 2-2 विकेट मिले, जबकि निजात मसूद ने एक विकेट हासिल किया।

रोमांचक मुकाबला जीतकर सेमीफाइनल में पहुंचा पाकिस्तान, बांग्लादेश को दी 5 रनों से शिकस्त

नई दिल्ली।
पाकिस्तान ने आईसीसी अंडर-19 क्रिकेट वर्ल्ड कप 2024 के सेमीफाइनल में जगह पक्की कर ली है। बांग्लादेश के खिलाफ रोमांचक मुकाबले में पांच रन से जीत दर्ज की। दो बार के वर्ल्ड चैंपियन ने 155 रनों का सफलतापूर्वक बचाव किया और ग्रुप 1 में दूसरे स्थान पर रहा। सेमीफाइनल में पाकिस्तान का मुकाबला ऑस्ट्रेलिया से होगा। सुपर सिक्स के आखिरी मुकाबले में बांग्लादेश के कप्तान महफुजुर रहमान रब्बी ने टॉस जीतकर गेंदबाजी करने का फैसला किया। पाकिस्तान के लिए अमीर हसन की जगह तेज गेंदबाज मोहम्मद जीशान को शामिल किया गया। पाकिस्तान ने पहले 10 ओवर में एक विकेट खोकर मात्र 50 रन बनाए। इसके बाद रोहनात बोरसन ने शमील हुसैन और अजान अवैस के विकेट लेकर बांग्लादेश को ड्राइविंग सीट पर बैठा दिया।

पाकिस्तान ने दिया था 156 रन का लक्ष्य - फिर शेख जिबोन ने बीच के ओवरों में दबदबा बनाकर पाकिस्तान को 40.4 ओवर में सिर्फ 155/10 पर रोक दिया। अराफात मिन्हास ने सर्वाधिक 34 रन बनाए। पाकिस्तान के लिए केवल दो बल्लेबाज 20 रन का आंकड़ा पार करने में सफल रहे। बांग्लादेश की तरफ से रोहनात बोरसन और शेख पावेज जिबोन को चार-चार विकेट मिले।

38.1 ओवर में हासिल करनी थी जीत -

सेमीफाइनल में जगह पक्की करने के लिए बांग्लादेश को 38.1 ओवर में लक्ष्य हासिल करना था। सलामी बल्लेबाज जिशान आलम ने पहले तीन ओवर में चार चौके लगाकर तेज शुरुआत दी। फॉर्म में चल रहे तेज गेंदबाज उबैद शाह ने तीसरे ओवर में जिशान का विकेट लेकर पाकिस्तान को सफलता दिलाई। पांचवें ओवर में आशिकुर रहमान शिबली को आउट कर मैच को रोमांचक बना दिया।

उबैद के आगे बिखरी बांग्लादेश की टीम - बांग्लादेश ने 6 विकेट केवल 83 रन पर खो दिए थे, लेकिन मोहम्मद शिहाब जेम्स ने 26 रन बनाकर खेल को आगे बढ़ाया। तेज गेंदबाज जीशान ने 36वें ओवर में मारुफ मिधा को बोल्ड कर पाकिस्तान को 5 रन से सनसनीखेज जीत दिला दी। उबैद ने 44 रन देकर सर्वाधिक 5 विकेट लिए, जबकि अली रजा ने 3 विकेट लेकर पाकिस्तान को नॉकआउट में पहुंचाया।

सुमित के हाई 5 से यूपी योद्धाओं की यू मुंबा पर महत्वपूर्ण जीत, प्लेऑफ की दौड़ में मिली लाइफलाइन

नई दिल्ली।
यहां के त्यागराज इंडोर स्टेडियम में प्रो कबड्डी लीग (पीकेएल) के सीजन 10 के मैच में यूपी योद्धाओं ने सुमित के कुछ अच्छे बचाव को रेडर गगना गौड़ा और महिपाल की मदद से यू मुंबा पर 38-23 से प्रभावशाली और महत्वपूर्ण जीत हासिल की।

पूरे मैच के दौरान यू मुंबा के कई बदलावों से टीम को ज्यादा फायदा नहीं हुआ, शिवम के ऑफ द बेंच से पांच अंक लेने के बावजूद, लेकिन यूपी योद्धाओं को प्लेऑफ की दौड़ में अहम लाइफलाइन मिली।

मैच दोनों तरफ झुक गया, क्योंकि शुरुआत में रक्षकों का दबदबा कायम रहा. यूपी योद्धा और यू मुंबा के रेडर मैच की शुरुआत में अपने-अपने करो या मरो रेड में असफल रहे, यहां तक कि यू मुंबा ने सुपर टैकल हासिल करने के लिए स्टार रेडर परदीप नरवाल को भी मैट से बाहर भेज दिया।

पहले हाफ यूपी योद्धा अपने रक्षात्मक और आक्रामक आक्रमणों का अधिकतम लाभ उठाते हुए अंक अर्जित करने की होड़ में लग गए. एक और डू-ऑर-डाई रेड और फिर ऑल-आउट उनके पक्ष में गया, जिसका नेतृत्व महिपाल और गगना गौड़ा ने चार-चार अंकों के साथ किया।

यूपी योद्धाओं के डिफेंडरों में स्टार लेफ्ट कॉर्नर सुमित थे, जिन्होंने भी चार अंक बनाए और उनकी टीम ने दूसरे हाफ में 18-11 की बढ़त बना ली।

यू मुंबा ने दूसरे हाफ की शुरुआत में अपनी गलतियों की भरपाई करते हुए कुछ असाधारण बचाव किया और दूसरा सुपर टैकल अपने नाम कर लिया. हरफनमौला खिलाड़ी अमीरमोहम्मद जफरदानेश और संथापन सेल्वम ने अपनी टीम को खेल में वापस लाने में महत्वपूर्ण भूमिका निभाई।

यूपी योद्धाओं ने रणनीतिक समय समाप्ति के बाद यू मुंबा के खिलाफ एक और ऑल-आउट के साथ शुरुआत की, जिसके बाद सुमित ने रेडर शिवम को आउट करके अपना हाई 5 पूरा किया. तब तक मैच यू मुंबा के हाथ से निकल चुका था, क्योंकि परदीप नरवाल की अगुवाई वाली टीम ने बड़ी जीत हासिल कर अपनी हार का सिलसिला खत्म कर दिया।

केन विलियमसन ने विराट को छोड़ा पीछे

रचिन ने जड़ा पहला टेस्ट शतक; साउथ अफ्रीका के खिलाफ न्यूजीलैंड का दबदबा

नई दिल्ली।
साउथ अफ्रीका के खिलाफ न्यूजीलैंड पहले टेस्ट के पहले दिन अच्छी स्थिती में पहुंच गया है। पहले दिन स्टंप्स तक न्यूजीलैंड ने दो विकेट के नुकसान पर 285 रन बना लिए हैं। केन विलियमसन (112) और रचिन रविंद्र (118) नाबाद लौटे। दोनों के बीच नाबाद 219 रन की साझेदारी हुई।

साउथ अफ्रीका ने टॉस जीतकर पहले गेंदबाजी करने का फैसला किया। यह फैसला एक समय सही साबित भी होता हुआ दिख रहा था, जब कीवी टीम ने 39 रन के स्कोर दो विकेट गंवा दिया था। इसके बाद केन विलियमसन और रचिन रविंद्र ने मोर्चा संभाला। संभलकर खेलते हुए दोनों ने शतक जड़े।

केन ने विराट कोहली को छोड़ा पीछे - रचिन रविंद्र ने जहां अपना पहला

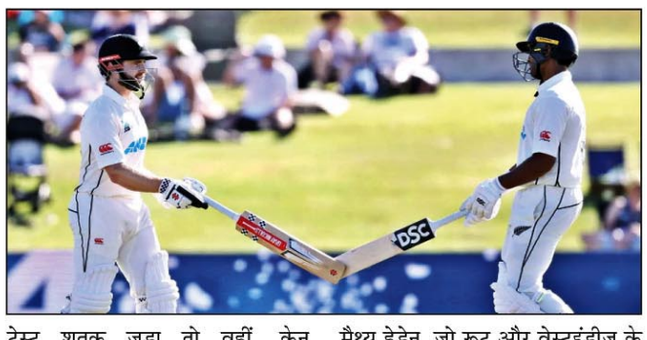

टेस्ट शतक जड़ा तो वहीं, केन विलियमसन ने टेस्ट करियर का 30वां शतक लगाया। 30 शतक जड़ते ही भारत के स्टार बल्लेबाज विराट कोहली और ऑस्ट्रेलिया के डॉन ब्रैडमैन को पीछे छोड़ दिया। इसके अलावा विलियमसन ने इस शतक के साथ ऑस्ट्रेलिया के पूर्व ओपनर मैथ्यू हेडेन, जो रूट और वेस्टइंडीज के दिग्गज क्रिकेटर शिवनारायण चंद्रपाल की बराबरी कर ली।

रचिन रविंद्र के साथ की नाबाद 219 रन की साझेदारी - लड़खड़ा चुकी न्यूजीलैंड की पारी को विलियमसन और रविंद्र की जोड़ी ने संकट से उबारा। रविंद्र जब विलियमसन का साथ देने क्रीज पर आए तब न्यूजीलैंड का स्कोर 16.5 ओवर में 2 विकेट पर 39 रन था। दोनों ओपनर डेवोन कॉनवे 1 और टॉम लैथम 20 रन बनाकर आउट हो चुके थे। इसके बाद विलियमसन और रविंद्र ने तीसरे विकेट के लिए नाबाद 215 रन की साझेदारी की।

अनुभवहीन खिलाड़ियों के साथ खेल रही साउथ अफ्रीका - एसए20 खेल रहे कई सीनियर खिलाड़ी इस सीरीज का हिस्सा नहीं है। साउथ अफ्रीका क्रिकेट ने कप्तान नील ब्रांड सहित कुछ 6 खिलाड़ियों का टेस्ट डेब्यू करवाया है। पहले टेस्ट मैच में साउथ अफ्रीका की तरफ से शेपो मोरकी ने 22 ओवर में 81 रन देकर 1 विकेट लिए। डेन पिटर्सन ने 22 ओवर में 59 रन देकर 1 विकेट लिए।

विराट की तीसरे टेस्ट में भी वापसी की संभावनाएं नहीं

मुम्बई। अनुभव बल्लेबाज विराट कोहली की 14 फरवरी से इंग्लैंड के खिलाफ राजकोट में शुरु हो रहे तीसरे टेस्ट में भी खेलने की संभावना नहीं है। विराट ने सीरीज शुरु होने से पहले ही निजी कारणों से शुरुआती दो मैचों से नाम वापस ले लिया था और अब उनका बाकि बचे मैचों में खेलना भी तय नहीं दिख रहा है। इसी कारण भारतीय क्रिकेट बोर्ड (बीसीसीआई) के अधिकारी उनसे भावी योजनाओं के बारे में जल्द से जल्द बात करने पर विचार कर रहे हैं। कोहली इस समय विदेश में हैं। कहा जा रहा है कि चयन समिति के अध्यक्ष अजीत अगरकर या बीसीसीआई के शीर्ष अधिकारी उनसे कर जानने का प्रयास करेंगे कि वह कब तक वापसी करना चाहते हैं। कोहली ने व्यक्तिगत कारणों का हवाला देते हुए इंग्लैंड के खिलाफ पहले दो टेस्ट मैचों से हटने का फैसला किया था। इसी को लेकर बीसीसीआई के एक अधिकारी ने कहा कि परिवार पहले आता है तो विराट तभी खेलेंगे जब उन्हें लगेगा कि वह खेलने की हालात में हैं। कोहली का टेस्ट से बाहर होने का कारण उनका दूसरे बच्चे के जन्म का इंतजार बताया जा रहा है। रॉयल चैलेंजर्स बेंगलोर टीम के पूर्व साथी एबी डिविलियर्स ने भी यही बात कही थी। डिविलियर्स ने कहा कि कोहली ने ब्रेक लेकर बिल्कुल सही काम किया है। उन्होंने कहा कि हां, उनके दूसरे बच्चे का जन्म होने वाला है। यह परिवार का समय है और यह समय उनके लिए बेहद अहम है। हमें उसकी कमी खल रही है।

सौंदर्य

पुरुषों की सख्त त्वचा के लिए बेहतरीन घरेलू उपाय

वो जमाने गए जब मेक-अप और स्किन केयर सिर्फ महिलाओं का ही काम माना जाता था. भई, टाइम बराबरी का है. आज का पुरुष सिर्फ काम और व्यापार में खुद को झोंक देना नहीं चाहता, वह जीवन को खूबसूरती के साथ जीना भी चाहता है. खूबसूरत दिखना चाहता है और यही वजह है कि बाजार में पुरुषों की सख्त त्वचा को ध्यान में रखकर कई उत्पाद भी आ गए हैं. लेकिन ये भी सच है कि बाजार के उत्पादों में कई तरह के कैमिकल होते हैं, जो त्वचा को नुकसान भी पहुंचा सकते हैं. महिलाओं के लिए तो सभी घरेलू टिप्स देते हैं यहां हैं कुछ घरेलू टिप्स खास मर्दों के लिए...

» नीम की ताजा पत्तियों को पीस लें और उनमें बेसन मिला लें. फिर दो चम्मच चंदन पाउडर और कुछ बूंदें गुलाब जल डालकर इसमें चुटकी भी हल्दी भी डाल लें. इसे चेहरे और हाथ-पैरों पर लगाएं. करीब 15 मिनट तक इसे चेहरे पर रखें और उसके बाद ठंडे पानी से चेहरा साफ कर लें। चेहरे पर चमक आ जाएगी.

» रात में सोने से पहले एक-एक चम्मच मसूर की पिसी दाल और बेसन भीगो कर रख दें. सुबह उठकर इसे चेहरे पर लगाएं. त्वचा के कील-मुहांसे साफ करने के साथ ही यह त्वचा में नई जान डाल देगा.

» दो चम्मच उड़द की दाल, चार चम्मच दूध, नींबू का रस, एक चम्मच सरसों का तेल, डेढ़ चम्मच चंदन पाउडर और चुटकी भर हल्दी को मिलाकर हाथ-पैरों की त्वचा पर लगा लें. सूखने पर उतार दें. इससे त्वचा को नई जान मिलेगी.

» 200 ग्राम छिलके उतरी जौ, 100 ग्राम हल्दी, 50 ग्राम खसखस, 50 ग्राम चंदन पाउडर, 50 ग्राम नारियल का तेल और 100 ग्राम केसर लें. अब जौ के दानों को कढ़ाई में भूनकर बारीक पीस लें. अब इसमें सारी सामग्री डाल दें. इस मिश्रण को नहाने से पहले दही में मिलाकर लगाएं। इसे पूरे शरीर की त्वचा पर लगाएं.इससे त्वचा की रंगत में निखार आएगा और कील, दानें वगैरह सभी से छुटकारा मिलेगा.

अदरक की चाय ही नहीं, अदरक का पानी भी है गुणकारी

अदरक का इस्तेमाल हम सभी अपने-अपने घरों में करते हैं. कुछ लोग इसका इस्तेमाल मसाले के तौर पर करते हैं तो कुछ गार्निशिंग के लिए. इसके अरोमा और फ्लेवर से खाने का स्वाद बढ़ जाता है. साथ ही ये जलनरोधी, एंटीफंगल, एंटीबैक्टीरियल और एंटीवायरल खूबियों से भी भरपूर होता है. इसकी वजह से ये एक हेल्थ टिश्यू को स्वस्थ बनाए रखने में मदद करता है. अदरक को कई तरह से खाया जा सकता है लेकिन चाय में इसका इस्तेमाल करना काफी फायदेमंद होता है. लेकिन अदरक की चाय के साथ-साथ अदरक का पानी भी स्वास्थ्य के लिए बहुत फायदेमंद होता है.

1. पाचन में मददगार: अदरक वाला पानी शरीर में डाइजेस्टिव जूस को बढ़ाता है. इसके सेवन से पाचन क्रिया में सुधार आता है और खाना आसानी से पच जाता है.

2. त्वचा संबंधी रोगों को दूर रखता है: अदरक का पानी पीने से खून साफ होता है और स्किन ग्लो करती है. ये पिंपल्स और स्किन इंफेक्शन के खतरे को भी दूर करता है.

खूबसूरत हिल मुन्नार में पर्यटकों के लिए है बहुत कुछ

केरल का एक खूबसूरत हिल स्टेशन है मुन्नार। यहां पर्यटक प्रकृति की खूबसूरती का आनंद ले सकते हैं। मुन्नार को ईश्वर का देश भी कहा जाता है। खूबसूरती ऐसी कि जैसे यह धरती के स्वर्ग की तरह लगता है। समुद्रतल से 1,700 मीटर ऊपर मुन्नार का दक्षिणी-पश्चिमी मैदानी इलाका ऐसा लगता है, जैसे मैदानों पर तरंगें तैर रही हैं। मुन्नार को चाय के बागानों का शहर भी कहा जाता है। यहां चाय के कई बगीचे भी देखने को मिल जाएंगे।

देखने लायक जगह-

अगर आप रोमांचक खेल के शौकीन हैं तो मुन्नार में आपके लिए बहुत कुछ है। जैसे ट्रैकिंग, पारा ग्लाइडिंग, रोप क्लाइबिंग और हाइकिंग। मुन्नार में देखने लायक जगह हैं राजमाला, चितीरापुरम और इकोपाइंट। मुन्नार में पर्यटकों के लिए आकर्षण है- मट्टुपेटी बांध। मुन्नार की असली सुंदरता पोतैमेदु में है, जो एक महत्वपूर्ण बागान है। मन को सम्मोहित करने वाली झीलें और घने जंगल यहां की खूबसूरती में चार चांद लगा देते हैं।

मुन्नार पहाड़ों से तीन तरफ यानी मुद्रापजा, नल्लतनी और कंडाला से घिरा है। किसी समय मुन्नार ब्रिटिश सरकार का दक्षिणी भारत का गर्मियों का रिजार्ट हुआ करता था। मुन्नार की खूबसूरती शब्दों में बयां नहीं की जा सकती।

मुन्नार का रोमांचक इतिहास-

यहां का इतिहास काफी रोमांचक है। यहां कभी ब्रिटिश शासकों का राज हुआ करता था। स्काटिश पहले ऐसे व्यक्ति थे, जिन्होंने भारत के मानचित्र में मुन्नार को ढूंढ़ा। ब्रिटिश मुन्नार को चाय की खेती के लिए इस्तेमाल करते थे और शहर की गर्मी से बचने के लिए यहां आते थे। इतिहास में मुन्नार में लोगों का बसना और इस क्षेत्र में सिविलाइजेशन से जुड़े कई तथ्य पाए गए हैं। सबूत यही बताते हैं कि यहां जीवन दसवीं शताब्दी से शुरू हुआ था। 19वीं शताब्दी आते-आते यहां छोटे-छोटे गांव बनने शुरू हो गए। 1895 के बाद मुन्नार में विकाय कार्य भी होने लगा। यहां का खूबसूरत वातावरण और दोस्ताना व्यवहार करने वाले निवासी बाहर से आने वालों का दिल जीत लेते हैं।

जब चाहें जाएं

मुन्नार आप साल में कभी भी जा सकते हैं। वैसे यहां जाने का सही समय है सितंबर से मई के बीच में। जून से लेकर सितंबर तक यहां मानसून रहता है। सर्दी में मुन्नार के लिए आपको भारी भरकम ऊनी कपड़े ले जाने पड़ेंगे ताकि आप वहां की सर्दी से बच सकें।

कैसे जाएं

मुन्नार के लिए आप हवाई मार्ग, रेल मार्ग या सड़क मार्ग तीनों का इस्तेमाल कर सकते हैं। मुन्नार के लिए सबसे नजदीक हवाई अड्डा कोच्चि और मदुरै है, जो 142 किलोमीटर की दूरी पर है। नजदीकी रेलवे स्टेशन कोच्चो और कोट्टायम हैं, जहां से मुन्नार के लिए ट्रेन जाती रहती है। मुन्नार जाने के लिए सड़क से पहुंच सकते हैं। लोकल बस और कैब आपको आसानी से शहर में मिल जाएंगे।

अगर आप मुन्नार में थोड़ा और घूमना चाहते हैं, तो आसपास कुछ जगह जैसे मैरायूर, नदूकनी और मीनली भी जा सकते हैं। मुन्नार की खूबसूरती का असली मजा वहां के फलोरा और फायना में है जो मुन्नार शहर की खूबसूरती को और भी देखने लायक और आकर्षक बनाते हैं।

समर ट्रेंड

सिलेब्रिटीज को भी लुभा रही पोल्का डोट ड्रेस

बेबो यानी करीना कपूर की बोल्डनेस सभी को लुभाती है। बात अगर सिर्फ उनके फैशन सेंस की करें तो उनकी बोल्डनेस उनके फैशन को माइंडब्लोइंग बना देती है। पुरानी सारी बातें छोड़ भी दें तब भी प्रेग्नेंसी में कराया गया उनका ब्राइडल फोटो शूट नहीं भुलाया जा सकता।

खैर, ताज़ा उदाहरण है उनके समर फैशन सेंस का। जब कैजुअल पोल्का मैक्सी ड्रेस को उन्होंने शो-स्टॉपर मोमेंट बना दिया। स्लीपर्स के साथ इस वन-साइडेड स्लिट मैक्सी ड्रेस में करीना सिंपल और गॉरजस लग रही हैं। इस खूबसूरत ड्रेस को डिजाइन खूबसूरत डिजाइनर मसाबा गुप्ता ने। खास बात यह है कि अभी करीना की डिलिवरी लगभग चार महीने ही हुए हैं। ...और इतने कम समय में वेटलूज़ करने को लेकर सुर्खियां बटोर रही हैं। करीना की कोशिशें देखकर तो यही लग रहा है कि जल्द उन्हें इनकी पुरानी शेप में आने से कोई नहीं रोक सकता। साथ ही शादी की तरह ही डिलिवरी भी उनके करियर में किसी तरह की दिक्कत नहीं खड़ी कर सकती।

होठों को निखारने के 7 घरेलू उपाय

खूबसूरत गुलाबी होठ की चाहत सभी महिलाओं को होती है, लेकिन कम ही ऐसी होती हैं, जिन्हें ये मिल पाता है. गुलाबी होठ पाने के लिए महिलाएं कई तरह के कॉस्मेटिक प्रोडक्ट तक खरीद लेती हैं पर फिर भी कोई फर्क नहीं पड़ता है. आगे की स्लाइड में हम आपको कुछ घरेलू उपचार बताएंगे, जिससे आपके होंठ गुलाबी हो सकते हैं।

» नींबू के रस को रोज रात को सोने से पहले अपने होठ में लगाएं. इस उपाय को कम से कम दो महीने करें.

» बीटरूट का रस लगाने से भी होठों का रंग गुलाबी होता है. बीट में लाल रंग प्राकृतिक रूप में मौजूद होता है, जिससे होंठ गुलाबी होते हैं. बीटरूट का रस होठ के कालेपन को भी दूर करता है.

» संतरे को अपने होठ पर रगड़ें. इसका रस होठों को मुलायम और खूबसूरत बनाता है.

» नारियल पानी, खीरे का रस और नींबू के रस को मिलाकर होठ पर लगाने से होठों का कालापन दूर होता है.

» हल्दी पाउडर को मलाई के साथ मिलाकर होठ में लगाने से भी होंठों का कालापन दूर होता है.

» अनार के दानों को मलाई के साथ पीसकर होठों पर लगाएं. इस उपाय को कुछ दिन करें. आपको फर्क दिखने लगेगा. होंठ गुलाबी और खूबसूरत हो जाएंगे.

» सोने से पहले ग्लीसरीन, गुलाब जल और केसर को मिलाकर होठ में लगाने से भी होंठ निखरते हैं.

बच्चों में फास्ट फूड खाने की आदत को ऐसे छुड़ाएं

बच्चों को फास्ट फूड खाना बहुत पसंद होता है लेकिन यह सेहत के लिए काफी हानिकारक है। अधिक फास्टफूड का सेवन करने से बच्चों में मोटापे की समस्या बढ़ रही है। गर्मी के मौसम में भी बच्चे फास्ट फूड खाना नहीं छोड़ते। बच्चों की इस आदत को रोकना बहुत जरूरी है। आज हम आपको कुछ टिप्स देंगे, जिससे आप बच्चों की यह आदत छुड़वा सकते है।

» बच्चे को सुबह हैल्दी ब्रेकफास्ट करवाएं ताकि वह दिन में फास्ट फूड न खाएं। ब्रेकफास्ट में बच्चे की पसंद की चीजें बनाएं।

» फ्रिज में ताजे फल जरूर रखें। उन्हें फल खाने की आदत डालें। बच्चों को क्रिएटिव सलाद बना कर दें।

» घर में बच्चों की पसंद के स्नैक्स रखें ताकि उनके मांगने पर आसानी बनाया जा सके।

» अगर बच्चे फास्ट फूड की डिमांड भी करते हैं तो उन्हें डांटे नहीं बल्कि प्यार से समझाएं। बच्चों को फास्ट फूड के दुष्प्रभावों के बारे में बताएं।

» कभी-कभी बच्चों को घर पर ही हैल्दी स्नैक्स बनाकर दें। घर पर बनाए स्नैक्स पौष्टिक भी होगें और इससे बच्चे भी खुश हो जाएंगे।

मंहगे कपड़े ही नही स्टाइलिश दिखने के लिए ये आदतें भी हैं जरूरी

स्टाइलिश दिखने के लिए महिलाएं बहुत कुछ करती हैं। मंहगे कपड़ों से लेकर एक्सैसरीज तक उनकी हर चीज ट्रैंडी होती हैं। अक्सर बाहर आने-जाने वाली महिलाओं को अपने कपड़ों को लेकर काफी चिंता रहता है। स्टाइलिश कपड़े, मैचिंग जूते और मेकअप हर चीज को वे कैरी करती हैं लेकिन सिर्फ मंहगे कपड़ों से ही नहीं, फैशनेबल दिखने के लिए कुछ छोटी-मोटी आदतों को अपनाना भी बहुत जरूरी है। आइए जानिए महिलाओं के लिए कुछ जरूरी बातें

1. वार्डरोब

महिलाओं के पास कई कपड़े होते हैं जिन्हें वे अपनी वार्डरोब में रखती हैं लेकिन कामकाज वाली महिलाओं के पास इतना समय नहीं होता कि वे अपनी अलमारी को सही ढंग से रखें। ऐसे में कुछ समय निकाल कर अपनी वार्डरोब को सही तरीके से अरेंज करें जिससे कपड़े इधर-उधर न हों और ऑफिस जाते समय आराम से कपड़े मिल जाएं।

2. मेकअप

ऑफिस जाने वाली महिलाओं के पास सुबह इतना समय नहीं होता कि अच्छे से तैयार हो सकें। इसके लिए रात को ही कपड़े निकाल कर रख लें और सुबह थोड़ा जल्दी उठ जाएं। इससे तैयार होने के लिए समय भी मिल जाएगा और हड़बड़ी में कुछ भूलेंगी नहीं।

3. स्पा

अक्सर महिलाएं कामकाज में इतना बीजी हो जाती हैं कि वे खुद पर ध्यान नहीं दे पाती। ऐसे में उन्हें स्किन और बालों को लेकर कई समस्याएं हो जाती हैं। इसलिए महीने में एक बार खुद के लिए समय निकाल कर स्पा और फेशियल करवाएं।

4. कपड़े

स्टाइलिश दिखने के लिए महिलाएं महंगे कपड़े और जूते पहनती हैं लेकिन समय न होने की वजह से वे कपड़ों को प्रैस नहीं करती जो देखने में बिल्कुल अच्छा नहीं लगता। ऐसें में हमेशा कपड़ों को पहनने से पहले उनकी सिलवटें निकालें।

5. हैल्दी डाइट

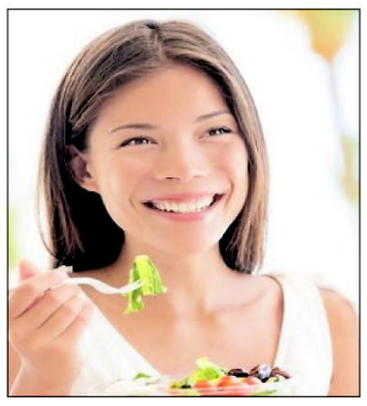

कपड़ों से सिर्फ बाहरी सुंदरता मिलती है लेकिन अपनी अंदरूनी खूबसूरती के लिए एक अच्छी डाइट लेना बहुत जरूरी है। इसके लिए फल और हरी सब्जियां खाएं और खूब पानी पीएं।

मां सिखा देती है जीवन जीने के 4 तरीके

दुनिया का सबसे खूबसूरत रिश्ता मां-बच्चों के बीच का होता है। मां का प्यार बच्चों के लिए सारी दुनिया से बढकर होता है। मां के आदर्शों से ही बच्चे आगे बढते हैं और उसकी दी गई सीख बच्चों को सारी जिंदगी याद रहती है। कुछ बातें ऐसी होती हैं जिनको ना तो स्कूल में पढ़ाया जाता है और ना मां के अलावा कोई और बच्चों को सीखा सकता है।

1. दूसरों की केयर करना : मां अपने बच्चों की खास देखभाल करती हैं। बच्चा चाहे कितना भी शैतान क्यों न हो मां उसको प्यार करना कभी नहीं छोड़ती। इतने कामों के होते हुए भी मां परिवार और बच्चों की हर जरूरत का ख्याल रखती है। उसकी यही बात को बच्चे भी अपनी जिंदगी में ढाल लेते हैं।

2. जिम्मेदारी निभाना : बच्चों के छोटे होने से लेकर बड़े होने तक हर समय मां उनका ख्याल रखती है। समय-समय पर जरूरत से पहले ही उनको चीज लाकर देती है। मां अपने हर बच्चे के लिए पूरी तरह से बराबर की जिम्मेदारी निभाती है। मां की इन्ही बातों को बच्चे अपनी जिंदगी में ढाल लेते हैं।

3.अनुशासन का पालन करना : बच्चों की जिंदगी में कुछ बातें ऐसी होती हैं जिससे मां के गुण भी पहचाने जाते हैं। अपने से बड़ों के साथ कैसी बातचीत करनी है। अपने से छोटे बच्चों के साथ किस तरह से पेश आएं और कैसे उनकी देखभाल करनी है। यह बातें बच्चे के बड़े होने के बाद भी काम आती हैं।

4. गुस्से पर कंट्रोल रखना : गुस्सा इंसान का सबसे बड़े दुश्मन है। बच्चे को चीजों को नजरअंदाज करना सीखाएं। मां गुस्से पर काबू पाकर, बातों को नजरअंदाज करके भी प्यार के साथ रिश्तों को निभाती जाती है। इस बात को बच्चे जरूर फॉलो करते हैं और जो बच्चे इस सीख को जिंदगी में ढाल लेते हैं उनको रिश्ते निभाने में कोई परेशानी नहीं आती।

रेसिपी

इडली चाट

सामग्री

4 इडली (दालचावल या सूजी की), 1/2 टमाटर (कद्दूकस किया हुआ), 2 बड़े चम्मच टोमैटो सॉस, 1 छोटा चम्मच राई, 7-8 करीपत्ते, 1/2 कप प्याज (कटे हुए), 1 हरीमिर्च (लंबी कटी हुई), नमक स्वादअनुसार, तेल तलने के लिए, 1 छोटा चम्मच सांभर पाऊडर

विधि

सबसे पहले इडली को 2 हिस्सों में काट लें। अब कड़ाही में तेल गर्म करें। अब उसमें करीपत्ता, प्याज, टमाटर, हरीमिर्च डालकर अच्छी तरह से भूने। बाद में टमाटर कैचप, सांभर पाऊडर और 1/2 कप पानी और नमक डालें। इसे थोड़ी देर के लिए पकाएं। अब उसमें इडली के टुकड़े डालकर अच्छी तरह से हिलाएं और आंच बंद कर दें। इडली चाट तैयार है। इसे हरी चटनी के साथ सर्व करें।

बीन स्प्राउट्स , कॅप्सिकम सलाद

सामग्री

1 1/2 कप बीन स्प्राउट्स, 1/4 कप पतली स्लाईस्ड शिमला मिर्च, नमक स्वादअनुसार, तीखे ड्रेसिंग के लिए, 1 1/2 टी-स्पून तेल, 1 टी-स्पून क्रश किया हुआ लहसुन, 2 टी-स्पून विनेगर, 1 टी-स्पून सोया सॉस, 1/2 टी-स्पून शक्कर, 1/2 टी-स्पून लाल मिर्च पाउडर, 1 1/2 टेबल-स्पून दरदरी क्रश की हुई मूंगफली, नमक स्वादअनुसार,

सजाने के लिए: 1 टेबल-स्पून बारीक कटे हुए हरी प्याज़ के पत्ते, 1 टेबल-स्पून कटा हुआ हरा धनिया

विधि

तीखे ड्रेसिंग के लिए: छोटे नॉन-स्टिक पैन में तेल गरम करें, लहसुन डालकर मध्यम आंच पर 15 सेकेन्ड तक भूनें। आंच से हटाकर ठंडा करने रख दें। विनेगर, सोया सॉस, शक्कर, लाल मिर्च पाउडर, मूंगफली पालकर अच्छी तरह मिलाएं। एक तरफ रख दें।

आगे बढ़ने की विधी: बीन स्प्राउट्स, तीखे ड्रेसिंग और नमक को एक बाउल में डालकर हलके हाथों मिला लें। तुरंत परोसें या 30 मिनट के लिए फ्रिज में रखकर ठंडा परोसें।

मुद्रक एवं प्रकाशक राकेश शर्मा द्वारा अजय त्यागी के लिए ईको प्रिंटिंग प्रेस, पोस्ट एवं पीएस : गड़चुक, कटाबाड़ी मस्जिद के पास, कामरूप (मेट्रो), गुवाहाटी-35 से मुद्रित एवं **गुड लक पब्लिकेशंस, हाउस नं. 30, डी. नेउग पथ, डोना प्लैनेट के नजदीक, एबीसी, जीएस रोड गुवाहाटी-5 से प्रकाशित।**
संपादक : राकेश शर्मा, मोबाइल : 94350-14771, 97070-14771 ● **कार्यकारी संपादक : डॉ. आसमां बेगम ● फोन : 0361-2960054 (संपादकीय)** e-mail : viksitbharatsamacharghy@gmail.com, **(सभी विवाद सिर्फ गुवाहाटी न्याय क्षेत्र के अधीन)**